नवबिहार टाइम्स

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

• बोकारो, बुधवार, 8 अक्टूबर 2025 • वर्ष : 09 • अंक : 142 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

गुवा डाकघर से फर्जी निकासी में मामले में उप डाकपाल गिरफ्तार

बिहार विधानसभा चुनाव : झारखंड के आठ जिलों में विशेष सतर्कता के आदेश

अवैध शराब और हथियार पर विशेष नजर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर झारखंड पुलिस भी पूरी तरह से अलर्ट मोड में आ चुकी है। बॉर्डर वाले इलाकों में मादक पदार्थों और अवैध हथियार, पैसे और शराब की तस्करी पर ब्रेक लगाने के लिए झारखंड पुलिस मुख्यालय के द्वारा झारखंड के सभी जिलों के एसएसपी/एसपी को अलर्ट जारी किया गया है। आईजी अभियान के द्वारा इस संबंध में सभी जिलों के एसपी को पत्र भी भेजा गया है। बिहार विधानसभा चुनाव का एलान हो चुका है, ऐसे में झारखंड के पलामू, गढ़वा, चतरा और कोडरमा जैसे जिलों में विशेष सतर्कता बढ़ाने के निर्देश झारखंड पुलिस मुख्यालय द्वारा दिया गया है। झारखंड पुलिस के प्रवक्ता सह आईजी अभियान डॉ. माइकल राज ने बताया कि बिहार विधानसभा आम चुनाव को स्वच्छ, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण संपन्न करवाने को लेकर अवैध शराब और मादक पदार्थों के निर्माण, व्यापार, परिवहन और तस्करी के रोकथाम के लिए सभी तरह के निरोधात्मक कार्रवाई करने को लेकर निर्देश जारी किए गए है। आईजी अभियान ने बताया कि पूर्व में भी बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर सीएस और डीजीपी के स्तर से निर्देश जारी किए गए है। आईजी अभियान डॉ. माइकल राज ने बताया कि चुनाव आयोग के द्वारा जो भी गाइडलाइंस जारी किए गए हैं, उसके अनुसार तमाम तरह की सतर्कता झारखंड पुलिस द्वारा बरती जा रही है। खासकर अवैध कैश पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। चुनाव आयोग के गाइडलाइंस के अनुसार जितना नगद ले जाने की इजाजत मिलती है, अगर उससे ज्यादा कोई कैश लेकर जाता है तो उस पर नजर रखने का निर्देश दिया गया है। बिहार विधानसभा चुनाव को देखते हुए झारखंड के आठ जिलों में चेक पोस्ट तैयार किया जा रहे हैं। सभी चेक पोस्टों पर बिहार पुलिस के साथ समन्वय स्थापित कर चेकिंग अभियान चलाया जाएगा। आईजी अभियान माइकल राज ने बताया कि वैसे झारखंड के जिले जो बिहार से सटे हुए हैं, वह अपने बिहार के निकटवर्ती जिलों के पुलिस अधीक्षकों से समन्वय स्थापित कर इंटर जिला बैठक करेंगे। इसके अलावा इंटर स्टेट बैठक की भी रणनीति तैयार की गई है। वहीं दूसरी तरफ झारखंड पुलिस मुख्यालय की तरफ से झारखंड के घाटशिला में होने वाले उपचुनाव को लेकर भी तैयारी शुरू कर दी गई है। घाटशिला उपचुनाव को लेकर सुरक्षा इंतजाम के साथ-साथ अवैध मादक पदार्थों और हथियारों की तस्करी को रोकने के लिए विशेष रणनीति तैयार की जा रही है।

सीएम हेमंत सोरेन ने शहीद आरक्षी के आश्रितों को दी सम्मान राशि

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बुधवार को वीर शहीद आरक्षी सुनील कुमार राम एवं संतन कुमार मेहता के परिजनों को सम्मान राशि के रूप में एक करोड़ 10 लाख रुपए की वित्तीय सहायता का चेक प्रदान किया। इस अवसर पर श्री सोरेन ने कहा कि राज्य सरकार सदैव शहीदों के सम्मान में आश्रितों के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि शहीद के बच्चों को क्वालिटी एजुकेशन भी निःशुल्क प्रदान किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

स्कॉर्पियो नदी में गिरी युवक की मौत

गुमला(नबिटा ब्यूरो)। गुमला-छत्तीसगढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग पर बुधवार सुबह करीब 7 बजे एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर सीलम नदी में गिर गई। इस दुर्घटना में लोहरदगा थाना क्षेत्र के तिगरा गांव निवासी 30 वर्षीय जुनैद अंसारी की डूबने से मौत हो गई। स्कॉर्पियो में जुनैद अंसारी के साथ चालक अब्दुल रशीद और शमशाद आलम भी सवार थे।

मोबाइल दुकानदार का शव डैम के पास मिला

जमशेदपुर (नबिटा ब्यूरो)। एमजीएम थाना क्षेत्र स्थित छोटाबांकी डैम के पास खारंगझार के मोबाइल दुकानदार रॉनी का शव नग्न अवस्था में मिला। उसके शव के पास ही उसकी स्कूटी भी खड़ी मिली। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लिया। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए एमजीएम अस्पताल भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच आत्महत्या और हत्या, दोनों कोणों से कर रही है।

ट्रेलर की ठोकर से युवक की मौत

गढ़वा(नबिटा ब्यूरो)। रंका थाना क्षेत्र में बुधवार को सड़क हादसे में छत्तीसगढ़ के एक युवक की मौत हो गई। यह घटना राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-343 पर खुदवा मोड़ के पास हुई। मृतक की पहचान अंबिकापुर निवासी 28 वर्षीय राजन सोनी के रूप में हुई है, जो बबलू सोनी के पुत्र थे। राजन सोनी अपनी बुआ के घर से मोटरसाइकिल पर सवार होकर अंबिकापुर लौट रहे थे। रंका-अंबिकापुर मुख्य मार्ग पर खुदवा मोड़ के पास विपरीत दिशा से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रेलर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी।

सेंट्रल जेल के जेलर और पांच वार्डन निलंबित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। जिला मुख्यालय स्थित सेंट्रल जेल के एक जेलर और पांच वार्डन को निलंबित कर दिया गया है। जेल के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी है। हजारीबाग केंद्रीय कारागार के अधीक्षक जितेंद्र सिंह ने बताया कि महानिरीक्षक (जेल) सुदर्शन मंडल ने अनियमितताओं के आरोप में जेलर दिनेश वर्मा और जेल के पांच वार्डनों को निलंबित कर दिया है। उन्होंने बताया कि जेलर, 5 वार्डन और वार्डन के रूप में कांट्रैक्ट पर काम कर रहे 6 पूर्व सैन्यकर्मियों को भी हटा दिया गया है। अधिकारी ने बताया कि कैदियों के साथ कथित तौर पर मिलीभगत करने और खासमहल भूमि घोटाले के सिलसिले में हाल ही में गिरफ्तार एक प्रभावशाली

कैदी को कुछ विशेषाधिकार और सुविधाएं प्रदान करने के आरोप में उनके खिलाफ कार्रवाई की गयी। जितेंद्र सिंह ने बताया कि कार्रवाई के बाद सुरक्षा कारणों से जेल का मुख्य द्वार बंद कर दिया गया है। वहां चौबीसों घंटे मजिस्ट्रेट तैनात किये गये हैं। मुख्य द्वार के बाहर सुरक्षा बल को तैनात कर दिया गया है, जहां एक कैंप बनाया गया है। पुलिस सीसीटीवी कैमरों के जरिये जेल के आसपास की गतिविधियों पर नजर रख रही थी। खासमहल जमीन घोटाले का एक मुख्य आरोपी, विनय कुमार सिंह हजारीबाग सेंट्रल जेल में बंद है। उसने अपने फोन से राज्य सरकार को जेल में खाने की घटिया गुणवत्ता के बारे में एक संदेश भेजा था। इसके बाद अधिकारियों ने इस बात की जांच शुरू की कि एक कैदी के पास मोबाइल फोन कैसे पहुंच गया और उसने सरकार को ऐसा संदेश कैसे भेजा। आईजी (जेल) ने विनय सिंह को फोन और अन्य सुविधाओं के इस्तेमाल की अनुमति देकर कुछ विशेष सुविधाएं प्रदान करने को भी गंभीरता से लिया। उसे खासमहल जमीन घोटाले के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था।

भवन निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता के घर छापेमारी

भागलपुर(नबिटा ब्यूरो)। भवन निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता प्रणव कुमार के घर पर बुधवार की सुबह विजिलेंस की टीम ने छापेमारी की। बताया जा रहा है कि इंजीनियर के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने की शिकायत मिलने के बाद पटना से विजिलेंस की 12 सदस्यीय टीम भागलपुर पहुंची है। टीम ने पूरे घर की बारीकी से जांच की। सूत्रों के मुताबिक, विजिलेंस टीम को शिकायत मिली थी कि इंजीनियर प्रणव कुमार ने अपनी आय से कई गुना अधिक संपत्ति अर्जित की है, जिसके बाद पटना मुख्यालय से छापेमारी का आदेश जारी किया गया। छापेमारी के दौरान टीम ने घर में मौजूद दस्तावेज, बैंक पासबुक, प्रॉपर्टी पेपर्स और अन्य वित्तीय लेनदेन से जुड़े रिकॉर्ड की जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि जब टीम ने छापा मारा, उस वक्त इंजीनियर घर पर मौजूद नहीं थे।

दंपति व बेटी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

धनबाद। जिले के जोगता थाना क्षेत्र में संदिग्ध अवस्था में एक दंपति और उनकी दो साल की बच्ची का शव बरामद किया गया है। उनकी मौत कैसे हुई है, इसके कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने तीनों शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना जोगता थाना क्षेत्र के सिजुआ स्थित न्यू साइडिंग नंबर वन कॉलोनी में हुई। पुलिस के अनुसार 26 वर्षीय राजा अंसारी, उनकी पत्नी 21 वर्षीय अमीना खातून और 2 वर्षीय मायरा के शव उनके घर में संदिग्ध परिस्थितियों में मिला है। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने तीनों को पोस्टमार्टम के लिए एसएनएमएमसीएच भेज दिया। फिलहाल परिवार के किसी भी सदस्य के मौके पर न पहुंचने के कारण पोस्टमार्टम नहीं हो सका है। पुलिस परिजनों का इंतजार कर रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार राजा अंसारी कुछ दिन पहले ही अपनी पत्नी और बेटी के साथ किराए के मकान में रहने आए यहां थे। पहले वह अपने माता-पिता के साथ रहते थे। राजा राजमिस्त्री का काम करते थे। मंगलवार की रात वह कतरास से काम से घर लौटे थे। उस दौरान उनके हाथ में सब्जियों से भरा एक प्लास्टिक का थैला था। घटना के बाद जब पुलिस उनके घर पहुंची तो तीनों के शव मिले। प्लास्टिक की थैलियों में भरी सब्जियां और एक पीला तरल पदार्थ मिला, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया। जहां अमीना खाना बना रही थी, वहां हीटर लगे थे। पुलिस के अनुसार प्रथम दृष्टया करंट लगने से मौत की बात कही जा रही है। आशंका जताई जा रही है कि बच्ची हीटर के संपर्क में आ गई जिसे उसकी मां बचाने की कोशिश कर रही थी। इस दौरान मां भी करंट की चपेट में आ गई। जब पति राजा अंसारी पहुंचा तो उसने अपनी पत्नी और बेटी को बचाने की कोशिश की जिससे वे भी करंट की चपेट में आ गए। हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने तक मौत के असली कारणों का पता लगाना मुश्किल है। पुलिस भी पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। थाना प्रभारी पवन कुमार ने बताया कि तीनों के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए गए हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों के बारे में कुछ कहा जा सकेगा। पहली नजर में ऐसा लग रहा है कि मौत करंट लगने से हुई है।

नक्सली दंपति ने किया आत्मसमर्पण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गिरिडीह। नक्सली दंपति ने बुधवार को आत्मसमर्पण कर दिया। भाकपा (माओवादी) संगठन से जुड़े एरिया कमिटी सदस्य शिवलाल हेम्ब्रम उर्फ शिवा और उसकी पत्नी दस्ता सदस्य सरिता हांसदा उर्फ उर्मिला ने सरेंडर किया। दोनों ने एसपी डॉ. बिमल कुमार, उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी रामनिवास यादव, अपर पुलिस अधीक्षक (अभियान) सुरजीत सिंह, पुलिस उपमहानिरीक्षक सीआरपीएफ 154 बटालियन कमांडेंट अमित सिंह, डुमरी के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी तथा अन्य पुलिस पदाधिकारियों की उपस्थिति में स्वेच्छा से आत्मसमर्पण किया। शिवलाल हेम्ब्रम (25) टेसाफुली, थाना मधुबन के निवासी है और संगठन में एरिया कमिटी सदस्य के रूप में सक्रिय था। वहीं उसकी पत्नी सरिता हांसदा (19) निवासी चतरो थाना खुखरा, दस्ता सदस्य के रूप में काम

कर रही थी। पुलिस के अनुसार शिवलाल वर्ष 2017 में नक्सली संगठन से जुड़ा था। शुरुआती वर्षों में उसने संतरी और रसोइए के रूप में कार्य किया। बाद में उसे माओवादी कमांडर करम दा उर्फ विवेक का अंगरक्षक बनाया गया। वर्ष 2022 में उन्हें एरिया कमेटी सदस्य का पद मिला। संगठन में रहकर उसने विस्फोटक और हथियार छिपाने, ग्रामीणों से लेवी वसूली और पुलिस बलों पर हमले जैसी कई नक्सली गतिविधियों में हिस्सा लिया। सरिता को वर्ष 2020 में जया दी द्वारा संगठन में शामिल किया गया था। शिवलाल और सरिता ने वर्ष 2024 में विवाह किया। पुलिस ने बताया कि संगठन के शीर्ष कमांडरों द्वारा शोषण, ग्रामीणों पर अत्याचार और पुलिस कार्रवाई से भयभीत होकर दोनों ने संगठन छोड़ने का मन बनाया। गिरिडीह पुलिस लगातार इनके परिजनों के संपर्क में थी और उन्हें आत्मसमर्पण के लिए प्रेरित कर रही थी।

फर्जी निकासी में उप डाकपाल गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

चाईबासा। पश्चिमी सिंहभूम जिले के गुवा डाकघर से लगभग 50 लाख रुपए की फर्जी निकासी के आरोप में तत्कालीन उप डाकपाल विकास चंद्र कुलिला (46) को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी पर डाकघर की विभिन्न बचत योजनाओं के खाताधारकों की राशि का दुरुपयोग कर जुए में गंवाने का आरोप है। यह मामला 1 फरवरी 2023 से 19 जून 2025 के बीच का है। इस अवधि में आरोपी ने कुल 50,56,473 रुपए की फर्जी निकासी की थी। इस संबंध में डाक निरीक्षक सुमन कुमार सामंता ने शिकायत दर्ज कराई, जिसके आधार पर गुवा थाना में कांड संख्या 34/2025 के तहत मामला दर्ज किया गया। जांच के दौरान यह खुलासा हुआ कि विकास चंद्र कुलिला ने फर्जी तरीके से निकाली गई राशि को ऑनलाइन जुए के ऐप जैसे डेल्टा एक्सचेंज और धूम 999 कैसीनो पर गंवा दिया। इसके अलावा उसने स्थानीय जुआ स्थलों पर भी भारी रकम हारी। आरोपी के एसबीआई और डाकघर खातों की जांच में बड़े वित्तीय लेन-देन के प्रमाण मिले हैं। पश्चिम सिंहभूम पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अजय केरकेट्टा (किरीबुरू) के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई। टीम ने टुंगरी स्थित आरोपी के आवास पर छापेमारी कर उसे उसकी पत्नी और दो स्वतंत्र गवाहों की उपस्थिति में गिरफ्तार किया।

बिहार-झारखण्ड का अपना अखबार

नवबिहार टाइम्स

आवश्यकता

1. बोकारो जिला मुख्यालय के अलावा प्रत्येक प्रखंड के लिए संवाददाता चाहिए।

2. नवबिहार टाइम्स के बोकारो कार्यालय के लिए उप सम्पादक/कार्यालय संवाददाता की आवश्यकता है। हिन्दी में समाचार लिखने और समाचार की समझ रखने वाले अनुभवी संवाददाता ही सम्पर्क करें। मानदेय-योग्यतानुसार।

3. बोकारो कार्यालय के लिए एक चतुर्थवर्गीय कर्मचारी की आवश्यकता है। बोकारो, चास या आस-पास का ही निवासी होना अनिवार्य है

सम्पर्क करें:-

7295863300/8210783623

'नवबिहार टाइम्स' कार्यालय, 31 कॉपरेटीव कॉलोनी बोकारो (झारखण्ड) मो0- 7004247547/6206165107

E-mai : nbtimesbihar@gmail.com

पारदर्शिता, विश्वास व सकारात्मक संवाद ही सफलता की कुंजी

नेशनल पीआर कॉन्क्लेव 2025 का आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। राजधानी रांची के दरभंगा हाउस स्थित सभागार में बुधवार को नेशनल पीआर कॉन्क्लेव 2025 का आयोजन किया गया। इस अवसर पर रांची के कई कॉलेजों के विद्यार्थी, शिक्षाविद, मीडियाकर्मी और कॉर्पोरेट जगत से जुड़े प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्तर के कई अतिथि भी शामिल हुए जिन्होंने पब्लिक रिलेशन (पीआर) के बदलते स्वरूप और इसके महत्व पर अपने विचार रखे। नेशनल कॉन्क्लेव में बतौर मुख्य अतिथि सीसीएल के सीएमडी नीलेंदु कुमार सिंह, वरिष्ठ पत्रकार बलबीर दत्त, एचआरसीआईएल के डायरेक्टर (एचआर) विनय रंजन और प्रसिद्ध विज्ञापन निर्देशक प्रह्लाद कक्कड़ उपस्थित रहे। सभी वक्ताओं ने पीआर की भूमिका, उसकी व्यावहारिक जरूरत और आधुनिक दौर में उसके बदलते स्वरूप पर विस्तार से चर्चा की। कॉन्क्लेव का थीम था-पीआर क्या है, कंपनियों को पीआर की जरूरत क्यों पड़ती है और आखिर इसकी वैकेंसी क्यों आवश्यक है। इस विषय ने विद्यार्थियों और उपस्थित लोगों में गहरी उत्सुकता जगाई। वक्ताओं ने बताया कि पीआर केवल प्रचार या मीडिया मैनेजमेंट का माध्यम नहीं बल्कि किसी संस्था और समाज के बीच मजबूत सेतु का कार्य करता है। प्रह्लाद कक्कड़ ने कहा कि आज कंपनियां सिर्फ अपने उत्पाद नहीं बल्कि एक भरोसा और छवि बेचती हैं। अगर जनता से संवाद नहीं होगा तो ब्रांड का अस्तित्व टिकेगा नहीं। एक अच्छा पीआर किसी कंपनी की साख और प्रतिष्ठा का आधार होता है। वहीं वरिष्ठ पत्रकार बलबीर दत्त ने कहा कि पीआर का मतलब है संवाद स्थापित करना, न कि केवल खबरों में जगह पाना। उन्होंने छात्रों को समझाया कि आज मीडिया और कॉर्पोरेट दोनों को ऐसे पीआर प्रोफ़ेशनल्स की जरूरत है जो सच्चाई, संवेदनशीलता और समझ के साथ अपनी भूमिका निभा सकें। वहीं नीलेंदु कुमार सिंह ने कहा कि किसी भी कंपनी की प्रगति उसके कर्मचारियों और ग्राहकों के साथ रिश्तों पर निर्भर करती है। आज के प्रतिस्पर्धी दौर में पीआर कंपनी का चेहरा बन चुका है। पारदर्शिता, विश्वास और सकारात्मक संवाद ही सफलता की कुंजी है। कॉन्क्लेव में रांची विश्वविद्यालय और अन्य संस्थानों के पीआर विभागों के छात्र-छात्राओं ने भी हिस्सा लिया। विद्यार्थियों ने प्रश्नोत्तर सत्र में विशेषज्ञों से सीधा संवाद किया और कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन की नई चीजों के बारे में जानकारी हासिल की। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों को सम्मानित किया गया और आयोजकों ने इसे हर साल आयोजित करने की घोषणा की। इस कॉन्क्लेव ने यह संदेश दिया कि बिना प्रभावी पब्लिक रिलेशन के किसी भी संस्था का विकास संभव नहीं है। पीआर अब केवल एक पेशा नहीं बल्कि विश्वास और संवाद की कला बन चुका है।

उपायुक्त कार्यालय में जनता दरबार का हुआ आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी समीरा एस की अध्यक्षता में बुधवार को समाहरणालय सभागार में जनता दरबार का आयोजन किया गया। जनता दरबार में जिले के विभिन्न प्रखंडों से आये लोगों ने अपनी समस्याओं को डीसी के समक्ष रखा। पब्लिक की बातों को सुनते हुए उपायुक्त ने मौके पर ही संबंधित विभाग के पदाधिकारियों को आवेदनों की प्रति अग्रसारित करते हुए त्वरित और निष्पक्ष कार्रवाई 15 दिनों के भीतर सुनिश्चित करने की बात कही।

जनता दरबार में पांकी से आये शशिकांत यादव ने मजदूर किसान इंटर महाविद्यालय के प्राचार्या द्वारा योगदान नहीं कराने एवं वित्तिय वर्ष 2023-24 एवं 2024-25 का अनुदान राशि नहीं देने के संबंध में आवेदन दिया। इसी तरह पिंकी देवी ने दिए अपने आवेदन में कहा कि पिछले 14 महीनों से मेरे जमीन पर संतोष गुप्ता द्वारा अवैध कब्जा करने का कोशिश किया जा रहा है। एसडीओ ऑफिस द्वारा दंडाधिकारी नियुक्त कर सीमांकन की कार्रवाई किया गया जिसमें लिखा गया है कि संतोष गुप्ता का अवैध कब्जा है।सीमांकन के बाद भी हमारे विरोधी को कोई नोटिस जारी नहीं किया गया।इसी तरह गाड़ी खास से आये अशोक साव ने एनएच 75/39 में अधिग्रहण किये गये जमीन का मुआवजा नहीं मिलने के संबंध में आवेदन दिया।इसी क्रम में हुस्सैनाबाद के प्रतिमा देवी ने गांव के ही कुछ लोगों पर सरकारी जमीन हड़पने की शिकायत की।जनता दरबार में रिटायर्ड पंचायत सचिव ने अपने एमएसीपी का लाभ दिए जाने को लेकर अनुरोध किया।इसी तरह विभिन्न अंचलो से कुल 10 से अधिक महिलाओं द्वारा मुख्यमंत्री मइयां सम्मान योजना का पैसा नहीं मिलने के संबंध में आवेदन दिया गया।इन सभी आवेदनों को जांच हेतु सामाजिक सुरक्षा के यहां भेज दिया गया। उपरोक्त के अतिरिक्त जनता दरबार में मुख्य रूप से भूमि विवाद,सार्वजनिक रास्ता रोकने,अयोग्य लाभुकों को पीएम आवास दिये जाने,दाखिल खारिज, राजस्व, स्वास्थ्य विभाग, आपूर्ति, पेयजल, शिक्षा, कल्याण विभाग से संबंधित आवेदन प्राप्त किये गये।

हजारीबाग जेपी कारा में बड़ी कार्रवाई : जेलर समेत छह सरकारी कर्मी निलंबित, छह संविदाकर्मी कक्षपाल बर्खास्त

नवीन सिन्हा

■ पूर्व जेल सिपाही की गिरफ्तारी के बाद विभागीय जांच में खुली लापरवाही की पोल, जेल प्रशासन में मचा हड़कंप

हजारीबाग। हजारीबाग स्थित लोकनायक जयप्रकाश नारायण केंद्रीय कारा में लापरवाही और अनियमितताओं के गंभीर आरोपों के बाद सरकार ने कड़ी कार्रवाई की है। जेल अधीक्षक की अनुशंसा पर जेलर समेत छह सरकारी कर्मियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है, जबकि संविदा पर कार्यरत छह भूतपूर्व सैनिक कक्षपालों की सेवाएं समाप्त कर दी गई हैं।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, हाल ही में एक पूर्व जेल सिपाही की गिरफ्तारी के बाद हुई विभागीय जांच में कई गंभीर गड़बड़ियां सामने आईं। जांच में यह पाया गया कि कारा के अंदर बाहरी व्यक्तियों को अनधिकृत रूप से प्रवेश की अनुमति दी जा रही थी। कुछ कर्मियों पर बंदियों को अनुचित सुविधाएं उपलब्ध कराने के भी

आरोप लगे हैं। प्रशासन ने निलंबित कर्मियों के विरुद्ध विभागीय जांच के आदेश जारी किए हैं, वहीं बर्खास्त संविदाकर्मियों के खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई पर भी विचार किया जा रहा है। इस कार्रवाई के बाद जेल प्रशासन में भारी हड़कंप मच गया है। वरिष्ठ अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि—'जेल व्यवस्था में किसी भी प्रकार की ढिलाई, अनुशासनहीनता या भ्रष्टाचार को किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।' राज्य कारा निदेशालय ने घटना के बाद सभी जिलों के जेलों को सतर्क किया है और सुरक्षा मानकों के सख्त पालन का निर्देश जारी किया है।

वीर परिवार सम्मान सह सहायता योजना के तहत हैदरनगर में चला डालसा का जागरूकता अभियान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। डालसा संवाद स्किम 2025 वीर परिवार सम्मान सह सहायता योजना के अंतर्गत बुधवार को हैदरनगर प्रखंड के विभिन्न गावों में जागरूकता अभियान चलाया गया। पीएलवी रवीन्द्र ठाकुर, पूर्व सैनिकों व पीएलवी रजी अहमद उर्फ राजू खान के नेतृत्व में चलाया गए।

जागरूकता अभियान के तहत विभिन्न गावों के महिलाओं व पुरुषों को नालसा द्वारा आयोजित विभिन्न योजनाओं व सहायता के बारे में बताया गया। साथ ही जिला विधिक सेवा प्राधिकार के माध्यम से विधिक सहायता हेतु स्वंय अथवा पीएलवी के माध्यम से लाभ उठाने को जागरूक किया गया। भारतीय सैनिक व पूर्व सैनिक के परिवार को किसी भी प्रकार के विधिक सहायता हेतु डालसा के माध्यम से सहायता दिलाई जाएगी। मौके पर पूर्व आर्मी सुबेदार राम टहल मेहता, पूर्व हवलदार राम नरेश यादव पूर्व नायक सुरेंदर प्रसाद, सीआईएसएफ मुकेश कुमार मेहता, संजय कुमार, मनोज कुमार मेहता, नंदू कुमार, कामेश्वर मेहता, अविनाश कुमार, अजय मेहता सहित कई ग्रामीणों से संपर्क किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता खरगड़ा पंचायत के पंचायत समिति सदस्य मुकेश कुमार ने किया।

बरही में इलेक्ट्रिक स्कूटी और ई-रिक्शा शोरूम का उद्घाटन

पर्यावरण हितैषी परिवहन को मिलेगा बढ़ावा

बरही/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। बरही पटना रोड में इलेक्ट्रिक स्कूटी और ई-रिक्शा शोरूम का उद्घाटन किया गया। उद्घाटन समारोह में विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर, शोरूम की प्रोपराइटर संजू देवी, नेहा केशरी, उदय केशरी एवं मुखिया शमशेर आलम ने संयुक्त रूप से फीता काटकर शोरूम का शुभारंभ किया। शोरूम संचालक ने जानकारी दी कि यहां उपलब्ध इलेक्ट्रिक स्कूटी और ई-रिक्शा पूरी तरह से ईको-फ्रेंडली (पर्यावरण हितैषी) हैं, जो शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों के लोगों के लिए किफायती और उपयोगी सिद्ध होंगी। उन्होंने बताया कि ई-स्कूटी की कीमत 36 हजार से 63 हजार रुपये तक रखी गई है, जबकि ई-रिक्शा की कीमत 1 लाख 75 हजार से 1 लाख 95 हजार रुपये तक है।

एमएमसीएच परिसर में डीसी ने पलाश दीदी कैफे का किया उद्घाटन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त समीरा एस ने बुधवार को एमएमसीएच परिसर में जेएसएलपीएस अंतर्गत पलाश दीदी कैफे का उद्घटान किया।इसके पश्चात उन्होंने जेएसएलपीएस डीपीएम अनिता केरकेट्टा से कैंटीन व्यवस्था की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने कैंटीन में तैयार किये गये भोजन का स्वाद भी लिया।

इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि इस कैंटीन के शुरू हो जाने से आमजनों व मरीजों को उचित मूल्यों पर गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध हो सकेगा।उन्होंने कहा कि यह कैफे ग्रामीण आजीविका को सशक्त बनाने और महिलाओं के आत्म निर्भरता के लक्ष्य को साकार करने के उद्देश्य से शुरू किया गया है।जिले में पूर्णरूप से क्रियाशील यह पहला दीदी कैफे है।एसएचजी दीदियों के द्वारा रागी,मड़वा के माध्यम से पारंपरिक भोजन तैयार किया जा रहा है जो सेहत के लिये भी लाभदायक है।जिला प्रशासन द्वारा विभिन्न माध्यमों से दीदियों को प्रोत्साहन करने की दिशा में विभिन्न कार्य किया जा रहा है।

सुबह 7 से शाम 7 बजे तक संचालित होगा कैफे

जेएसएलपीएस की डीपीएम अनिता केरकेट्टा ने बताया कि यह दीदी कैफे सुबह 7 से शाम 7 बजे तक संचालित किया जायेगा।इसमें दोपहर के खाने में दाल-चावल और सब्जी 50 रुपए,रोटी सब्जी-भुजिया सलाद भी 50 रुपए,मछली करी और चावल 80 रुपए,अंडा करी और चावल 60 रुपये के अलावे विभिन्न प्रकार के सुबह का नास्ता और शाम का स्नैक्स भी उपलब्ध रहेगा।इस अवसर पर एमएमसीएच अधीक्षक, पीएम प्रकाश दयाल, पीएम राजेश गुप्ता,डीएफएम इमरान अहमद,नवल किशोर राजू, अख्तर अंसारी,बीपीएम पिंकी कुमारी,प्रदान से रुचिका सिंह, पलाश दीदी कैफे से सकुंतला, मीणा,माधुरी,सीमा माया के साथ विभिन्न दीदियां उपस्थित रहीं।

बरकट्ठा श्री प्राचीन काली मंदिर में समिति गठन

मोनू मंडल बने अध्यक्ष, बिट्टू मोदी बने सचिव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरकट्ठा हजारीबाग। बरकट्ठा के श्री प्राचीन काली मंदिर में आगामी काली पूजा के सफल आयोजन को लेकर एक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता बीरेंद्र सोनी ने की तथा संचालन सुनील श्रीवास्तव ने किया।

बैठक में सर्वसम्मति से काली पूजा आयोजन समिति का गठन किया गया। इसमें मोनू मंडल को अध्यक्ष, बिट्टू मोदी को सचिव, धीरज गुप्ता को उपाध्यक्ष, बजरंग साव को उप सचिव, मुकेश मंडल को कोषाध्यक्ष तथा अजय राणा को उप कोषाध्यक्ष बनाया गया। मंदिर व्यवस्था प्रमुख की जिम्मेदारी सचिन यादव को सौंपी गई। इसके अलावा, 21 सदस्यीय कार्यकारिणी समिति तथा 21 सदस्यीय संरक्षक टीम का गठन भी किया गया। बैठक में निर्णय लिया गया कि इस बार मंदिर की साज-सज्जा, गेट-पंडाल निर्माण, लाउडस्पीकर व्यवस्था, महाप्रसाद वितरण तथा शोभा विसर्जन यात्रा का आयोजन भव्य रूप से किया जाएगा।

बैठक में महेंद्र प्रसाद, रामचन्द्र चौधरी, मथुरा सोनी, उमेश सोनी, अशोक गुप्ता, विजय यादव, सूरज मोदी, नरेश मंडल, सुनील मोदी, महेश प्रसाद, संजय गुप्ता, राहुल गुप्ता, सुरेश राम, विमलेश गुप्ता, प्रदीप सिंह, निरंजन सोनी, पप्पू सोनी, पुजारी आनंद पांडे, सुजीत विश्वकर्मा, प्रकाश ठाकुर, उमेश ठाकुर, बिकी मंडल, अखिलेश कुमार, कृष्णा प्रसाद, उपेंद्र सिंह, बिट्टू समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

बरही में नवनियुक्त कोडरमा कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रकाश रजक का भव्य स्वागत

बरही हजारीबाग/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। कोडरमा जिला कांग्रेस कमेटी के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष प्रकाश रजक का बरही आगमन पर भव्य स्वागत किया गया।

यह कार्यक्रम बरही प्रखण्ड प्रमुख मनोज रजक के नेतृत्व में रसोइया धमना स्थित लोकनायक होटल में आयोजित किया गया, जहां स्थानीय कांग्रेस कार्यकताओं और समर्थकों ने जिलाध्यक्ष का गर्मजोशी से अभिनंदन किया। कार्यक्रम की शुरूआत जिलाध्यक्ष प्रकाश रजक को फूलों की माला पहनाकर एवं अंगवस्त्र ओढ़ाकर सम्मानित करने के साथ हुई। मौके पर उपस्थित नेताओं और कार्यकताओं ने उनके नेतृत्व में पार्टी को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने का संकल्प लिया।

टंडवा के कोकरसा में रामचरितमानस नवाह्न परायण पाठ महायज्ञ का 40वां अधिवेशन 29 से

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। पंड़वा के कोकरसा में रामचरित मानस नवाहन पारायण पाठ महायज्ञ के 40वें अधिवेशन को ले मंगलवार को हनुमान मंदिर के कोकरसा के प्रांगण में बैठक हुई। इसमें यज्ञ समिति गठित की गई। सर्वसम्मति से गणेश पांडेय को अध्यक्ष, राकेश कुमार पांडेय को कोषाध्यक्ष, कृष्णा नंद दुबे को उपाध्यक्ष, उपेन्द्र दुबे व रामसरेख तिवारी को महामंत्री, अमित पांडेय को सचिव, शशि पाण्डेय को मंच संचालक, बलवंत पाण्डेय को मंत्री, राजीव तिवारी, गणौरी पाण्डेय व जयवंश पाण्डेय को यज्ञ संरक्षक चुना गया।

सदस्य के रूप में मनोज पांडेय , राहुल पांडेय, सोनू पाण्डेय, नागेन्द्र नाथ पांडेय, हेमंत कुमार पाण्डेय, मिथलेश पांडेय, दीपक पांडेय, ऋतिक रोशन पाण्डेय, ऋषिकांत पांडेय, मोनू पाण्डेय निर्भय पांडेय, कृतिकांत पांडेय , सूरज दुबे, छोटू दुबे, ऋषभ दुबे, अशोक दुबे, सुमित दुबे, शंभू

पांडेय, मंदीप पांडेय, रितेश पांडेय, नवनीत पांडेय को चुना गया। मौके पर अध्यक्ष गणेश पांडेय ने बताया कि महायज्ञ का 40वां अधिवेशन 29 अक्टूबर से प्रारंभ होकर 6 नवंबर तक चलेगा। इसमें बाहर से आए हुए वक्ताओं के द्वारा रात्रि में प्रवचन व दिवाकाल में रामचरित मानस पाठ किया जाएगा।

कोनहारा कला में स्कूल रास्ता विवाद पर ग्रामीणों की बैठक, तीन दिन में अतिक्रमण हटाने की चेतावनी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरकट्ठा (संवाददाता)। प्रखंड क्षेत्र के बरकट्ठा दक्षिणी पंचायत अंतर्गत ग्राम कोनहारा कला में चर्चित स्कूल रास्ता विवाद और आम गैरमजरुआ भूमि पर किए गए अतिक्रमण को लेकर ग्रामीणों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक की अध्यक्षता मुखिया अब्बास अंसारी ने की, जबकि संचालन मुकेश यादव ने किया। इस दौरान मुखिया अब्बास अंसारी ने इसराइल मियां को स्कूल रास्ता विवाद के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि तीन दिन के भीतर स्कूल रास्ते से अतिक्रमण हटाएं, अन्यथा प्रशासनिक कार्रवाई कर जबरन अतिक्रमण खाली कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि गांव में सौहार्दपूर्ण वातावरण को बिगाड़ने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। पत्रकार ईश्वर यादव ने कहा कि कोनहारा कला गांव की पहचान हमेशा से भाईचारा और आपसी सौहार्द की रही है, लेकिन कुछ असामाजिक तत्व इस माहौल को बिगाड़ने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि जहां पहले गांव के बुद्धिजीवी आम गैरमजरुआ भूमि पर बने चबूतरे पर बैठक व पंचायत किया करते थे, उसी भूमि पर अब कुछ लोग कब्जा करने का प्रयास कर रहे हैं।

जिला कांग्रेस कार्यालय में नवनियुक्त अध्यक्ष जय प्रकाश भाई पटेल का हुआ अभिनंदन, निवर्तमान अध्यक्ष शैलेन्द्र यादव को सम्मानजनक विदाई

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। जिला कांग्रेस कार्यालय कृष्ण बल्लभ आश्रम में बुधवार को एक समारोह का आयोजन कर जिला कांग्रेस कमिटी के नवनियुक्त अध्यक्ष जय प्रकाश भाई पटेल का गर्मजोशी से अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर उन्हें अंगवस्त्र, पुष्पगुच्छ और माला पहनाकर स्वागत किया गया। वहीं, निवर्तमान अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार यादव को सम्मानपूर्वक विदाई दी गई।

कार्यक्रम में उपस्थित कार्यकताओं को संबोधित करते हुए नवनियुक्त जिला अध्यक्ष जय प्रकाश भाई पटेल ने कहा कि उनकी पहली

प्राथमिकता संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाना है। उन्होंने कहा कि जिला, प्रखंड, पंचायत और बूथ स्तर तक कार्यकताओं के सहयोग से संगठन को गतिशील और सशक्त बनाया जाएगा। पूर्व जिला अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार यादव ने अपने संबोधन में कहा कि पार्टी की रीढ़ कार्यकर्ता हैं, और इन्हीं के बल पर कांग्रेस संगठन मजबूत होता है तथा चुनावी सफलता मिलती है। इस अवसर पर झारखंड आंदोलन के अग्रणी नेता और पूर्व सांसद टेकलाल महतो को भावभीनी श्रद्धांजलि भी दी गई। कार्यक्रम का संचालन जिला मीडिया अध्यक्ष निसार ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ अध्यक्ष साजिद अली खान ने प्रस्तुत किया। वक्ताओं में सदर विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी मुन्ना सिंह, बरही विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी अरुण साहू, प्रदेश सचिव बिनोद सिंह, शशि मोहन सिंह, रेणु कुमारी, बेबी देवी, अनिल उपाध्याय, नगर अध्यक्ष परवेज अहमद और इकबाल रजा सहित कई कांग्रेस नेताओं ने अपने विचार व्यक्त किए।

डीडीसी इश्तियाक अहमद ने ग्रामीण विकास योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की

मनरेगा में जेसीबी उपयोग पर सख्ती के निर्देश

नवीन सिन्हा

हजारीबाग। उपायुक्त श्री शशि प्रकाश सिंह के निर्देशानुसार बुधवार को समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में उप विकास आयुक्त (डीडीसी) श्री इश्तियाक अहमद की अध्यक्षता में ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रगति समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में मनरेगा योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, अम्बेडकर आवास योजना, अबुआ आवास योजना, बिरसा कूप संवर्धन योजना, डोभा निर्माण, आंगनबाड़ी योजना, बिरसा हरित ग्राम योजना, बागवानी योजना, पीडी जनरेशन, जियो टैगिंग, जनमन योजना, पंचायती राज, एबीपीएस एवं जेएसएलपीएस से संबंधित कार्यों की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई।

डीडीसी श्री अहमद ने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों (BDO) को निर्देश दिया कि वे सप्ताह में कम से कम दो दिन क्षेत्र भ्रमण कर योजनाओं का भौतिक सत्यापन सुनिश्चित करें। उन्होंने मनरेगा कार्यों में जेसीबी मशीन के उपयोग पर सख्ती दिखाने और ऐसा पाए जाने पर कानूनी कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने पदमा प्रखंड में योजनाओं की प्रगति पर विशेष ध्यान देने को कहा और बीपीओ तथा रोजगार सेवकों को क्षेत्र में नियमित भ्रमण कर कार्यों

की निगरानी करने का निर्देश दिया। साथ ही पिछड़े पंचायतों की पहचान कर वहां विकास कार्यों की रफ्तार बढ़ाने पर बल दिया।

डीडीसी ने जेएसएलपीएस, आदि कर्मयोगी अभियान, स्वच्छ भारत मिशन, दीदीबाड़ी योजना, बिरसा कूप सिंचाई योजना जैसे कार्यक्रमों को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया। उन्होंने सभी अधिकारियों से गांवों को ओडीएफ प्लस बनाने, पीडी जनरेशन और वर्मी कम्पोस्ट कार्यों में सक्रियता बढ़ाने को कहा। बैठक में मैटेरियल इशू, पुरानी योजनाओं की प्रगति, पंचायती राज सेवाओं के प्रभावी क्रियान्वयन समेत अन्य दिशा-निर्देश दिए गए। सभी बीपीएम को नियमित क्षेत्र भ्रमण कर बीडीओ के निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करने को कहा गया। बैठक में प्रशिक्षु आईएएस, डीआरडीए निदेशक, डीपीआरओ, सभी बीडीओ, बीपीओ, बीपीएम एवं विभिन्न योजनाओं के समन्वयक सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

जुगनू ड्राइवर ऐप्स से आम यात्रियों व ड्राइवरों को होगा विशेष फायदा : राकेश सिंह

पलामू वासी किफायती दरों पर कर सकते हैं यात्रा : आशुतोष

■ मेदिनीनगर में हुई जुगनू ड्राइवर ऐप्स की लॉन्चिंग

मेदिनीनगर (पलामू)। झारखंड प्रदेश डीजल ऑटो चालक महासंघ के तत्वाधान में पलामू जिला अध्यक्ष रामाकांत दुबे की अध्यक्षता में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महासंघ के प्रदेश महासचिव राकेश कुमार सिंह व पलामू संरक्षक सह प्रथम उप महापौर राकेश कुमार सिंह उर्फ मंगल सिंह के संयुक्त उपस्थिति व महासंघ के पलामू प्रमंडलीय अध्यक्ष आशुतोष कुमार तिवारी के संचालन में जुगनू ड्राइवर ऐप्स का लॉन्चिंग व उद्घाटन किया गया।

मौके पर जुगनू एप्स कंपनी के पलामू प्रबंधन रमाकांत पांडेय ने जुगनू एप्स कंपनी के सारे फायदे व जुड़ने की प्रक्रिया से अवगत कराया। कहा कि यह ऐप ड्राइवरहित व यात्री हित में सरल व लाभदायक है। पहले राइड प्रति एक किलोमीटर पर सीएनजी व डीजल ऑटो चालकों को 40 रूपए से शुरूआत होगा। इसके दूसरे किलोमीटर से 30 रूपए प्रति किलोमीटर अतिरिक्त चार्ज जुड़ करके ड्राइवर को प्राप्त होगा। रजिस्ट्रेशन निशुल्क है।

साथ ही जो भी ड्राइवर ऐप्स से जुड़ेगा उनका दो लाख रुपए का जीवन बीमा कंपनी द्वारा प्रत्येक वर्ष प्रदान की जाएगी। इसी तरह से टुकटुक ई रिक्शा का प्रति एक किलोमीटर शुरूआत में 30 रुपए होगा। उसके अतिरिक्त किलोमीटर 25 रूपए की दर से भुगतान ड्राइवर को होगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि महासंघ के प्रदेश महासचिव राकेश कुमार सिंह ने कहा कि आज के आधुनिक व ऑनलाइन जमाने में इस ऐप की जरूरत थी। इसे लॉन्च कर जुगनू ड्राइवर कंपनी बहुत ही सराहनीय कार्य किया है। इसके लिए कंपनी व ऑटो चालकों को बधाई है। आज के जमाने में घर बैठे ऑनलाइन मार्केटिंग के तहत नमक से लेकर के हल्दी तक का बहुत ही सरलता पूर्वक हो रहा है। कपड़ा हो या जरूरत के समान सभी ऑनलाइन मार्केटिंग सरलता पूर्वक संचालित हो रहा है। ऐसी स्थिति में ऑटो चालकों के लिए यह ऐप बहुत ही कारगर व बेहतर जिंदगी के लिए लाभदायक है। अब ऑटो चालकों को इधर-उधर भटक कर ग्राहक ढूंढने की जरूरत नहीं पड़ेगी। ग्राहकों को भी ऑटो की तलाश में इधर-उधर भटकना नहीं पड़ेगा। महासंघ के पलामू संरक्षक सह प्रथम उप महापौर राकेश कुमार सिंह उर्फ मंगल सिंह ने कहा कि इस तरह के आधुनिकरण ऑटो व ई-रिक्शा चालक भाइयों के हित में पूर्णरूपेण है। आज हमारे शहर के मिडिल क्लास व निम्न क्लास के आम जनता, स्टूडेंट, मरीज, बुजुर्ग, अभिभावक को यात्रा के लिए सवारी गाड़ी खासकर टेंपो, ई रिक्शा को ढूंढना नहीं पड़ेगा। सभी लोग आसानी से इस ऐप के माध्यम से बुकिंग कर सकते हैं। मेदिनीनगर शहर भी बड़े-बड़े महानगरों की तरह इस तरह का लाभ उठायेंगे। इस ऐप के आ जाने व इससे जुड़ने से किफायती दर पर सरलता पूर्वक यात्रा किया जा सकता है। महासंघ के पलामू प्रमंडलीय अध्यक्ष आशुतोष कुमार तिवारी ने कहा कि अब पलामू वासी किफायत दरों पर यात्रा कर सकते हैं। रात्रि में चालक भाइयों को कंपनी किराए में 25 प्रतिशत की बढ़ोतरी कर भुगतान करेगी। यह बहुत ही सराहनीय व लाभदायक है। कार्यक्रम में बिट्टू खान, अनवर मियां, यासीन अंसारी, नरेश राम, रंजीत पासवान, मनजीत तिवारी, अनूप कुमार, नागेंद्र प्रसाद गुप्ता, विवेक सिंह, मंटू तिवारी सहित सैकड़ो ऑटो चालक व ई रिक्शा चालक उपस्थित थे।

नेशनल गतका चैम्पियनशिप में भाग लेने रवाना हुए पलामू के गतका खिलाड़ी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। दिल्ली में आयोजित होने वाली 9वीं नेशनल गतका चैम्पियनशिप 2025 में भाग लेने के लिए पलामू गतका संघ के खिलाड़ी डालटनगंज रेलवे स्टेशन से दिल्ली के लिए रवाना हुए। प्रतियोगिता 10 से 12 अक्टूबर 2025 तक श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज, नॉर्थ कैंपस, दिल्ली में आयोजित की जाएगी। आयोजन श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के 350वें शहीदी दिवस को समर्पित है। खिलाड़ियों को रवाना करने के अवसर पर स्टेशन परिसर में उत्साह का माहौल देखने को मिला। इस दौरान पलामू गतका संघ के जिला अध्यक्ष सोनू नामधारी, उपाध्यक्ष गुरबीर सिंह, बबलू चावला, मन्नत बग्गा, कोषाध्यक्ष अमरेश कुमार मेहता, सह सचिव दीपेन्द्र सिंह

व गुरु गोविंद सिंह पब्लिक स्कूल के शारीरिक शिक्षक अनिल पांडेय मौजूद थे। मौके पर संघ के जिला अध्यक्ष सोनू नामधारी ने कहा कि पलामू के खिलाड़ियों ने राज्य स्तर पर शानदार प्रदर्शन कर अपनी क्षमता साबित की है। विश्वास है कि खिलाड़ी दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में जिले का नाम रोशन करेंगे। उपाध्यक्ष गुरबीर सिंह ने कहा कि गतका केवल एक खेल नहीं बल्कि यह हमारी परंपरा व शौर्य का पहचान है। पलामू के युवा इस प्राचीन भारतीय युद्धकला को निष्ठा से सीख रहे हैं। यह राज्य के लिए गौरव की बात है। जिला सचिव सुमित बर्मन ने कहा कि इस वर्ष पलामू से कूल 14 खिलाड़ी विभिन्न विद्यालयों से चयनित हुए हैं। ये सब-जूनियर व जूनियर वर्ग के प्रतिस्पर्धा में भाग लेंगे। सुमित बर्मन ने कहा कि इस बार पलामू के लिए यह विशेष गौरव का विषय है, क्योंकि उनका स्वयं का चयन नेशनल रेफरी के रूप में हुआ है। झारखंड से उपलब्धि को पाने वाले वे पहले व्यक्ति हैं।प्रतिभागी खिलाड़ियों में ओरिएंट पब्लिक स्कूल के सूरज कुमार, तान्या वर्मा, सौम्या वर्मा, जीजीपीएस के सुभाग्य सिद्धार्थ, आयुष कुमार यादव, विमला पांडेय पब्लिक स्कूल के समीर कुमार, संट जेवियर एकेडमी के काजल कुमारी, ब्राइट लैंड स्कूल के वीड कुमार, जीत तिवारी, सेंट जेवियर की स्नेहा कुमारी, सेक्रेड हर्ट स्कूल के शिवांश वत्सल्य, संत मरियम स्कूल के अतुल सिंह व पुष्कर कुमार, जिला स्कूल के प्रियांशु कुमार प्रतिस्पर्धा में भाग लेंगे।

पंचमुखी शिक्षा योजना से बच्चों को जोड़ा जा रहाः भरत यादव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरही (हजारीबाग)। एकल अभियान के तहत संचालित एकल विद्यालयों में अध्ययनरत बच्चों के बीच शिक्षण सामग्री वितरण का कार्य हजारीबाग अंचल में युद्धस्तर पर जारी है। हजारीबाग अंचल समिति के अध्यक्ष भरत यादव ने जानकारी दी कि अंचल के तहत कुल 16 संच हैं, जिनके अंतर्गत 466 गांवों में एकल विद्यालय संचालित हैं। इन विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कॉपी, कलम सहित आवश्यक शिक्षण सामग्री संच समिति एवं ग्राम कमेटी के सहयोग से वितरित की जा रही है। अंचल अध्यक्ष भरत यादव ने कहा कि एकल विद्यालयों में संस्कार युक्त शिक्षा दी जा रही है। विद्यालयों के आचार्यों को विशेष प्रशिक्षण देकर अध्यापन कार्य में लगाया गया है, ताकि बच्चे केवल किताबों तक सीमित न रहकर भारतीय संस्कृति, सभ्यता और जीवन मूल्यों से भी परिचित हों। उन्होंने बताया कि हजारीबाग अंचल के सभी 466 एकल ग्रामों को पंचमुखी शिक्षा योजना से जोड़ा जा रहा है। आरोग्य शिक्षा योजना के तहत बच्चों को आयुर्वेद और योग की शिक्षा दी जा रही है।

कार्तिक माह के प्रारंभ होते ही उमड़ा आस्था का समुद्र

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

देवघर। हिंदू पंचांग के अनुसार पावन कार्तिक माह के प्रारंभ होते ही देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ धाम में आस्था का समुद्र उमड़ पड़ा है। सुबह की पहली किरण के साथ ही मंदिर नगरी के गलियारों में 'हरि हर हरि बोल' के स्वर गूंजने लगे। श्रद्धालु भगवान शिव और श्री हरि विष्णु की एक साथ आराधना में लीन हैं। यह महीना वैराग्य, तप और भक्ति का संगम माना गया है। शास्त्रों में वर्णित है कि कार्तिक मास में श्री हरि विष्णु और माता लक्ष्मी स्वयं धरती पर विचरण करते हैं, अतः इस काल में की गई साधना अक्षय फलदायिनी होती है। इन दिनों, हरि-हर नाम का जाप, प्रभात फ़ेरी और बैद्यनाथ धाम में विशेष जलाभिषेक अपार श्रद्धा का स्रोत हैं। मंदिर परिसर में दूर-दूर से आने वाले श्रद्धालु मुंडन संस्कार, तुलसी विवाह, दीपदान और विभिन्न

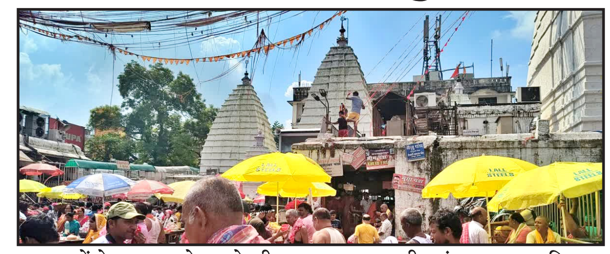

अनुष्ठानों के माध्यम से अपने जीवन को शुद्ध करने में व्यस्त हैं। वरिष्ठ पंडा वल्लभ मिथिलेश झा ने बताया कि कार्तिक माह में बाबा धाम में श्रद्धालुओं की चहल-पहल निरंतर बनी रहती है। भक्त एक माह तक यहीं ठहरकर स्नान, दान और व्रत के नियमों का पालन करते हैं। यह महीना पुण्य संचय का महापर्व है। इसी क्रम में वरिष्ठ पुजारी लंबोदर परिहस्त ने कहा कि कार्तिक में आने वाले श्रद्धालु विशेष नियमों का पालन करते हैं। गंगा स्नान के पश्चात वे स्वयं निर्मित भोजन ही ग्रहण करते हैं। इस माह की कांवड़ यात्रा कठिनतम मानी जाती है क्योंकि साधक उपवास और संयम का पालन करते हुए ही जल अर्पण करते हैं। श्रद्धालु प्रभाकर उर्फ लाल बाबा के अनुसार, 'यह महीना स्वयं भगवान विष्णु और लक्ष्मी का अवतरण काल माना जाता है, जो भक्त इस काल में दोनों देवताओं की पूजा करते हैं, उसकी प्रत्येक मनोकामना सिद्ध होती है। वहीं एक अन्य श्रद्धालु आरएन तिवारी ने कहा कि 'कार्तिक में देवघर की धरती आध्यात्मिक ऊर्जा से पुलकित हो उठती है।

धार्मिक आयोजन से समाज में बढ़ती है आध्यात्मिक जागरूकता सांस्कृतिक एकता व सद्भावना : आलोक चौरसिया

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर (पलामू)। डालटनगंज विधानसभा क्षेत्र के चैनपुर स्थित लोकेया गांव में लक्ष्मीनारायण महायज्ञ पर बुधवार को भव्य कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा में बड़ी संख्या में बड़ी श्रद्धा, भक्ति व उत्साह के साथ श्रद्धालुओं ने भाग लिया। धार्मिक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डालटनगंज विधानसभा क्षेत्र के विधायक आलोक कुमार चौरसिया शामिल हुए। विधायक आलोक चौरसिया ने कलश यात्रा में भाग लेकर भगवान श्री लक्ष्मीनारायण से समस्त क्षेत्रवासियों के सुख, शांति व समृद्धि की कामना की। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक

आयोजन समाज में आध्यात्मिक जागरूकता, सांस्कृतिक एकता व सद्भावना को बढ़ावा देते हैं। हजारों की संख्या में महिला- पुरुष श्रद्धालु सिर पर कलश धारण किए जय श्रीराम व हर हर महादेव के जयघोष के साथ यात्रा में शामिल हुए। इस अवसर पर सनातन धर्म रक्षक गुरु पाण्डेय, भाजपा प्रदेश महामंत्री श्री मनोज सिंह, पूर्व सांसद घूरन राम, भाजपा कार्यकर्ता, ग्रामवासी व अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि महायज्ञ 8 से 13 अक्टूबर 2025 तक चलेगा। कार्यक्रम के सफल आयोजन में ग्रामीण जनता व समिति के सदस्यों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली।

दनुआ घाटी में तीन वाहनों की टक्कर में दो घायल, यात्रियों में दहशत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चौपारण (हजारीबाग)। हजारीबाग जिले की खतरनाक और कुख्यात दनुआ घाटी एक बार फिर भीषण सड़क हादसे का शिकार बनी। बुधवार को जोड़डाही पुल के पास तीन वाहनों की जोरदार टक्कर में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की तीव्रता इतनी अधिक थी कि घाटी क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, तीनों वाहन झारखंड से बिहार की ओर जा रहे थे। घाटी के तेज मोड़ पर एक वाहन अनियंत्रित होकर सड़क के बीचोंबीच आ गया, जिसके चलते पीछे से आ रही दो अन्य गाड़ियां उससे जा टकराईं। टक्कर इतनी भीषण थी कि तीनों वाहनों के अगले हिस्से पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। आवाज सुनते ही स्थानीय ग्रामीण मौके पर पहुंचे और बड़ी मशक्कत के बाद घायलों को बाहर निकाला। घटना की सूचना मिलते ही चौपारण थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाकर लगभग एक घंटे तक जाम रहे आवागमन को बहाल कराया। स्थानीय लोगों ने बताया कि दनुआ घाटी में हादसों की पुनरावृत्ति लगातार बढ़ती जा रही है। तेज रफ्तार, सड़क की खराब स्थिति और चेतावनी संकेतों की कमी के कारण यह घाटी अब "मौत की घाटी" के नाम से जानी जाने लगी है। ग्रामीणों ने प्रशासन से सुरक्षा इंतज़ाम मजबूत करने की मांग की है।

छात्रवृत्ति की राशि बंद होने पर छात्रों ने किया प्रदर्शन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। राज्य के हजारों विद्यार्थियों को डेढ़ साल से अधिक समय बीत जाने के बाद भी छात्रवृत्ति की राशि नहीं मिल पाई है। समस्या सिर्फ ओबीसी वर्ग के विद्यार्थियों की नहीं है बल्कि एससी, एसटी और अन्य पिछड़े वर्गों के भी कई छात्र इस योजना से वंचित हैं। छात्रवृत्ति की राशि जारी नहीं होने से विद्यार्थियों की पढ़ाई पर सीधा असर पड़ रहा है। इस कारण राज्यभर के छात्रों में आक्रोश है। इस मामले को लेकर विभिन्न छात्र संगठनों के बैनर तले विद्यार्थियों ने कई बार आवाज उठाई लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। लगातार लापरवाही और देरी से परेशान छात्रों ने बुधवार को राजधानी रांची के मोरहाबादी स्थित कल्याण भवन के समक्ष धरना-प्रदर्शन किया। सुबह से ही छात्र कल्याण भवन के पास जमा होने लगे और देखते ही देखते सैकड़ों की संख्या में छात्रों की भीड़ उमड़ पड़ी। इस दौरान छात्रों ने सरकार और विभागीय अधिकारियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। उनका कहना था कि पिछले डेढ़ वर्ष से छात्रवृत्ति की राशि नहीं आई है जिससे उनकी आर्थिक स्थिति चरमरा गई है। कई छात्रों ने कहा कि फीस भरने, हॉस्टल और परीक्षा की तैयारी करने में कठिनाइयां हो रही हैं। कई विद्यार्थियों ने तो यह तक कहा कि पैसे के अभाव में उन्हें पढ़ाई छोड़नी पड़ी। एक प्रदर्शनकारी छात्रा ने कहा कि हमने ऑनलाइन आवेदन भरने से लेकर सभी दस्तावेज जमा कर दिए, फिर भी राशि जारी नहीं की जा रही। सरकार योजनाओं की बात तो करती है लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और है। छात्रों ने चेतावनी दी है कि अगर एक सप्ताह के भीतर सरकार ने कोई ठोस निर्णय नहीं लिया तो वे बड़े पैमाने पर राज्यव्यापी आंदोलन करेंगे। छात्र संगठनों ने कहा कि शिक्षा और युवाओं के साथ ऐसा भेदभाव बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने सामूहिक रूप से सरकार से अपील की कि जल्द से जल्द बकाया छात्रवृत्ति राशि जारी कर विद्यार्थियों की पढ़ाई और भविष्य को पटरी पर लाया जाए नहीं तो यह आंदोलन आर-पार की लड़ाई के साथ समाप्त होगी।

मांगों को लेकर झारखंड आंदोलनकारी मोर्चा का एक दिवसीय धरना — कहा, 'आश्वासन नहीं, अब ठोस कार्रवाई चाहिए'

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

विष्णुगढ़ (हजारीबाग)। विष्णुगढ़ प्रखंड परिसर में झारखंड आंदोलनकारी मोर्चा के बैनर तले एक दिवसीय धरना प्रदर्शन का आयोजन किया गया। इस धरना का उद्देश्य झारखंड सरकार से तीन प्रमुख मांगों को पूरा करवाना था। धरना के दौरान मोर्चा द्वारा रखी गई तृसूत्री मांगें इस प्रकार रहीं — विष्णुगढ़ को पूर्ण अनुमंडल का दर्जा दिया जाए। चिन्हित झारखंड आंदोलनकारियों को मान-सम्मान, पेंशन तथा 20 लाख रुपये का बीमा प्रदान किया जाए विष्णुगढ़ प्रखंड के ग्राम नवादा में

झारखंड आंदोलनकारी मेडिकल कॉलेज की स्थापना की जाए। कार्यक्रम की अध्यक्षता महमूद आलम ने की, जबकि संचालन उत्तम महतो द्वारा किया गया। धरना को संबोधित करते हुए महमूद आलम ने कहा, "हम लोग वर्षों से इन मांगों को लेकर संघर्षरत हैं, परंतु अब तक किसी भी राजनीतिक दल ने इन्हें गंभीरता से नहीं लिया। केवल आश्वासन से काम नहीं चलेगा — यह आंदोलन अब जनआंदोलन का रूप ले चुका है। जब तक हमारी मांगें पूरी नहीं होतीं, आंदोलन जारी रहेगा, और आवश्यकता पड़ी तो भूख हड़ताल भी किया जाएगा।" धरना समाप्ति के बाद प्रतिनिधिमंडल ने अपनी मांगों का ज्ञापन प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) को सौंपा। बीडीओ ने भरोसा दिलाया कि सभी मांगों को उच्चाधिकारियों तक भेजा जाएगा। कार्यक्रम में सैकड़ों आंदोलनकारी उपस्थित रहे। प्रमुख रूप से निर्मल कुमार, मुखिया नबी अंसारी, मेघलाल साहू, नन्हकू महतो, पोखन महतो, कुरबान अंसारी, करीम अंसारी, दशरथ राय, मदन राम और हेमलाल साहू मौजूद थे।

हजारीबाग में युवा कल्याण, संस्कृति एवं पर्यटन विकास समिति की बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग। युवा कल्याण, संस्कृति एवं पर्यटन विकास समिति बुधवार को हजारीबाग जिले के दौरे पर रही। इस दौरान उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह ने समिति की सभापति सविता महतो से शिष्टाचार भेंट की। स्थानीय परिसदन भवन में आयोजित बैठक में सभापति सविता महतो एवं सदस्य रागिनी सिंह ने जिले के वरीय पदाधिकारियों के साथ विभागवार समीक्षा की। समिति ने सरकार की ओर से संचालित युवा कल्याण, संस्कृति एवं पर्यटन विकास योजनाओं की विस्तृत जानकारी ली और सभी विभागों को अद्यतन प्रतिवेदन प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। बैठक में बताया गया

कि जिले में 19 सूचित पर्यटन स्थल हैं, जिनमें कनहरी हिल, सूर्यकुंड और बुढ़वा महादेव प्रमुख हैं। इन स्थलों के विकास हेतु कई योजनाएं प्रगति पर हैं। समिति ने नृसिंह मंदिर, सीलवार जगन्नाथ मंदिर, कर्जन स्टेडियम एवं संत कोलंबस कॉलेज ग्राउंड के जीर्णोद्धार और मिशन स्कूल ग्राउंड को अतिक्रमण मुक्त कराने के प्रस्तावों पर गंभीरता से विचार किया। नगर निगम ने बताया कि हजारीबाग झील का सौंदर्यीकरण, हॉर्टिकल्चर, लाइटिंग और युवाओं के लिए रोजगार सृजन का कार्य जारी है। साथ ही मंदिरों और डैम क्षेत्रों में सुविधा विकास, सुरक्षा व्यवस्था एवं इको-टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। समिति ने सभी विभागों से योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट मांगी और पर्यटन स्थलों पर विधि-व्यवस्था एवं राजस्व सुदृढ़ीकरण पर विशेष बल दिया। बैठक में उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता सहित सभी विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

पूर्व रेलवे

निविदा का निरसन

वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/ईएमयू/हावड़ा, पूर्व रेलवे, पहली मंजिल, डीआरएम बिल्डिंग, हावड़ा द्वारा पूर्व प्रकाशित **निविदा सं. ईएलएस-एचडब्ल्यूएच-10-548-ईएमयू-आरटी-1 (ओपन टेंडर), दिनांक 07.10.2025** , जिसे दिनांक 27.10.2025 को दोपहर 12.00 बजे बंद किया जाना निर्धारित है, एतद्द्वारा तकनीकी कारणवश **निरस्त** कर दी गई है।

(HWH-332/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट **www.er.indianrailways.gov.in / www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

दक्षिण पूर्व रेलवे-निविदा

निविदा सूचना सं.: ईएलआईएन/टीआरएस/ऑयल कूलिंग रेडिएटर/01, दिनांक 16.06.2025; भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता/टीआरएस, इलेक्ट्रिक लोको शेड, इस्पातनगर, झारखण्ड-827010, दक्षिण पूर्व रेलवे द्वारा निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती हैं। **निविदा सं.: ईएलआईएन-टीआरएस-ओसीआर-2025-01; कार्य का नाम:** पारम्परिक इलेक्ट्रिक लोको ट्रांसफॉर्मर के 165 केडब्ल्यू ऑयल कूलिंग रेडिएटर की मरम्मत/पुनरुद्धार। **मात्रा:** निविदा अनुसूची के अनुसार। **शेड का नाम/स्थान:** इलेक्ट्रिक लोको शेड/इस्पातनगर, दक्षिण पूर्व रेलवे। **निविदा मूल्य:** रु. 2,25,380; **बयाना राशि:** रु. 4,500; **निविदा दस्तावेज की कीमत:** शून्य। **अनुबंध अवधि:** 06 (छह) महीने। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समय:** 31.10.2025 को 15.00 बजे। निविदा दस्तावेज का विवरण ई-निविदा पोर्टल एवं आईआरईपीएस वेबसाइट के यूआरएल **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। **(PR-699)**

विधानसभा चुनाव को लेकर डीएम-एसपी ने बिहारशरीफ मंडल कारा में की छापेमारी

सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन सतर्क, दो घंटे तक चला तलाशी अभियान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। आगामी बिहार विधानसभा आम निर्वाचन को लेकर जिले में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। इसी क्रम में जिला प्रशासन एवं पुलिस की संयुक्त टीम ने मंगलवार की रात बिहारशरीफ स्थित मंडल कारा में सघन औचक छापेमारी अभियान चलाया। इस छापेमारी का नेतृत्व खुद डीएम कुंदन कुमार और एसपी भारत सोनी ने किया। लगभग दो घंटे तक चले अभियान में जेल के सभी 24 वार्डों, अस्पताल, किचेन, चूल्हा, महिला वार्ड और उच्च सुरक्षा कक्ष सहित पूरे कारा परिसर की बारीकी से तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान प्रत्येक बैरक में बंद कैदियों से पूछताछ की गई। बिस्तर, अलमारी, दीवारों और अन्य संभावित जगहों की सघन जांच की गई। इस दौरान किसी भी प्रकार की आपत्तिजनक या प्रतिबंधित वस्तु बरामद नहीं हुई, जिसे अधिकारियों ने जेल की सुरक्षा व्यवस्था के लिहाज़ से संतोषजनक बताया। छापेमारी टीम में अनुमंडल पदाधिकारी, अपर पुलिस अधीक्षक, दो पुलिस उपाधीक्षक, 20 इंस्पेक्टर, सब-इंस्पेक्टर और लगभग 115 पुलिस बल शामिल थे। सभी अधिकारियों ने जेल के विभिन्न हिस्सों में व्यापक तलाशी अभियान को अंजाम दिया। निरीक्षण के बाद डीएम कुंदन कुमार ने मंडल कारा परिसर में स्थित विदेशी महिला अस्थायी संसीमन

केंद्र का भी निरीक्षण किया। इस केंद्र में वर्तमान में 6 बांग्लादेशी महिलाएं रखी गई हैं। डीएम ने उनके आवास, भोजन, चिकित्सा एवं सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि इन विदेशी नागरिकों के स्वदेश निर्वासन की प्रक्रिया शीघ्रता से पूर्ण की जाए। डीएम कुंदन कुमार ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए जिले के सभी संस्थानों और संवेदनशील स्थलों पर सतत निगरानी रखी जाएगी ताकि कानून-व्यवस्था की स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में बनी रहे। वहीं, एसपी भारत सोनी ने बताया कि इस तरह की औचक छापेमारी आगे भी जारी रहेगी, ताकि किसी भी प्रकार की अवांछित गतिविधियों पर समय रहते रोक लगाई जा सके।

भाई की पिटाई से आहत होकर छोटे भाई ने फांसी लगाई, मौत

पारिवारिक विवाद में बिगड़े हालात, पुलिस ने बड़े भाई को लिया हिरासत में

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। एकंगरसराय थाना क्षेत्र के जगाई गांव में पारिवारिक विवाद के दौरान दो सगे भाइयों के बीच हुई मारपीट के बाद छोटे भाई ने गुस्से में आकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। यह घटना मंगलवार देर रात की है। मृतक की पहचान दीनानाथ कुमार के रूप में की गई है। परिजनों के अनुसार, पारिवारिक विवाद को लेकर दीनानाथ कुमार और उनके बड़े भाई विनोद चौधरी के बीच कहा-सुनी हो गई थी। विवाद के दौरान बड़े भाई ने छोटे भाई दीनानाथ की पिटाई कर दी। इससे आहत होकर दीनानाथ ने देर रात घर में ही फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। बुधवार की सुबह जब परिजनों को घटना की जानकारी मिली, तो उन्होंने तुरंत एकंगरसराय थाना को सूचित किया। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष अखिलेश कुमार झा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। इसके बाद डीएसपी कुमार ऋषिराज भी घटनास्थल पर पहुंचे और पूरे मामले की बारीकी से छानबीन की। मृतक के पिता उपेंद्र चौधरी ने बताया कि वे व्यवसाय के सिलसिले में नई बाजार कुड़वापर में रहते हैं। मृतक की पत्नी और बेटा भी वहीं थे, जिसके कारण दीनानाथ घर में अकेले थे। इसी दौरान यह दुखद घटना घटित हुई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बिहारशरीफ सदर अस्पताल भेज दिया है। थानाध्यक्ष अखिलेश कुमार झा ने बताया कि जिले से फॉरेंसिक टीम को बुलाकर घटनास्थल का मुआयना कराया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों की आधिकारिक पुष्टि हो सकेगी। वहीं, बड़े भाई विनोद चौधरी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

धमौल पुलिस ने युवक को किया गिरफ्तार

पकरीबरावां। धमौल पुलिस ने धमौल बाजार में छापेमारी कर एक युवक को गिरफ्तार किया है। धमौल थानाध्यक्ष हिमांशु कुमार ने बताया कि धमौल बाजार के बीरेंद्र प्रसाद के पुत्र कर्ण कुमार गुप्ता उर्फ विक्की को गिरफ्तार किया गया है। वह मारपीट के एक मामले में आरोपित है। उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। साथ ही इस मामले के अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

नाबालिग को किया गया निरुद्ध

पकरीबरावां। पकरीबरावां थाना क्षेत्र के उकौड़ा से एक नाबालिग को पुलिस ने विधि विरुद्ध किया है। बताया गया कि नाबालिग के विरुद्ध पकरीबरावां थाना में एक मामला दर्ज है।

पूर्व मध्य रेल

ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की तरफ से निम्न कार्य हेतु ई–निविदा आमंत्रित की जाती है।

ई–निविदा सं.: पूमरे–मुप्रअ–नि–द–ईपीसी–02–25–26, कार्य का नाम : पूर्व मध्य रेल के धनबाद मंडल के अन्तर्गत ईपीसी मोड पर सोननगर–अंडाल तीसरी और चौथी लाईन परियोजना में कोडरमा डेटोर सेक्शन में Ch.157.920 से Ch.184 (सुरंगों को छोड़कर) तक डीएफसीसी लोडिंग के लिए नई डबल लाइन ट्रैक के निर्माण के लिए वायाडक्ट्स आरओआर/आरएफओ, प्रमुख पुल, छोटे पुल, पशु ओवरपास, आरओबी, आरयूबी/एलएचएस, अर्थवर्क, ब्लैकेटिंग, बिल्डिंग आदि और अन्य संबंधित कार्यों के निर्माण के लिए आरएफपी। अंकलित मूल्य (रु०): ₹29,98,93,39,324.87; निविदा प्रपत्र का लागत (रु.): ₹0.00, अग्रधन राशि : ₹2,00,00,000/– ; कार्य पूर्ण करने की अवधि : 1280 दिन, निविदा बंद होने की तिथि एवं समय: 12.01.2026, 12.00 बजे।

ऐसी ई– निविदाओं के तहत डाक/ कोरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल निविदा स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Fim) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल निविदा अस्वीकार्य होगा तथा उसके बारे में बिना किसी विचार के तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा। उपरोक्त ई–निविदा दस्तावेज सहित की संपूर्ण जानकारी वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। द्रष्टव्य: निविदा सूचना में किसी प्रकार की त्रुटि पाई जाने पर अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा। प्रत्याशित निविदादाताओं को यह सलाह दी जाती है कि इस ई–निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/ शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की अंतिम तिथि से कम से कम पंद्रह दिन पहले वेबसाइट http://www.ireps.gov.in का अवलोकन करें।

मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण/दक्षिण/पूमरे/महेन्द्रूघाट, पटना

पीआर/1103/कॉन/एस/एमएचएक्स/कॉन/टी/25–26/48

युवाओं को अनुशासन, नेतृत्व और राष्ट्र से जोड़ता है एनसीसी : कर्नल प्रदीप

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। 3/13 कंपनी बिहार बटालियन एनसीसी राम लखन सिंह यादव कॉलेज में एनसीसी के नए बैच 2025 के लिए एक भव्य ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नए कैडेट्स को एनसीसी की संरचना, अनुशासन, राष्ट्र सेवा एवं नेतृत्व विकास की भावना से अवगत कराया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कर्नल प्रदीप तक्षक, कमांडिंग ऑफिसर, 13 बिहार बटालियन एनसीसी औरंगाबाद रहे। उनके आगमन पर एनसीसी कैडेट्स द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर प्रस्तुत किया गया जिसके बाद मंच पर उनका भव्य स्वागत किया गया। एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर लेफ्टिनेंट विवेक कुमार ने मुख्य अतिथि कर्नल प्रदीप तक्षक को अंगवस्त्र एवं देव सूर्य मंदिर, औरंगाबाद का प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। अपने प्रेरक संबोधन में कर्नल प्रदीप तक्षक

ने कहा कि "एनसीसी युवाओं को जीवन के हर क्षेत्र में अनुशासन, नेतृत्व और राष्ट्र सेवा के आदर्शों से जोड़ता है। यह केवल प्रशिक्षण का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का अभियान है।" उन्होंने सभी कैडेट्स को निष्ठा, परिश्रम और देशभक्ति के साथ प्रशिक्षण में भाग लेने का संदेश दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज के प्राचार्य डॉ. विजय रजक ने की। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि एनसीसी विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का सर्वोत्तम मंच है, जो उनमें अनुशासन और नेतृत्व क्षमता का विकास करता है। उन्होंने कॉलेज के एनसीसी यूनिट के सक्रिय कार्यों की सराहना की और नए कैडेट्स को शुभकामनाएं दीं। लेफ्टिनेंट विवेक कुमार ने मंच संचालन करते हुए एनसीसी की गतिविधियों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों और आने वाले आयोजनों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि एनसीसी कैडेट्स न केवल कॉलेज, बल्कि समाज में भी स्वच्छता, पर्यावरण और जनजागरण से जुड़े अभियानों में अग्रणी भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम के दौरान कैडेट दिव्यांश राज, प्रेम प्रभात, बलवीर, रितिक, अंकित, रिया गिरी, प्रियंका, काजल, सलोनी, जया, प्रिया सहित अन्य कई कैडेट्स उपस्थित रहे।

New page 4_page 12 29.05.2025.qxd 08-10-2025 21:41 Page 1

मनायी गयी लोकनायक जयप्रकाश की पुण्यतिथि

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। लोकनायक भवन पटना में लोकनायक जयप्रकाश नारायण की पुण्यतिथि पर उन्हें पुष्पांजलि और श्रद्धांजलि दी गई। उक्त अवसर पर प्रभाकर कुमार, अध्यक्ष, ग्राम निर्माण मंडल सह बिहार स्टेट गांधी स्मारक निधि ने कहा कि लोकनायक जयप्रकाश नारायण के विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं जितने 1974 में थे ।लोकतंत्र के प्रहरी संपूर्ण क्रांति के प्रणेता और 1942 के स्वतंत्रता आंदोलन के नायक लोकनायक जयप्रकाश नारायण के प्रति पुष्पांजलि कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। उक्त अवसर पर बिहार स्टेट गांधी स्मारक निधि के मंत्री माखनलाल दास, पटना जिला खादी ग्रामोद्योग संघ के व्यवस्थापक पंकज श्रीवास्तव सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने उड़ कार्यक्रम में भाग लेकर लोकनायक जयप्रकाश नारायण जी के प्रति श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

सीट शेयरिंग में उलझा इंडिया गठबंधन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव में सीट शेयरिंग के मुद्दे पर दोनों गठबंधनों के पार्टियों के बीच खींचतान जारी है। इंडिया गठबंधन के समन्वय समिति के अध्यक्ष तेजस्वी यादव के नेतृत्व में पिछले तीन दिनों से उनके ही आवास पर बैठक चल रही है। वहीं भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय में चुनाव समिति की बैठक शुरू हो गई है। चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान के नेतृत्व में हो रही इस बैठक में यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, बिहार के दोनों डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा, प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल, केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, नित्यानंद राय, मंत्री मंगल पांडेय समेत कई दिग्गज नेता शामिल हैं। बैठक में सीट शेयरिंग पर चर्चा हो रही है।

इधर, बैठक में शामिल होने से पहले केंद्रीय राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि इस चुनाव में एनडीए पूरी तरह से तैयार है। घटक दलों के सभी नेता और कार्यकर्ता दिन रात जनता की सेवा में लगे हैं। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने कहा कि सीट शेयरिंग पर बात अंतिम चरण में है। अगले 24 से 48 घंटे में सारी बात हो जाएगी। वहीं बिहार सरकार में मंत्री अशोक चौधरी ने कहा एनडीए इस चुनाव में इतिहास रचेगा। इस बार 2010 का रिकॉर्ड भी टूट जाएगा।

इधर, केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि सीएम नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही इस बार भी चुनाव लड़ा जा रहा है। सीट बंटवारे का फॉमूर्ला भी जल्द तय हो जाएगा। इंडिया गठबंधन का नेतृत्व तय नहीं हुआ है। कांग्रेस पार्टी ने स्पष्ट कहा है, तेजस्वी यादव राजद के मुख्यमंत्री का चेहरा होंगे, इंडिया गठबंधन के नहीं। उन्होंने चिराग पासवान की नाराजगी की बात पर कहा कि ऐसी कोई बात नहीं है। एनडीए में सबकुछ सामान्य है। सबलोग एकजुट हैं।

मांझी और चिराग अपनी-अपनी जिद पर अड़े?

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में सीट बंटवारे का काम 80 फीसदी तक हो चुका है। भाजपा और जदयू दोनों 100 से अधिक पर चुनाव लड़ने की तैयारी में हैं। केंद्रीय चिराग पासवान की पार्टी को 28, केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी को आठ और उपेंद्र कुशवाह की पार्टी को करीब पांच सीटें भाजपा और जदयू देना चाहती है। लेकिन, लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास और हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा मानने को तैयार नहीं। चिराग 40 से कम सीटों पर चुनाव नहीं लड़ना चाहते हैं। वहीं जीतन राम मांझी का तर्क है कि राज्य स्तर की पार्टी बनने के लिए आठ विधायक चाहिए। हमारे पास पहले से चार विधायक हैं। ऐसे में 10 से 12 सीटों से कम पर चुनाव हमलोग नहीं लड़ कसते हैं। दोनों पार्टी के नेताओं ने चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान से मिलकर अपनी-अपनी बात रख दी है। जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने दावा किया है कि एनडीए के घटक दलों के कहीं कोई मतभेद नहीं है। सबलोग एकजुट हैं। जल्द ही सीट बंटवारे का एलान कर दिया जाएगा।

एनडीए बार-बार 2010 के रिकॉर्ड टूटने की बात कह रही है। 2010 के विधानसभा चुनाव में भाजपा का स्ट्राइक रेट सबसे बेहतर रहा था।

भाजपा 102 सीटों पर चुनाव लड़कर 91 सीटें जीती थीं। उस समय सीएम नीतीश कुमार की पार्टी ने 141 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे और 115 सीटों पर जीत हासिल की।

इस तरह एनडीए को 206 सीटों पर जीत मिली थी। इसलिए एनडीए के नेता इस बार 2010 के चुनाव परिणाम का रिकॉर्ड तोड़ने की बात कह रहे हैं।

10 अक्टूबर से सीएम निकलेंगे चुनावी अभियान पर

हर दिन करेंगे चार सभाएं

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव की घोषणा होते ही सभी राजनीतिक दलों ने ताबड़तोड़ चुनावी सभा करने की तैयारी कर ली है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन और इंडिया गठबंधन अपने अपने स्टार प्रचारकों की सभाओं पर पूरा फोकस कर रहा है। इस बार पहले चरण में सबसे अधिक चुनावी सभा भारतीय जनता पार्टी के दिग्गज नेताओं की होगी। इसमें गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा की 25-25 चुनावी सभाओं को संबोधित करेंगे। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 10 से अधिक चुनावी सभाओं को संबोधित करेंगे।

खास बात यह है कि पीएम मोदी की चुनावी सभा में सीएम नीतीश कुमार भी अपना संबोधन देंगे। पीएम मोदी की हर तीन में एक सभा उस क्षेत्र में होगी, जहां एनडीए के घटक दलों के उम्मीदवार हैं। वहीं दो सभा भाजपा के उम्मीदवारों के क्षेत्र में होगी। प्रधानमंत्री की सभाओं में मंच पर एनडीए के उम्मीदवारों को भी जगह मिलेगी। जनता दल यूनाईटेड की ओर से सीएम नीतीश कुमार 10 अक्टूबर से अपने चुनावी अभियान पर निकलेंगे। इस दौरान वह हर दिन चार चुनावी सभाओं को संबोधित करेंगे। वह हेलीकॉप्टर से अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों में चुनावी सभा करेंगे।

झारखण्ड की सीमाओं पर 44 चेक पोस्ट एक्टिव

- जिला प्रशासन हाई एलर्ट
- 124 किमी. लंबी है सीमा
- पैरामिलिट्री फोर्स हुई तैनात

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नवादा। बिहार विधानसभा निर्वाचन-2025 को लेकर झारखंड से लगने वाली 124 किमी. लंबी नवादा की सीमा रेखा पर विशेष चौकसी बरती जा रही है।

नवादा एसपी अभिनव धीमान ने बताया कि झारखंड के कोडरमा और गिरिडीह जिला से नवादा अपनी सीमा रेखा साझा करता है।

चुनाव के दौरान शराब, नारकोटिक ड्रग्स, मादक पदार्थ एवं अन्य प्रलोभन वाली वस्तुएं, जिससे मतदाता को लुभाया जा सकता है, इसकी रोकथाम के लिए 44 चेक पोस्ट बनाए गए हैं।

इन चेक पोस्ट पर पैरामिलिट्री फोर्स तैनात की गई है। उन्होंने बताया कि पांच अंतर्राज्यीय चेक पोस्ट, 37 जिला चेक पोस्ट और दो अंतर जिला चेक पोस्ट बनाए गए हैं। एसपी ने बताया कि अभी तक एक लाख 50 हजार लीटर शराब की बरामदगी की गई है। चुनाव के मद्देनजर चेकपोस्ट पर सख्त जांच-पड़ताल होगी।

झारखंड से लगने वाली 124 किमी. लंबी सीमा रेखा के आसपास भी करीब 20 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। गिरिडीह जिला की सीमा के पास तीन और कोडरमा जिला की सीमा के पास 17 मतदान केन्द्र स्थापित किए गए हैं।

झारखंड राज्य के जिला प्रशासन के साथ बैठक करके विधि-व्यवस्था संधारण पर विस्तृत चर्चा की जाएगी। कौआकोल के सुदूर दनियां मतदान केन्द्र पर भी मतदान कराने को पदाधिकारी और कर्मी पहुंचेंगे।

वोटर निर्भीक होकर मतदान कर सकेंगे। हिसुआ विधानसभा के बकसंडा और वारिसलीगंज विधानसभा के सुदनपुर में तीन चलंत मतदान केन्द्र भी बनाए गए हैं। उन्होंने बताया कि जिले के पांच विधानसभा क्षेत्र के लिए अलग-अलग मतदान प्रेक्षक प्रतिनियुक्त किए जा रहे हैं। चुनाव आयोग इस बार बिहार विधानसभा चुनाव में कई नवाचार कर रहा है।

चुनाव को लेकर पुलिस प्रशासन ने किया फ्लैग मार्च

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

शिवाजी नगर। विधानसभा चुनाव की तिथि घोषित होते ही हथौड़ी थाना क्षेत्र में प्रशासनिक तैयारी तेज हो गई है। इसी क्रम में बुधवार को हथौड़ी पुलिस प्रशासन द्वारा क्षेत्र में व्यापक स्तर पर फ्लैग मार्च निकाला गया। इसका उद्देश्य क्षेत्र में शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखना और लोगों में निर्भीक होकर मतदान करने का माहौल तैयार करना था फ्लैग मार्च का नेतृत्व हथौड़ी थानाध्यक्ष मौसम ने किया। यह मार्च थाना परिसर से आरंभ होकर रहटौली गंलगंल चौक बल्लीपुर से परशुराम बंघार मुख्य सड़क मार्ग सहित कई ग्रामीण इलाकों से होकर गुजरा। इस दौरान लोगों को शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष चुनाव में सहयोग करने की अपील की गई फ्लैग मार्च में स्थानीय पुलिस बल के साथ अर्धसैनिक बल (पैरा मिलिट्री फोर्स) के जवान भी शामिल थे। बलों ने पूरे क्षेत्र में पैदल गश्ती कर कानून-व्यवस्था की स्थिति का जायजा लिया थानाध्यक्ष मौसम ने बताया कि चुनाव को लेकर किसी भी प्रकार की असामाजिक या अफवाह फैलाने वाली गतिविधियों पर सख्त निगरानी रखी जा रही है उन्होंने कहा कि सीमांचल और ग्रामीण इलाकों में सघन वाहन चेकिंग अभियान भी चलाया जा रहा है ताकि संदिग्ध गतिविधियों पर तुरंत कार्रवाई की जा सके। पुलिस प्रशासन ने आम लोगों से अपील की है कि किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि की जानकारी तुरंत स्थानीय थाने को दें, ताकि क्षेत्र में शांति और सौहार्द बना रहे ।मौक पर पु अ नि मुखराम सिंह सहित कई पुलिस पदाधिकारी व जवान मौजूद थे।

पिटाई से नाराज छोटे भाई ने की आत्महत्या

बिहारशरीफ। एकंगरसराय थाना क्षेत्र के जगाई गांव में मंगलवार को दो सगे सहोदर भाइयों के बीच हुई मारपीट के बाद छोटे भाई ने गुस्से में आकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान 22 वर्षीय दीनानाथ कुमार के रूप में हुई है। परिजनों ने बताया कि पारिवारिक विवाद को लेकर दीनानाथ कुमार और उनके बड़े भाई विनोद चौधरी के बीच कहा-सुनी हुई। इसी दौरान, बड़े भाई विनोद चौधरी ने अपने छोटे भाई दीनानाथ के साथ मारपीट की।

इस घटना से आहत होकर दीनानाथ कुमार ने मंगलवार की देर शाम घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बुधवार की सुबह जब परिजनों को इस घटना की जानकारी मिली, उन्होंने तत्काल एकंगरसराय पुलिस को सूचना दी।

सूचना मिलते ही एकंगरसराय थानाध्यक्ष अखिलेश कुमार झा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे । इसके बाद डीएसपी कुमार ऋषिराज भी घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की छानबीन की।

दीनानाथ के पिता उपेंद्र चौधरी ने बताया कि व्यवसाय को ले नई बाजार कुड़वापर में रहते हैं।

क्षेत्र में जदयू व लोजपा दोनों ठोंक रहे ताल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बेगूसराय। 18वीं बिहार विधानसभा चुनाव की रूपरेखा तय होते ही विभिन्न राजनीतिक दलों में टिकट की होड़ तेज हो गई है। साहेबपुर कमाल विधानसभा क्षेत्र में भी सत्ता और विपक्ष दोनों खेमों में सियासी हलचल बढ़ गई है। मतदाताओं के बीच यह चर्चा जोरों पर है कि क्या इस बार भी आठ बार विधायक रह चुके पिता और वर्तमान विधायक पुत्र को जनता फिर से मौका देगी, या विपक्षी एनडीए उम्मीदवार इस बार बाजी मार लेगा।

बेगूसराय जिले के बलिया विधानसभा क्षेत्र एवं 2008 में हुए परिसीमन के बाद बने साहेबपुर कमाल विधानसभा क्षेत्र में श्रीनारायण यादव ने 1980, 1990, 1995, 2000, 2005, 2014 (उपचुनाव) और 2015 के आम चुनाव में जीत दर्ज कर विधायक बने। वे कई बार मंत्री पद भी संभाल चुके हैं। 2020 के चुनाव में शारीरिक अस्वस्थता के कारण उन्होंने अपने पुत्र सतानंद संबुद्ध उर्फ ललन यादव को राजद प्रत्याशी के रूप में मैदान में उतारा, जिन्होंने जीत दर्ज कर पिता की राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाया।

इससे पूर्व एनडीए समर्थित दल लोजपा के जमशेद अशरफ ने 2005 के आम चुनाव में जीत हासिल की थी, जबकि 2010 में जदयू की परवीन अमानुल्लाह ने इस क्षेत्र से विजय प्राप्त की थी।

वर्तमान में आरजेडी विधायक ललन यादव महागठबंधन से पुनः टिकट पाने का दावा कर रहे हैं और अपने कार्यकाल के आधार पर एक बार फिर मतदाताओं का भरोसा जीतने की बात कर रहे हैं। वहीं, एनडीए के प्रमुख घटक दल लोजपा और जदयू दोनों ही इस सीट पर दावा ठोक रहे हैं। लोजपा के दावेदार सुरेंद्र विवेक और जदयू के अमर कुमार सिंह दोनों ही अपनी-अपनी पार्टी से टिकट के प्रबल दावेदार बताए जा रहे हैं। दोनों नेता लगातार क्षेत्र में जनसंपर्क कर मतदाताओं को साधने में जुटे हैं। अब देखना यह होगा कि पार्टी नेतृत्व किसे टिकट देती है।

ड्रोन कैमरों से आसमानी निगरानी शुरू

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गयाजी। गया जंक्शन और उसके आसपास के रेल सेक्टरों में सुरक्षा को और बेहतर बनाने के लिए आरपीएफ ने ड्रोन कैमरों की मदद से निगरानी शुरू कर दी है। अब ट्रैक, प्लेटफार्म, यार्ड और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में आसमान से नजर रखी जा रही है। यह तकनीक न केवल सुरक्षा बलों की कार्यक्षमता को बढ़ा रही है, बल्कि अपराध पर भी सीधा असर डाल रही है। आरपीएफ इंस्पेक्टर बनारसी यादव के नेतृत्व में यह अभियान चलाया जा रहा है। उनकी टीम में उपनिरीक्षक जावेद इकबाल शामिल हैं, जो सेक्टर-7, सेक्टर-8, पंचायती अखाड़ा और फल्गु ब्रिज जैसे संवेदनशील इलाकों में गहन निगरानी कर रहे हैं।

गया जंक्शन पर आरपीएफ की यह तकनीकी पहल यात्रियों की सुरक्षा के साथ-साथ संसाधनों के बेहतर प्रबंधन का बेहतरीन उदाहरण बन रही है। ड्रोन कैमरों की मदद से रेलवे परिसर में अपराध नियंत्रण को जो नई दिशा मिली है, वह देश के अन्य प्रमुख स्टेशनों के लिए भी एक माडल बन सकती है।

ड्रोन से मिलने वाली लाइव फुटेज सीधे आरपीएफ के कंट्रोल रूम तक पहुंच रही है। इससे संदिग्ध गतिविधियों की तुरंत पहचान हो रही है और त्वरित कार्रवाई संभव हो रही है। पहले जहां कई जवानों की तैनाती जरूरी होती थी, अब कम संसाधनों में ही अधिक प्रभावी सुरक्षा व्यवस्था लागू की जा रही है। आरपीएफ अधिकारियों के मुताबिक, ड्रोन की मौजूदगी से असामाजिक तत्वों में डर का माहौल है। चोरी, टिकट ब्लैकिंग और अवैध वेंडिंग जैसी घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आई है।

अतिक्रमण मामले में डीएम को हाई कोर्ट की चेतावनी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। पटना हाई कोर्ट ने शहर में व्याप्त अतिक्रमण मामले में पटना के जिलाधिकारी (डॉ. त्यागराजन एस.एम) पर सख्त रुख अपनाते हुए कड़ी चेतावनी दी है। न्यायाधीश पी. बी. बजनथ्री और न्यायाधीश एस. बी. पी. सिंह की खंडपीठ ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यदि चार सप्ताह के भीतर अवैध अतिक्रमण नहीं हटाया गया, तो यह माना जाएगा कि डीएम कोर्ट के आदेशों की अवहेलना कर रहे हैं और उन पर अवमानना की कार्रवाई की जाएगी।

यह निर्देश डॉ. अमित कुमार सिंह बनाम राज्य सरकार मामले में आया है, जिसमें याचिकाकर्ता ने यह आरोप लगाया था कि प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटाने का दावा सिर्फ कागजों में सीमित है, जबकि जमीनी हकीकत कुछ और है।

कोर्ट ने डीएम को निर्देशित किया है कि अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया की डिजिटल फोटोग्राफी (दिनांक व समय सहित) तैयार कर अगली सुनवाई से पहले कोर्ट में पेश करें और इसकी प्रति याचिकाकर्ता को भी उपलब्ध कराएं।

कोर्ट ने तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि मामला पांच वर्षों से लंबित है और अब और समय बर्बाद नहीं किया जा सकता। यदि प्रशासन अतिक्रमण हटाने में असमर्थ है तो इसे स्पष्ट रूप से शपथपत्र के माध्यम से अदालत को बताया जाए। मामले की अगली सुनवाई 3 जुलाई को निर्धारित की गई है।

राजद विधायक ने थामा भाजपा का दामन

कैमूर। बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले राजद को बड़ा झटका लगा है। कैमूर जिले की भभुआ सीट से राजद विधायक भरत बिंद ने विधानसभा सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। जानकारी के अनुसार, भरत बिंद अब भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ सकते हैं। उन्होंने मार्च 2024 में राजद छोड़कर भाजपा की सदस्यता ग्रहण की थी।

भरत बिंद ने फोन पर बताया कि उन्होंने अपने इस्तीफे की पुष्टि कर दी है। उन्होंने कहा कि मैंने हमेशा विकास की राजनीति की है। भभुआ की जनता ने मुझे बहुत प्यार दिया। अब उनके विश्वास को और मजबूत करने के लिए मैं नया रास्ता चुन रहा हूं।

भरत बिंद ने 2020 के विधानसभा चुनाव में राजद के टिकट पर भभुआ सीट से जीत हासिल की थी। वह कैमूर जिले के चांद थाना क्षेत्र के सिलौटा गांव के रहने वाले हैं और 2010 से अपना राजनीतिक करियर शुरू कर चुके हैं।

चौथे दिन भी बाढ़ का कहर जारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कैमूर। प्रखंड क्षेत्र में कर्मनाशा व दुर्गावती नदी के उफान से चौथे दिन भी बाढ़ से राहत नहीं मिली। बुधवार को भी यूपी के गाजीपुर से रामगढ़ का संपर्क नहीं जुड़ सका है। यूपी के दिलदारनगर जाने वाले महत्वपूर्ण रामगढ़ बड़ौरा पथ पर बड़ौरा पुल पार यूपी की सीमा में अभी भी चार फीट से अधिक पानी का बहाव जारी रहने से यातायात प्रभावित है। नदियों का जलस्तर इतनी धीमी गति से घट रहा है कि बाढ़ का पानी उतरने में अभी दो तीन दिन और लगने की संभावना जताई जा रही है।

उधर तीन ओर से दुर्गावती और कर्मनाशा नदी से घिरे आंटडीह गांव के 15 घरों में बाढ़ का पानी घुसने से ग्रामीण परेशानी झेल रहे हैं। गांव के निचले हिस्से के जिन घरों में पानी घुसा है उन घरों के लोग अपने मवेशियों के साथ मध्य विद्यालय परिसर में शरण लिए हुए है।

ग्रामीणों ने बताया कि लगता है कि अभी हफ्ते भर स्कूल में ही आश्रय लेना पड़ेगा क्योंकि बाढ़ का पानी उतरने में कम से कम चार दिन लगेंगे। इसके बाद भी दो तीन दिन घर में शिफ्ट होने में समय लगेगा। ग्रामीणों ने बताया कि राहत की बात बस इतनी है कि अभी पश्चिम दिशा से कच्चा रास्ता नहीं डूबा है जिससे आवाजाही हो रही है। दैनिक आवश्यकता के लिए रामगढ़ से खरीदारी संभव है।

हालांकि मवेशियों के लिए चारा का प्रबंध करने में काफी फजीहत झेलनी पड़ रही है।

आंटडीह गांव में 15 घरों में बाढ़ का पानी घुसा है। उधर नदियों में उफान से चार दिन से चौतरफा जलमग्न फसलों के बर्बाद होते देख किसानों के होश उड़ गए हैं। उधर दुर्गावती नदी के जलस्तर में भी कमी धीमी गति से होने से किसान हताश हैं।

नरहन, गोड़सरा, पनसेरवां, भटौली, जमुरना, अकोढ़ी, बंदीपुर समेत कई गांव के बधार में फसलें डूबी हुई है। कर्मनाशा के बाढ़ में सराय, इमिलियां, तरोइयां, नोनार, बड़ौरा, आंटडीह, नरहन आदि गांवों के अलावा गोरिया नदी के पानी से पूर्वी इलाके की चार पंचायतों के बधार में धान व सब्जी की फसल बाढ़ की भेंट चढ़ गई है।

दो बस यात्री करंट से झुलसे

अरवल। कुर्था-शकुराबाद पथ पर शकुराबाद मोड़ के पास बुधवार की सुबह एक बस की छत पर सवार दो यात्री करंट की चपेट में आने से गंभीर रूप से झुलस गए। घायलों में मानिकपुर थाना क्षेत्र के मानिकपुर बाजार निवासी शिवनाथ चंद्रवंशी व गयाजी जिले के टेकारी थाना क्षेत्र के चिरैली गांव निवासी बिगन मांझी हैं। घटना के बाद शकुराबाद मोड़ पर अफरा तफरी का माहौल कायम हो गया। गयाजी जिले से कुर्था आ रही गोविंदम नाम की बस कुर्था में शिवमंदिर के समीप रुक कर यात्रियों को उतार रही थी। उसी जगह से 11 हजार केवी का तार गुजरा है, जिसकी चपेट में बस की छत पर सवार दो यात्री आ गए। एक यात्री करंट के झटके से बस से नीचे गिर गया, दूसरा छत पर ही अटका रहा। यह देख बस में सवार यात्रियों में अफरा तफरी मच गई, लोग जान बचाने के लिए बस से उतर गए।

वकील के घर छापेमारी में हथियार व कारतूस बरामद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। मुजफ्फरपुर में एके 47 बरामद मामले में एनआइए की टीम ने नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत एसडीओ रोड स्थित एक वकील के घर में नगर थाना की पुलिस की मदद से दूसरी बार रेड कर लाइसेंसी हथियार, पिस्तौल, कारतूस नगद रुपए अन्य सामान बरामद किया है। एनआईए की टीम ने एसडीओ रोड निवासी अशोक कुमार सिन्हा के पुत्र वकील संदीप कुमार सिन्हा उर्फ छोटू के घर छापेमारी कर एक पिस्तौल, दो मैगजीन, 18 कारतूस, नगद चार लाख रुपए एवं एक लाइसेंसी बंदूक बरामद किया है।

जानकारी के अनुसार, टीम बुधवार की सुबह करीब 9:00 बजे अचानक कई वाहनों से वकील के घर पहुंच गए। टीम ने में गेट का दरवाजा खुलवाने के पश्चात घर में प्रवेश किया। उसके बाद घर के लोगों को बाहर निकलने से मना कर दिया।

उसके बाद टीम ने घर के सभी कमरा, शौचालय, बारामदा, गोदरेज, ट्रक, बक्सा, पलंग सहित घर के प्रत्येक कोना में करीब 4 घंटे तक छापेमारी की। छापेमारी के दौरान पिस्टल नगर ग्रुप में कारतूस लाइसेंसी बंदूक एवं अन्य सामान बरामद किया। बरामद सामान को टीम अपने साथ ले गई।

मिली जानकारी के अनुसार, मुजफ्फरपुर में मिले एके 47 के मामले में एनआइए की टीम ने बीते 18 दिसंबर 2024 को नगर थाना क्षेत्र के एसडीओ रोड स्थित वकील एवं कृष्ण पुरी बाग मली में सत्यम के घर में छापेमारी किया था।

टीम अचानक अल सुबह रेड करने के लिए पहुंची करीब 4 घंटे तक रेड के बाद टीम वापस चली गई। इस दौरान टीम के अधिकारियों ने कुछ बताने से इंकार कर दिया।

मिली जानकारी के अनुसार वकील जमीन का कारोबार भी करता है।

बताया जा रहा है कि हाजीपुर के सत्यम कुमार और मुजफ्फरपुर जिले के जैतपुर थाना क्षेत्र के पोखरैरा गांव निवासी विकास कुमार नागालैंड से एक-47 राजधानी एक्सप्रेस से खरीद कर लाया था। पुलिस आरोपितों के पास से लेंस लगे प्रतिबंधित हथियार एक-47 एसॉल्ट राइफल के अलावा मैगजीन, 5 जिंदा कारतूस, तीन मोबाइल जब्त किया था।

इसमें विकास और सत्यम आपस में ममेरा फुफेरा भाई है। सूत्रों के मुताबिक बताया गया कि सत्यम कुमार और विकास कुमार दोनों अवैध हथियार खरीदकर बिहार लाकर उसे बेच देता था। बेचकर जो पैसा मिलता था उससे वह जमीन में निवेश करता था। जमीन खरीदवाने में एडवोकेट छोटू लला की भूमिका भी अहम बताई जा रही है।

नगर परिषद क्षेत्र नरक में तब्दील

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

शाहपुर पटोरी। पटोरी नगर परिषद क्षेत्र अब नारकीय बन चुका है। न तो बाजार और न ही सघन आबादी वाले क्षेत्र में सफाई का असर दिख रहा है।

बाजार क्षेत्र की सड़कों पर झाड़ू लगाने और कचरा हटाने का काम भले ही नियमित रूप से किया जा रहा है परन्तु सड़कों के अलावा अन्य जगहों पर कचरे का अंबार लगा हुआ है।

इसके प्रति न तो लोगों में जागरूकता है और न ही नगर परिषद में संवेदनशीलता। नतीजा रोंगटे खड़े कर देने वाला है। बरसात में बंद नाली और जलजमाव के कारण महामारी का भय सताने लगा है।

नाली से जल निकासी नहीं होने के कारण बाजार के गोला रोड में दुकानों और घरों में बरसात का पानी घुस रहा है। सड़कों के किनारे गड्ढे, सोमवारी हाट, कवि चौक कोठी रोड, चंदन चौक, प्रखंड कार्यालय के समीप, सोमवारी हाट के समीप जल जमाव के कारण सड़क पर चलना मुहाल है।

दलों की वेट एण्ड वाच की स्थिति से कार्यकर्ताओं में असमंजस

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बक्सर। बिहार विधानसभा चुनाव की तिथि की घोषणा हो गई। चुनाव आयोग ने सब कुछ स्पष्ट कर दिया कि कब कहां मतदान होगा और कब मतों की गिनती होगी। इसके तहत पहले चरण के लिए एक दिन बाद नामांकन का दौर भी शुरू हो जाएगा, लेकिन हैरत की बात यह है कि अभी तक दूल्हे को लेकर असमंजस की स्थिति बरकरार है। जिले के चार विधानसभा क्षेत्रों में पहले चरण में ही चुनाव होना है। इसलिए यहां 10 अक्टूबर से ही नामांकन की प्रक्रिया प्रारंभ होगी, लेकिन अभी तक किसी विधानसभा में किसी प्रत्याशी के नाम की घोषणा नहीं हुई। दूसरी तरफ इंटरनेट मीडिया पर अलग-अलग नाम उछाले जा रहे हैं।

इंटरनेट मीडिया पर खासकर बक्सर विधानसभा का एनडीए प्रत्याशी चर्चा में हैं। सबकी निगाहें इसी पर टिकी हैं कि यहां से किस प्रत्याशी को टिकट मिलता है। बहरहाल, फेसबुक पर नजर डालें तो नीतीश सिंह लिखते हैं ₹नेहा सिंह राठौर बक्सर सदर से लड़ सकती हैं चुनाव₹।

वहीं, रवि सिंह राजपूत लिखते हैं, ₹शाहाबाद क्षेत्र के बक्सर व भोजपुर जिले के एनडीए प्रत्याशियों की घोषणा जल्द, बदलेंगे पुराने चेहरे नए चेहरों पर दांव आजमाएंगे घटक दल₹। नीतीन मुकेश ने लिखा है ₹बक्सर से मंगल पांडेयजी₹।

यह बात और है कि अभी तक बक्सर से खासकर एनडीए से किसी प्रत्याशी के नाम की घोषणा नहीं हुई है। बहरहाल, पार्टी यहां से लोकल प्रत्याशी को उम्मीदवार बनाती है या फिर किसी बाहरी उम्मीदवार को मैदान में उतारती है, यह तो बाद की बात है, लेकिन जो लोग मैदान में खम ठोकने के लिए ₹दूल्हा₹ बनने का सपना पाले हैं, उनकी बेचैनी बढ़ गई है।इस परिस्थिति में कार्यकर्ता भी असमंजस में हैं कि वे किसके साथ सक्रिय रूप से चुनाव प्रचार में जुटे। इससे स्थानीय स्तर पर चुनावी तैयारियों पर भी असर पड़ रहा है।

राजनीतिक विश्लेषकों की मानें तो ज्यादा दावेदार वाले सीटों पर बगावत की संभावना भी अधिक होती है, जिससे पार्टी को नुकसान हो सकता है। यही वजह है कि पार्टियां टिकट वितरण में बेहद सावधानी बरत रही हैं और जातीय समीकरण, सामाजिक समीकरण, जीत की संभावना आदि सभी पहलुओं का आकलन कर रही हैं। फिलहाल राजनीतिक गलियारों में टिकट को लेकर कयासों का बाजार गर्म है और सभी की नजर अंतिम सूची पर टिकी है।

महागठबंधन ने खोले पत्ते

पटना। महागठबंधन की समन्वय समिति की चार बैठक के बाद भी महागठबंधन में मुख्यमंत्री के चेहरे को लेकर भ्रम की स्थिति है। हालांकि, कांग्रेस ने अब बिल्कुल साफ कर दिया है कि यदि चुनावों में गठबंधन को बहुमत मिलता है तो मुख्यमंत्री राजद से ही होगा।

कन्हैया शुक्रवार को दिल्ली में उक्त बातें कहीं। कन्हैया न कहा कि विधानसभा चुनावों में हमारे लिए लोगों के मुद्दे सर्वोपरि होंगे, लेकिन गठबंधन के मुख्यमंत्री चेहरे के मुद्दे को उठाकर ध्यान भटकाने के लिए प्रतिद्वंद्वियों द्वारा एक साजिश की जा रही है।

उन्होंने यह दावा भी किया कि जैसे ही भाजपा को मौका मिलेगा वह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को हटाकर बिहार में अपने नेता को स्थापित कर देगी। उन्होंने कहा भाजपा आज भी अपने पुराने ही ढर्रे पर है। वह पहले किसी क्षेत्रीय दल का समर्थन लेती है फिर धीरे-धीरे उसे निगल जाती है। कन्हैया ने कहा कि बिहार में इस बार के चुनाव में परिवर्तन की हवा तेज है। भाजपा ऑपरेशन सिंदूर को चुनावी मुद्दा नहीं बना रही है।

महागठबंधन की सरकार बनने पर सबसे पहले बेरोजगारी को दूर किया जाएगा : तेजस्वी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

भागलपुर। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार में महागठबंधन की सरकार बनने पर सबसे पहले बेरोजगारी को दूर किया जाएगा और हर एक व्यक्ति को नौकरी एवं रोजगार दी जाएगी।

उन्होंने बुधवार को जिले के गोराडीह में महागठबंधन की ओर से आयोजित सभा को संबोधित करते हुए कहा कि विधानसभा चुनाव में डबल इंजन की एनडीए सरकार का खात्मा होगा और महागठबंधन की सरकार बनेगी। प्रदेश की जनता निर्णय ले चुकी है। हमारी सरकार बनने के बाद बेरोजगारी खत्म हो जाएगी। हर घर में एक व्यक्ति को नौकरी और रोजगार दी जाएगी। श्री यादव ने कहा कि जब मैं 17 महीने नीतीश सरकार में था तो 5 लाख लोगों को सरकारी नौकरी देने का काम किया। उस समय जब मैं 10 लाख रोजगार की बात करता था तो मुख्यमंत्री पालटू चाचा यह कहते थे कि 10 लाख लोगों को तेजस्वी यादव पैसा अपने बाप के घर से देगा, लेकिन नीतीश चाचा के साथ रहते हुए मैंने उनके हाथों से लाखों युवाओं को नियुक्ति पत्र दिलवाया। प्रतिपक्ष के नेता ने कहा कि अब बिहार में दवाई, सिंचाई, पढ़ाई और कार्रवाई वाली सरकार बनेगी। भ्रष्टाचार, अपराध और अधिकारियों की मनमानी खत्म होगी। प्रदेश की जनता को किसी तरह की परेशानी नहीं होने दी जाएगी। प्रदेश से पलायन को रोकने के लिए उधोग धंधे और रोजगार के संसाधन स्थापित किये जाएंगे।

उन्होंने भागलपुर के बहुचर्चित सृजन घोटाले की चर्चा करते हुए कहा कि इस घोटाले में अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। दोषी अधिकारी और नेता छुट्टे घुम रहे हैं। इसके अलावा बिहार में 70 हजार करोड़ रुपए का घोटाला सामने आया है। यह बात मैं नहीं, कैग की रिपोर्ट कह रही है, लेकिन राज्य सरकार इस मामले में चुप्पी साधे हुए है। श्री यादव ने कहा कि प्रदेश में हर तरफ भ्रष्टाचार, हत्या, अपराध और अपहरण का बोलबाला है। पुलिस अपराधियों को छोड़कर शराब के पीछे पड़ी हुई है। शराब के मामले में बड़ी संख्या में निर्धन और निचले तबके के लोग जेल में बंद हैं, लेकिन मंत्री और बड़े लोग पुलिस की पकड़ से बाहर हैं क्योंकि उन लोगों को सरकार की ओर से संरक्षण मिला हुआ है। प्रतिपक्ष के नेता ने कहा कि प्रदेश में चुनाव का बिगुल बज चुका है। अब सीबीआई और ईडी खुलकर मैदान में आएगी। प्रधानमंत्री बड़ी-बड़ी बातें करते हैं। बिहार के बेरोजगार युवाओं को लेकर उनके मुंह से कुछ नहीं निकलता है। वोट बिहारियों का लेते हैं और सारे उधोग धंधे गुजरात में लगाए जा रहे हैं। बिहार के लोग गुजरात के कारखानों में मजदूरी करने जाते हैं। उन्होंने कहा कि इस चुनाव के बाद समय बदलने वाला है। बिहार के युवाओं को अपने घर में ही रोजगार मिलेगा और अन्यत्र भटकने नहीं दिया जाएगा। वहीं महिलाओं के लिए माय बहन योजना लागू कर एकमुश्त तीस हजार रुपए उनके बैंक खाते में भेजी जाएगी। सभा को झारखंड सरकार के मंत्री संजय यादव, विधायक भूदेव चौधरी, राजद के राष्ट्रीय परिषद सदस्य बासुकीनाथ यादव, नीतेश यादव, वरिष्ठ राजद नेता अरुण साह, संभावित गठबंधन प्रत्याशी रजनीश यादव, गौतम बनर्जी आदि ने भी संबोधित किया।

भाजपा कार्यालय में मनाई गई महर्षि वाल्मीकि जयंती

महर्षि वाल्मीकि के संदेश युगों-युगों तक समाज को मार्गदर्शन देता रहेगा : डॉ. दिलीप जायसवाल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार भाजपा प्रदेश कार्यालय में महर्षि वाल्मीकि जयंती मनाई गई। इस मौके पर आयोजित कार्यक्रम में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल भी शामिल हुए। उन्होंने महर्षि वाल्मीकि के तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें सादर नमन किया। इस मौके पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि महर्षि वाल्मीकि ने अपने अमर ग्रंथ रामायण के माध्यम से मानवता, समानता और धर्म के आदर्शों का ऐसा प्रकाश फैलाया जो युगों-युगों तक समाज को मार्गदर्शन देता रहेगा। उन्होंने कहा कि उन्होंने मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के आदर्शों को अपनी लेखनी के माध्यम से लोगों तक पहुंचाने के लिए रामायण की रचना की। इस महाग्रन्थ में उन्होंने न केवल समाज में समानता, मानवता और धर्म को प्रस्तुत किया बल्कि आदर्श परिवार के मानदंडों को भी उद्धृत किया।

इस कार्यक्रम में एडवोकेट जी एस प्रसाद, राजेश रमैया, सहित वाल्मीकि समाज के प्रबुद्ध और गणमान्य लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

बी.डी. कॉलेज में लोकनायक जयप्रकाश नारायण के विचारों पर विशेष व्याख्यान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बी.डी. कॉलेज, पटना में बुधवार को प्रख्यात स्वतंत्रता सेनानी और समाजवादी विचारक लोकनायक जयप्रकाश नारायण के सामाजिक एवं राजनीतिक क्रांति संबंधी विचारों पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम कॉलेज के सभागार में संपन्न हुआ जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं, प्राध्यापकों और आमंत्रित अतिथियों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्ज्वलन और लोकनायक के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। मुख्य वक्ता के रूप में पटना विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. रमेंद्र ने जयप्रकाश नारायण के विचारों की समकालीन प्रासंगिकता पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि जयप्रकाश नारायण की संपूर्ण क्रांति केवल राजनीतिक परिवर्तन नहीं, बल्कि सामाजिक पुनर्जागरण की पुकार थी। जातिवाद के उन्मूलन, अंतरजातीय विवाह के प्रोत्साहन और स्त्रीशक्ति के उत्थान जैसे मुद्दों को उन्होंने अपने आंदोलन का मूल आधार बनाया। वक्ता किरण नाथ ने 'महिला चर्खा समिति' के कार्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि समिति महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण, हस्तकला प्रशिक्षण, ग्राम स्तरीय नेतृत्व विकास और सामाजिक चेतना के प्रसार की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। कॉलेज की प्राचार्या प्रो. रत्ना अमृत ने अपने संबोधन में गांधी दर्शन के जयप्रकाश नारायण पर पड़े गहरे प्रभाव की चर्चा की। उन्होंने कहा कि गांधी की अहिंसा, सत्य और ग्राम स्वराज की अवधारणाओं ने जयप्रकाश के जीवन को दिशा दी। संपूर्ण क्रांति की नींव गांधीवादी विचारधारा पर ही आधारित थी, जो आज भी उतनी ही प्रासंगिक है। विशिष्ट अतिथि प्रो. प्रमोद ने जयप्रकाश नारायण को 'एक जीवंत चेतना' बताया जो आज भी युवाओं को सामाजिक न्याय, नैतिक नेतृत्व और जनभागीदारी की प्रेरणा देती है। उन्होंने कहा कि संवेदनशीलता और सक्रियता का संगम ही संपूर्ण क्रांति की आत्मा है। कार्यक्रम का संचालन दर्शनशास्त्र विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. विजय कुमार मीणा ने किया, जिन्होंने वक्ताओं के विचारों का सार प्रस्तुत किया और छात्रों को संवाद के लिए प्रेरित किया। धन्यवाद ज्ञापन इतिहास विभाग के डॉ. सिकंदर जमील ने किया।

राजेश राज बने मगही मगध संघ के राजधानी पटना के संयोजक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। मगही मगध नागरिक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष पारस कुमार सिंह ने संघ का विस्तार करते हुये आज खाजेकलॉ पटना में एक बैठक कर युवा समाजसेवी राजेश राज को राजधानी पटना का संयोजक नियुक्त किया है। बैठक को संबोधित करते हुये राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा हमलोगों को अपनी मातृभाषा 'मगही' को कभी भी नहीं भुलना चाहिये उपरोक्त संघ अपने स्थापना काल से ही मातृभूमि 'मगध' और मातृभाषा 'मगही' के विकास के लिये देश के पुरानी राजधानी कोलकाता से मुहिम की शुरूआत करते हुये आज बिहार में विस्तार कर रही है इसी क्रम में नई पीढ़ी के युवा सामाजिक कार्यकर्ता राजेश राज जी को मगही भाषियों को संगठित करने के उद्देश्य से पटना का संयोजक नियुक्ति कर मै बहुत ही खुश हूं कि इनके नेतृत्व में संघ अपने उद्देश्य में जरूर सफल होगा। संघ का मानना है कि नई पीढ़ी के बच्चों में अपनी मात्रभाषा मगही के प्रति रुचि कम है वे लोग इस भाषा को बोलने में शरमाते हैं जबकि ये गलत है अपनी भाषा और संस्कृति को कभी भी नहीं भूलना चाहिए। मौके पर नव नियुक्त सयोजक राजेश राज ने कहा मैं संघ के कार्यो से अवगत हूं। राष्ट्रीय अध्यक्ष पारस सिंह के नेतृत्व में बहुत ही सराहनीय प्रयास किया जा रहा है। आज मैं संघ का हिस्सा बनकर बहुत ही गौरवान्वित हूं और जो जिम्मेदारी मुझे दी गई है उसे निर्वहन करने का तन मन धन से सहयोग करुंगा। इस मौके कर राजु कर्न, बिजय सिंह, उज्ज्वल राज, बिनय सिंह, रितेश कुमार आदि लोग उपस्थित थे।

शिक्षिका नीतू शाही को झांसी में मिला 'द बेस्ट टीचर अवॉर्ड-2025'

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

फुलवारी शरीफ। फुलवारी शरीफ की जानी-मानी शिक्षिका नीतू शाही को झांसी में आयोजित 'द बेस्ट टीचर अवॉर्ड-2025' समारोह में सम्मानित किया गया। झांसी के राजकीय संग्रहालय में 7 अक्टूबर को महेंद्र तिवारी फाउंडेशन की ओर से आयोजित इस समारोह में देश भर से चुने गए 51 श्रेष्ठ नवाचारी शिक्षकों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संयुक्त शिक्षा निदेशक राजू राणा ने नीतू शाही को पुरस्कार प्रदान किया और बिहार में शिक्षा के क्षेत्र में हो रहे सकारात्मक बदलावों की सराहना की। उन्होंने कहा कि मैं हाल ही में बिहार गया था और वहां शिक्षा व्यवस्था में हो रहे उल्लेखनीय सुधार को देखकर प्रभावित हुआ हूं। सम्मान मिलने के बाद शिक्षिका नीतू शाही ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि मुझे अत्यंत गर्व है कि वीरांगना झांसी की रानी की कर्मभूमि पर यह सम्मान प्राप्त करने का सौभाग्य मिला।

सीजेआई पर हुए हमले पर नीतीश कुमार, चिराग पासवान और जीतन राम मांझी मौन क्यों : सांसद तनुज पुनिया

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में लोकसभा सांसद तनुज पूनिया ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया। सांसद तनुज पूनिया ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर ने हमें कलम की ताकत दी थी, आज जब एक दलित उस ताकत का इस्तेमाल कर के देश की सर्वोच्च न्यायिक कुर्सी पर बैठा है तो ये हमें जूते से डरा रहे हैं। आरएसएस-भाजपा मानसिकता से प्रेरित लोग लगातार मुख्य न्यायाधीश के खिलाफ जहर उगल रहे हैं। हम इसकी कठोर निंदा करते हैं। यह जूता भारत की संवैधानिक अस्मिता पर फेंका गया है, बाबा साहेब के आदर्शों पर मारा गया है और देश के दलितों के आत्मसम्मान पर मारा गया है। शर्मनाक है कि नीतीश कुमार, जीतन राम मांझी और चिराग पासवान जैसे नेता जो दलितों के वोट से राजनीति में पहुंचे। आज जब एक दलित और वंचित समाज के सर्वोच्च प्रतिनिधि का अपमान हो रहा है। तब ये सब चुप हैं। उनकी यह चुप्पी राजनीतिक नहीं, नैतिक दिवालियापन की निशानी है। सांसद तनुज पूनिया ने कहा कि कांग्रेस हमेशा से बाबा साहब के विचारधारा कलम के साथ रही है और भाजपा आरएसएस से प्राप्त जूते वाली विचारधारा से संचालित होती रही है। संवाददाता सम्मेलन में प्रदेश कांग्रेस के मीडिया विभाग के चेयरमैन राजेश राठौड़, प्रवक्ता डॉ स्नेहाशीष वर्धन पाण्डेय, ज्ञान रंजन सहित नदीम अख्तर अंसारी, निखिल कुमार मौजूद रहे।

कर्मचारी राज्य बीमा निगम में 'सुविधा समागम' का आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। कर्मचारी राज्य बीमा निगम, पंचदीप भवन, क्षेत्रीय कार्यालय, पटना में सीए निरंजन कुमार, क्षेत्रीय निदेशक की अध्यक्षता में सुविधा समागम का आयोजन किया गया। बैठक में बिहार क्षेत्र के बीमाकृत व्यक्तियों को प्रदान किये जा रहे चिकित्सा हितलाभ, बीमारी हितलाभ, मातृत्व हितलाभ, अपंगता हितलाभ, आश्रितजन हितलाभ , अंत्योष्टि व्यय एवं प्रसूति व्यय से सम्बंधित विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत से चर्चा की गयी। इस अवसर पर 9 बीमाकृत व्यक्तियों एवं उनके परिजनों के विभिन्न समस्याओं, विशेषकर चिकित्सा प्रतिपूर्ति से संबंधित मामलों के विषय में जानकारी ली गयी एवं मौके पर ही इसके निराकरण हेतु समुचित निर्णय किए गए।

जेपी आंदोलन की विरासत को लेकर बिहार में नई सियासी हलचल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। लोकनायक जयप्रकाश नारायण की पुण्यतिथि पर पटना के होटल बुद्धा इंटरनेशनल में 'सम्पूर्ण क्रांति मंच' ने एक महत्वपूर्ण सभा का आयोजन किया। इस अवसर पर बिहार डेवलपमेंट अलायंस ने 2025 के विधानसभा चुनाव के लिए अपना रणनीतिक रोडमैप पेश किया। सभा में राजनीतिक दिग्गज, सामाजिक कार्यकर्ता, शिक्षाविद और पत्रकार मौजूद रहे। 'सम्पूर्ण क्रांति मंच' के अध्यक्ष राम प्रवेश सिंह ने कहा कि गठबंधन एनडीए के साथ है, लेकिन जेपी आंदोलन से जुड़े नेताओं को विधानसभा चुनाव में उचित हिस्सेदारी मिलनी चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर उनकी मांगें अनसुनी रही तो स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ने का विकल्प भी खुलेगा। जेपी सेना के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद डॉ. सूरज मंडल ने जेपी आंदोलन के आदर्शों–न्याय, पारदर्शिता और जनता के हित में शासन–को पुनर्जीवित करने का आह्वान किया। जनहित दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष अंशुमन जोशी ने बीडीए की प्राथमिकताओं में रोजगार, औद्योगिक विकास, शिक्षा सुधार, महिलाओं की सुरक्षा और भ्रष्टाचार के खिलाफ नीतियों पर जोर दिया। 'सम्पूर्ण क्रांति मंच' के वरिष्ठ सलाहकार प्रो. देवेंद्र प्रसाद सिंह ने कहा कि बिहार के युवाओं को रोजगार के लिए बाहर नहीं जाना चाहिए और राज्य में विश्वविद्यालय, मेडिकल कॉलेज और उद्योग स्थापित कर प्रतिभा को रोका जा सकता है। बीडीए में वर्तमान में जनहित दल, जेपी सेना और सम्पूर्ण क्रांति मंच शामिल हैं। अन्य क्षेत्रीय दलों से बातचीत जारी है। इस दौरान कुछ प्रमुख विधानसभा क्षेत्रों के लिए उम्मीदवारों की सूची भी जारी की गई। विश्लेषकों के अनुसार यह आयोजन बिहार की सियासत में नई हलचल का संकेत देता है और अब यह देखना होगा कि बीडीए का रोडमैप मतदाताओं को कितना प्रभावित करता है।

रोटरी क्लब ऑफ पाटलिपुत्र द्वारा 44वां इंटर स्कूल लोक नृत्य प्रतियोगिता 11 अक्टूबर को

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। रोटरी क्लब ऑफ पाटलिपुत्र द्वारा आयोजित 44वां इंटर स्कूल लोक नृत्य प्रतियोगिता आगामी रविवार, 11 अक्टूबर को बापू सभागार, पटना में अपार उत्साह और भव्यता के साथ आयोजित की जाएगी। क्लब अध्यक्ष रोटेरियन संजय भरतिया ने बताया कि इस प्रतियोगिता में प्रतिभागी भारतीय पौराणिक कथाओं से प्रेरित रंगारंग प्रस्तुतियां देंगे। कार्यक्रम का उद्घाटन डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटेरियन नम्रता द्वारा किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ.विजय लक्ष्मी, भा.प्र.से. तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में मृत्युंजय तिवारी सीईओ, अखंड ज्योति आई हॉस्पिटल और नटराज स्टोन के ए.के.पी. सिन्हा एवं रेनु सिन्हा उपस्थित रहेंगे। क्लब सेक्रेटरी रीता अग्रवाल ने बताया कि प्रतियोगिता तीन श्रेणियों – जूनियर फोक डांस, सीनियर फोक डांस और थीमैटिक डांस में आयोजित की जाएगी। पटना के लगभग 18 विद्यालयों के करीब 800 छात्र-छात्राएं भारतीय संस्कृति की विविधता और समृद्ध परंपराओं को नृत्य के माध्यम से प्रदर्शित करेंगे। रोटेरियन वीणा जैन ने कहा कि यह प्रतियोगिता युवा प्रतिभाओं के माध्यम से भारतीय संस्कृति की जीवंतता और रोटरी के आदर्श वाक्य – सेवा से संस्कार की सशक्त अभिव्यक्ति होगी।

आश्रित परिवार को 4-4 लाख रुपये की दी गयी अनुग्रह अनुदान की राशि

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गयाजी। जिले के डीएम शशांक शुभंकर द्वारा विभिन्न अंचल क्षेत्र में आपदा से घटित घटनाओं से मृत व्यक्तियों के उनके निकटतम आश्रित परिवार को अनुग्रह अनुदान राशि का भुगतान संबंधित अंचल अधिकारी के माध्यम से की गई है। कुल तीन (03) आश्रित परिवार को 4-4 लाख रुपये अनुग्रह अनुदान की राशि भेजी जा रही है जिसमें मानपुर अंचल क्षेत्र के रूपसपुर गांव निवासी मंजू देवी की मृत्यु लू लगने से हुई थी, उनके निकटतम परिजन को 400000 का अनुग्रह अनुदान राशि भुगतान की जा रही है। वजीरगंज अंचल क्षेत्र के भिंडस निवासी निवासी सुरेंद्र मांझी की मृत्यु वज्रपात से हुई थी, उनके निकटतम परिजन को ?400000 का अनुग्रह अनुदान राशि भुगतान की जा रही है।

जहां होगा अधिकारों का हनन, वहां खड़ा मिलेगा 'द अधिकार फाउंडेशन'

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। राजधानी पटना में बुधवार को एक नए सामाजिक संगठन 'द अधिकार फाउंडेशन' का शुभारंभ किया गया। संगठन का उद्देश्य समाज में अधिकारों की रक्षा, सामाजिक न्याय की स्थापना और हर उस व्यक्ति के साथ खड़ा रहना है जिसके अधिकारों का हनन हो रहा है। फाउंडेशन के सूत्रधार मुकुंद कुमार सिंह एवं सचिव रोहित कुमार सिंह ने कहा कि कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों शिक्षा, समाजसेवा, पत्रकारिता, संस्कृति और युवा संगठनों से जुड़े लोगों ने हिस्सा लिया और अपने-अपने विचार रखे। दोनों ने कहा कि जहां होगा अधिकारों का हनन, वहां खड़ा मिलेगा द अधिकार फाउंडेशन। बिहार श्रमजीवी पत्रकार यूनियन के कार्यकारी अध्यक्ष आलोक कुमार ने संस्कृत भाषा के पुनर्जीवन पर बल देते हुए कहा कि सरकार को सभी स्कूल और कॉलेजों में संस्कृत की शिक्षा अनिवार्य करनी चाहिए साथ ही नाबालिग बच्चों से जान बूझकर काम करवाने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की गई। इस मौके पर अधिवक्ता शिवानन्द गिरी एवं गांधीवादी प्रेम कुमार ने कई अहम सामाजिक और नीतिगत मुद्दों पर अपने विचार व्यक्त किए। समाजसेवी विनोद कुमार एवं प्रीति पाठक ने कार्यक्रम में रखे गए मुख्य प्रस्तावों में कहा गया कि बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में भाग लेने वाले सभी उम्मीदवार जनता के बीच आकर अपना परिचय दें और जीतने के बाद अपने क्षेत्र के विकास की ठोस योजना साझा करें। इसके साथ ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को अश्लीलता मुक्त करने की मांग की गई ताकि समाज में स्वस्थ संवाद का वातावरण बने। डॉ पुरुषोत्तम कुमार एवं डॉ तनवीर अख्तर ने यह भी कहा कि देश में पुरुष अधिकार कानून की सख्त जरूरत है ताकि पुरुषों को भी न्याय मिल सके। इसके अलावा शराबबंदी नीति की सफलता पर सरकार को एक पारदर्शी सर्वे कराना चाहिए और जनता की राय लेकर इसका वास्तविक मूल्यांकन करना चाहिए। प्रिया सिंह एवं आर्यन राज ने यह भी मांग की कि भोजपुरी एल्बम, फिल्मों और कंटेंट क्रिएटरों के लिए सेंसर बोर्ड की व्यवस्था हो ताकि अशोभनीय सामग्री पर अंकुश लगाया जा सके। साथ ही युवाओं के रोजगार से जुड़ी समस्या पर भी जोर देते हुए कहा गया कि सरकार नौकरी के नाम पर युवाओं का शोषण करने वाली बिचौलिया कंपनियों को समाप्त करे और सीधी भर्ती की व्यवस्था सुनिश्चित करे। रणजीत कुमार, राजेश कुमार सोनू,राजेश तिवारी एवं राजू तिवारी ने कहा कि यह संगठन बिना किसी राजनीतिक स्वार्थ के समाज में जागरूकता फैलाने और हर व्यक्ति के अधिकार की रक्षा के लिए समर्पित रहेगा। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी लोगों ने यह संकल्प लिया कि वे समाज में न्याय, समानता और पारदर्शिता के लिए एकजुट होकर कार्य करेंगे।

स्वदेशी एवं आर्गेनिक जीवनशैली विषयक व्याख्यान के साथ सीयूएसबी में अहिंसा सप्ताह का समापन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गयाजी। दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित गांधी जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित अहिंसा सप्ताह का समापन स्वदेशी जीवनशैली विषयक पर आधारित विशेष व्याख्यान के साथ बुधवार को हुआ। कुलपति प्रो कामेश्वर नाथ सिंह के संरक्षण में डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर कार्यालय ने गांधी अनुसंधान फाउंडेशन के आह्वान के अनुसरण में अहिंसा सप्ताह का आयोजन किया जिसका औपचारिक शुभारंभ 29 सितम्बर 2025 को किया गया। अध्यक्षीय संबोधन में कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने स्वदेशी 2.0 और आत्मनिर्भर भारत विषय पर विचार रखते हुए कहा कि जैसा कि हम जानते हैं, गांधीजी की स्वदेशी की अवधारणा स्वतंत्र भारत के निर्माण के लिए महत्वपूर्ण थी, वर्तमान परिदृश्य में हमें इसे साकार करने की आवश्यकता है। सीयूएसबी के ध्येय 'कैंपस टू कम्युनिटी' के माध्यम से सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्यमियों (एमएसएमई) के लिए विभिन्न अवसर खोलने का प्रयास किया है जो आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की आधारशिला हैं। छात्रों के उत्साह और सृजनशीलता की सराहना करते हुए कुलपति ने कहा कि ऐसे आयोजन विश्वविद्यालय में गांधीवादी आदर्शों को जीवंत बनाए रखते हैं। इस अवसर पर मुख्य अतिथि अजय कुमार, स्वदेशी जागरण मंच से, ने स्वदेशी एवं आर्गेनिक जीवन विषय पर अत्यंत प्रेरक और ज्ञानवर्धक व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने बैरिस्टर मोहनदास करमचंद गांधी से महात्मा गांधी बनने की यात्रा का विस्तार से वर्णन किया और बताया कि कैसे गांधीजी ने स्वदेशी, खादी और ऑर्गेनिक जीवनशैली को स्वतंत्रता आंदोलन का केंद्र बनाया। श्री अजय ने कहा कि गांधीजी का स्वदेशी विचार केवल आर्थिक स्वावलंबन तक सीमित नहीं था, बल्कि यह आत्मिक स्वतंत्रता, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक समानता का भी प्रतीक था। उन्होंने यह भी बताया कि आज जब भारत आत्मनिर्भरता और सतत विकास की दिशा में अग्रसर है, तब गांधीजी के ये विचार और भी अधिक प्रासंगिक हो गए हैं। जन सम्पर्क पदाधिकारी मोहम्मद मुदस्सीर आलम ने बताया कि इससे पहले कार्यक्रम का शुभारंभ कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत एवं उप प्रॉक्टर डॉ. मंगलेश कुमार मंगलम के स्वागत भाषण से हुआ। उन्होंने अहिंसा सप्ताह के अंतर्गत आयोजित विविध प्रतियोगिताओं और गतिविधियों की रूपरेखा प्रस्तुत की। समन्वयक डॉ. विकल कुमार सिंह, सहायक डीएसडब्ल्यू ने बताया कि 29 सितम्बर 2025 को ऑनलाइन नारा लेखन प्रतियोगिता तथा ऑनलाइन भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई, 30 सितम्बर 2025 को अहिंसा एवं विश्व के महान नेताओं पर ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जबकि 2 अक्टूबर 2025 को विश्व अहिंसा दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में शांति मार्च एवं शांति प्रतिज्ञा का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में शिक्षक, कर्मचारी और विद्यार्थी सम्मिलित हुए।समारोह में अहिंसा सप्ताह के अंतर्गत आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को माननीय कुलपति एवं मुख्य अतिथि के करकमलों से प्रमाणपत्र प्रदान किए गए।

गांजा और स्मैक के साथ दो गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

फुलवारी शरीफ। नशीले पदार्थों के कारोबार पर रोक लगाने के लिए पुलिस की लगातार चल रही कार्रवाई के तहत मंगलवार की रात फुलवारीशरीफ थाना क्षेत्र में दो अलग-अलग जगहों से गांजा और स्मैक के साथ चार लोगों को पकड़ा गया है। इनमें दो आरोपी वयस्क हैं जबकि दो नाबालिग लड़कों को निरुद्ध किया गया है। नगर पुलिस अधीक्षक (पश्चिमी) के निर्देश पर चलाए गए इस विशेष अभियान के दौरान पहली कार्रवाई छप्पन भोग के सामने की गई। यहां पुलिस ने मो. नौशाद (उम्र 21 वर्ष), पिता मो. सिराज, निवासी माली गली, यादव टोली, थाना फुलवारीशरीफ को 35 पुड़िया (करीब 150 ग्राम) गांजा, 700 रुपये नकद और एक मोबाइल फोन के साथ गिरफ्तार किया। उसके साथ मौजूद एक नाबालिग लड़के को भी निरुद्ध किया गया। इस मामले में फुलवारीशरीफ थाना कांड संख्या 1645/25, दिनांक 07.10.2025, धारा 8(सी)/21(बी) एनडीपीएस एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। दूसरी कार्रवाई एम्स गोलंबर के पास पावर ग्रीड के समीप की गई।

संपादकीय

भारत ने खोजी ट्रंप के 100 प्रतिशत टैरिफ की काट, सारा माल रूस की तरफ मोड़ा

(अभिनय आकाश)

अमेरिकी राष्ट्रपति ने एक बड़ा फैसला लिया। उन्होंने ऐलान किया कि भारत समेत कई देशों से आने वाली दवाओं पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाया जाएगा। मतलब कि अगर कोई दवा अमेरिका जाएगी तो उसकी कीमत दोगुनी हो जाएगी। ट्रंप ने इसे मेड इन अमेरिका को बढ़ावा देने की चाल बताई। लेकिन असल में ये फैसला भारत की बढ़ती फॉर्मा ताकत पर एक आर्थिक हमला था। लेकिन भारत ने इस वॉर को आर्थिक युद्ध नहीं बल्कि रणनीति के खेल में बदल दिया और आपदा को अवसर में तब्दील कर दिया। भारत सरकार और फॉर्मा इंडस्ट्री ने तुरंत चार दिशा में काम शुरू किया।

नए बाजार में पहुंच बनाने से लेकर देश की उत्पादन को बढ़ावा देने तक। सप्लाई चेन को मजबूत करने से लेकर ग्लोबल पार्टनर को मजबूत करने तक। भारत ने अपने सप्लाई लाइन को घुमा दिया। जो जहाज पहले अमेरिका जाते थे। वही जहाज अब यूरोप, अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और रूस की ओर निकल पड़े हैं। सन फॉर्मा, डॉक्टर रेडीज, सिप्ला और लुपिन जैसी भारतीय कंपनियां अब सीधे अफ्रीका, रूस और साउथ अमेरिका में दवाओं की सप्लाई करने उतर चुके हैं। यानी अमेरिका की बंद दीवार के सामने भारत ने नए दरवाजे खोल दिए हैं। अमेरिका ने जब भारत पर टैरिफ लगाया, चाल चली तो बाकी दुनिया ने भारत को गले लगा लिया। सबसे पहले भारत के यार रूस, फिर यूरोप और अब अफ्रीका ने भारत के साथ नई डील साइन कर ली। फ्रांस, जर्मनी, ब्राजील, मिस्र और इंडोनेशिया ने तो यहां तक कह दिया कि अगर दवा चाहिए तो रास्ता नई दिल्ली से होकर जाएगा। भारत की दवा कंपनियों ने अपनी क्षमता बढ़ा ली। डॉ रेड्डीज़ लैबोरेटरीज ने अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी डॉ रेड्डीज़ लैबोरेटरीज एलएलसी, रूस (डीआरएल रूस) में 565 करोड़ का निवेश किया और 45.19 प्रतिशत इक्विटी हिस्सेदारी हासिल की। यह लेन-देन हैदराबाद स्थित कंपनी के बोर्ड द्वारा नवंबर 2024 में रूसी शाखा में 600 करोड़ तक निवेश करने के निर्णय का परिणाम है। बीएसई को सूचित किया गया कि यह निवेश 25 जुलाई, 2025 को नकद भुगतान पर पूरा हुआ। कंपनी द्वारा डीआरएल रूस में निवेशित धनराशि का उपयोग कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं के लिए किया जाएगा।

1 जुलाई, 2017 को भारत में दशकों का सबसे साहसिक आर्थिक सुधार हुआ। मानसून की उस एक सुबह, वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) ने 17 अलग-अलग करों और 13 उपकरों को एक एकीकृत ढांचे के साथ बदल दिया, जिससे मूल रूप से देश की राजकोषीय संरचना को नया आकार मिला। यह केवल एक कर सुधार नहीं था, यह एक राष्ट्र, एक कर, एक बाजार की ओर भारत की साहसिक यात्रा की शुरुआत थी। आठ साल बाद अब यह परिवर्तन किसी असाधारण घटना से कम नहीं लगता है। कर संग्रह 2017-2018 के 7.19 लाख करोड़ रुपये से तीन गुना बढ़कर 2024-2025 में 22.08 लाख करोड़ रुपये की रिकॉर्ड वृद्धि के साथ तीन गुना हो गया है।

जीएसटी 2.0 - भारत के वस्त्र क्षेत्र के सपनों को वास्तविकता में बदलने परिवर्तन का एक सूत्र

(गिरिराज सिंह, केंद्रीय मंत्री)

घरों में दैनिक आवश्यकताओं की वस्तुएं, दवाओं और शिक्षा सामग्री की आपूर्ति पर 0 से 5 प्रतिशत के बीच कर लगने से परिवारों को अधिक बचत होगी, जबकि किसानों को ट्रैक्टरों, टायरों, कीटनाशकों और सिंचाई उपकरणों पर कम जीएसटी लगने से अधिक लाभ प्राप्त होगा जिससे इनपुट लागत में कमी आएगी और ग्रामीण आय में वृद्धि होगी। इसके साथ ही ऑटो सेक्टर को भी इससे बड़ी राहत मिली है क्योंकि स्कूटर और कारों पर जीएसटी 28 प्रतिशत से घटकर 18 प्रतिशत हो गया है। अब 2,500 रुपये तक की कीमत वाले (पहले 1,000 रुपये) रेडीमेड कपड़ों पर भी केवल 5 प्रतिशत जीएसटी लगेगा। मैंने एक कॉलेज छात्र से बातचीत की और जब उससे कपड़ों के बारे में पूछा तो उसने कहा, अब त्योहारों की खरीदारी ने मेरी जेब पर पड़ने वाले बोझ को बहुत कम कर दिया है। अब उसी बजट से मैंने एक की बजाय दो ट्रेंडी शर्ट खरीदीं हैं। मुझे जीएसटी स्लैब के बारे में ज्यादा जानकारी तो नहीं है, लेकिन मुझे पता है कि अब कपड़े खरीदना अधिक सस्ता हो गया है। इसके विपरीत, पान मसाला, तंबाकू, ऑनलाइन गेम्स, लग्जरी एसयूवी और कैसिनो जैसे लग्जरी और डिमेरिट सामान अब 40 प्रतिशत स्लैब के अंतर्गत आते हैं। इस सुधार ने 'फिट इंडिया, हेल्दी इंडिया' के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करते हुए उत्तरदायी उपभोग को बढ़ावा दिया है, जो बचत का एक वास्तविक स्वरूप है।

और जैसे इन सुधारों से परिवारों, किसानों और उद्योगों को राहत मिलती है, वैसे ही ये हमारे वस्त्र क्षेत्र को भी नई ताकत देते हैं। जीएसटी 2.0 वस्त्र उद्योग के पूर्ण परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त करता है, जो कृषि के बाद दूसरा सबसे बड़ा रोजगार उपलब्ध कराने वाला क्षेत्र है और आत्मनिर्भर भारत का एक जीवंत उदाहरण है। जीएसटी 2.0, 350 बिलियन डॉलर के वस्त्र उद्योग को नई ऊर्जा प्रदान कर रहा है।

भारत में वस्त्र उद्योग बहुत बड़ा है, जो आजीविका और निर्यात दोनों को प्रभावित करता है। आज, इस उद्योग का आकार 179 बिलियन डॉलर है और यह 4.6 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार देता है, जिनमें से अधिकांश महिलाएं हैं। अब सरकार का लक्ष्य 2030 तक इस उद्योग के आकार को लगभग दोगुना करके 350 बिलियन डॉलर करना है, जिससे देश भर के परिवारों के लिए रोजगार और आय के और भी अधिक और नए अवसर पैदा होंगे।

भारत का संगठित घरेलू वस्त्र बाजार लगभग 142 से 145 बिलियन डॉलर का है और जब हम इसमें बड़े पैमाने पर असंगठित क्षेत्र को शामिल करते हैं, तो यह 155 से 160 बिलियन डॉलर के करीब हो जाता है। करों की दर को युक्ति संगत बनाने जैसे अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों की शुरुआत के साथ एवं फाइबर-तटस्थ व्यवस्था को अपना कर निर्माता अब बचत का लाभ सीधे खरीददारों को दे सकते हैं। उपभोक्ताओं, विशेषकर मध्यम वर्ग के परिवारों के लिए, जिनका 2047 तक भारत के लक्षित उपभोक्ता आधार का 60 प्रतिशत बनाने की उम्मीद है उनके लिए ये सुधार सबसे बड़ा लाभ लाएंगे। निम्न आय समूहों के साथ मिलकर, स्थानीय उद्योग को समर्थन देते हुए आवश्यक वस्त्रों के अधिक किफायती बनने से हर साल लगभग 8 से 10 बिलियन डॉलर की बचत होने का अनुमान है। ये सुधार कीमतों को कम करने से कहीं बढ़ कर है और यह सही मायनों में फैशन को और अधिक लोकप्रिय बनाने का प्रतिनिधित्व करता है।

वस्त्र क्षेत्र के लिए जीएसटी 2.0 के सबसे बड़े बदलावों में से एक लंबे समय से चले आ रहे इनवर्टेड ड्यूटी स्ट्रक्चर को ठीक करना है, जिसने मानव निर्मित फाइबर क्षेत्र को कमजोर कर दिया था। इससे पहले, मानव निर्मित रेशों पर 18 प्रतिशत, सूत पर 12 प्रतिशत और कपड़ों पर केवल 5 प्रतिशत कर लगाया जाता था। इस संरचना ने कच्चे माल को तैयार उत्पादों की तुलना में महंगा बना दिया, जिससे कार्यशील पूंजी अवरुद्ध हो गई और नया निवेश बाधित हुआ। जीएसटी 2.0 में अब मानव निर्मित क्षेत्र में एक समान 5 प्रतिशत कर है, जो सही अर्थों में फाइबर तटस्थ इकोसिस्टम सृजित कर रहा है। लाखों एमएसएमई के लिए, जो भारत के वस्त्र उद्योग का लगभग 80 प्रतिशत हिस्सा हैं, यह एक बड़ी राहत है। यह मानव निर्मित फाइबर क्षेत्र के लिए वैश्विक केंद्र बनने की भारत की महत्वाकांक्षा को मजबूत करता है और प्रतिवर्ष उत्पादित 22,000 मिलियन परिधानों को कम इनपुट लागत, बढ़ी हुई प्रतिस्पर्धा और अधिक बाजार मांग के साथ निर्मित करने में सक्षम बनाता है। यह सुधार न केवल कपड़ों को सस्ता बनाएगा और निर्यात को बढ़ावा देगा, बल्कि मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत के सपने को भी मजबूत करेगा, जो हमारी विरासत और विकास दोनों को आगे बढ़ाएगा। एक उदाहरण से इसे समझते हैं। इससे पहले सूरत में महिलाओं की सिलाई इकाई में मानव निर्मित फाइबर और धागे की लागत इतनी अधिक थी कि उनका लाभ मार्जिन कम हो जाता था और ऑर्डर अक्सर विदेशों में चले जाते थे। अब, जीएसटी 2.0 द्वारा करों को घटाकर एक समान 5 प्रतिशत करने के साथ, उनकी निवेश लागत कम हो गई है, वे अधिक ऑर्डर प्राप्त कर सकते हैं, उचित मजदूरी का भुगतान कर सकते हैं और यहां तक कि अपने व्यवसाय का विस्तार भी कर सकते हैं। इस तरह एक राष्ट्रीय सुधार सीधे आम श्रमिकों और परिवारों के जीवन को प्रभावित करता है। यह लाभ यहीं खत्म नहीं होते। वाणिज्यिक माल वाहनों पर जीएसटी 28 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत तथा लॉजिस्टिक्स सेवाओं पर 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत करने से वस्त्र आपूर्ति श्रृंखला में परिवहन लागत कम हो जाती है। यह सीधे तौर पर पीएम गति शक्ति और राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति का सहयोग करता है और साथ ही वैश्विक बाजारों में भारतीय वस्त्र निर्यात को मजबूत बनाता है। जीएसटी 2.0 के सुधार एक साथ मिलकर वस्त्र मूल्य श्रृंखला के हर चरण को सशक्त बनाते हैं जैसे फाइबर बनाने से लेकर तैयार परिधान और विदेशी बाजार भेजने तक। इससे देश भर में विकास और रोजगार का सृजन होता है। जीएसटी 2.0 का आर्थिक प्रभाव आम परिवारों के रोजमर्रा के जीवन में महसूस किया जा रहा है। उद्योग जगत का अनुमान है कि इससे प्रत्यक्ष उपभोग में लगभग 1.98 लाख करोड़ रुपये की वृद्धि होगी, तथा दरों में कमी के कारण परिवारों को प्रतिवर्ष लगभग 48,000 करोड़ रुपये की बचत होगी। इसे परिप्रेक्ष्य में रखने के लिए, 2014 में यूपीए सरकार के तहत, दैनिक जरूरतों पर प्रति वर्ष 1 लाख रुपये खर्च करने वाले एक परिवार ने लगभग 25,000 रुपये कर का भुगतान किया था। जीएसटी और जीएसटी 2.0 के बाद आज वही परिवार लगभग 5,000 रुपये से 6,000 रुपये का कर भुगतान करता है। यानी हर साल लगभग 20,000 रुपये की बचत होती है और यह पैसा बच्चों की शिक्षा, बेहतर पोषण और परिवार के कल्याण के लिए वापस परिवार के पास जाता है। आयकर छूट के साथ मिलकर सभी भारतीय परिवारों के प्रतिवर्ष लगभग 2.5 लाख करोड़ रुपये की बचत का अनुमान है। छोटे शहरों और गांवों में इसका प्रभाव और भी अधिक महत्वपूर्ण है, जहां भारत की लगभग 63 प्रतिशत आबादी रहती है।

बेगूसराय में बाजारों की अपनी हाल के दिनों की यात्रा के दौरान, मैंने जीएसटी सुधारों के सकारात्मक प्रभाव को देखा। खुदरा विक्रेताओं ने कम दरों को ले कर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की और ग्राहकों में इन सुधारों को ले कर उत्साह साफ झलक रहा था, क्योंकि त्योहारों के इस मौसम में खरीदारी करने के लिए ग्राहक बड़ी संख्या में आ रहे हैं। बाजारों में ग्राहकों की बढ़ती भीड़ से स्पष्ट है कि ये सुधार किस प्रकार एक जीवंत और सकारात्मक आर्थिक वातावरण का निर्माण कर रहे हैं, जो परिवारों और व्यवसायों दोनों के लिए वास्तविक लाभ है। मासिक जीएसटी संग्रह जो वित्त वर्ष 2024-25 में 1.85 लाख करोड़ रुपये को पार कर गया था, अब लगातार 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक होने का अनुमान है। इन सुधारों से न केवल नागरिकों पर वित्तीय बोझ कम हो रहा है, तथा इन कम दरों पर भी राजस्व में वृद्धि जारी रहेगी। यह एक दुर्लभ अवसर है, जहां सुधार जन-केंद्रित और वित्तीय रूप से सुदृढ़ हैं, जो परिवारों को मजबूत बनाते हुए भारत के आर्थिक भविष्य को सुरक्षित कर रहे हैं। जीएसटी 2.0 के वस्त्र क्षेत्र के सुधार सिर्फ आर्थिक परिवर्तन से कहीं अधिक हैं, वे समावेशी विकास के बारे में हैं, जिनका सीधा प्रभाव पूरे भारत के 65 लाख बुनकरों और कारीगरों पर पड़ रहा है। इससे न केवल भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने में मदद मिलती है बल्कि इस क्षेत्र में काम करने वाली लाखों महिलाओं की आजीविका को भी सहारा मिलता है। हथकरघा, हस्तशिल्प और कालीन पर जीएसटी को 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत करने से यह पारंपरिक उत्पाद अब भारतीय और वैश्विक दोनों बाजारों में अधिक प्रतिस्पर्धी हो गए हैं। साथ ही, सिलाई मशीनों पर जीएसटी को 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत करना भारत के महिला प्रधान वस्त्र क्षेत्र को प्रत्यक्ष प्रोत्साहन दे रहा है। पिछले दशक में ग्रामीण आय और व्यय दोगुना से अधिक हो गया है, जो 2011-12 के 1,430 रुपये प्रति माह से बढ़कर 2023-24 में 4,122 रुपये हो गया है। जीएसटी 2.0 के साथ, इस बढ़ती क्रय शक्ति से सीधे भारतीय निर्मित कपड़ों की मांग तेज होगी, जिससे बुनकरों, दर्जनों और परिधान कामगारों के लिए अधिक कार्य सृजित होंगे और इससे विकास का एक चक्र उत्पन्न होगा जिससे समाज का प्रत्येक वर्ग लाभान्वित होगा। हाल ही में एक कार्यक्रम में, मेरी मुलाकात कई स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) दीदियों से हुई, जिन्होंने अपनी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार ने पहले उन्हें लखपति दीदी बनाकर उन्हें सशक्त बनाया और अब जीएसटी सुधारों के माध्यम से आवश्यक वस्तुओं को अधिक किफायती बनाकर तथा आयकर सुधारों के माध्यम से उनके कर के बोझ को कम किया है। उन्होंने कहा कि इस बार की दिवाली उनके परिवारों के लिए अधिक उपहार और आनंदमय उत्सव के साथ वास्तविक खुशी ले कर आई है। ये सुधार अर्थव्यवस्था को तेज गति दे रहे हैं, आय बढ़ा रहे हैं और कर का बोझ कम कर रहे हैं। ऐसे समय में जब भारत तेजी से आत्मनिर्भरता की तरफ कदम बढ़ा रहा है तब हथकरघा और हस्तशिल्प क्षेत्र, हमारी स्वयं सहायता समूह दीदियों के साथ मिलकर वोकल फॉर लोकल और स्वदेशी आंदोलन की आत्मा के रूप में खड़ा है। हमारे कारीगर और बुनकर केवल इन परंपराओं को संरक्षित ही नहीं कर रहे हैं बल्कि वे आत्मनिर्भर भारत की ओर देश की यात्रा का वास्तविक आधार भी हैं। जैसे-जैसे भारत अमृतकाल में प्रवेश करते हुए 2047 की तरफ आगे बढ़ रहा है, जीएसटी 2.0 केवल कर सुधार के रूप में ही नहीं, बल्कि विकसित भारत के लिए विकास की रणनीति के रूप में भी हमारे सामने खड़ा है। टैक्स स्लैब को सरल बना कर, आम जन के पारिवारिक खर्चों को कम करके, किसानों को सशक्त बनाकर, एमएसएमई को सहायता प्रदान करके और वस्त्र जैसे श्रम-गहन उद्योगों को पुनर्जीवित करने से ले कर यह जीवन की सुगमता और व्यापार करने में आसानी दोनों को मजबूत करता है। फाइबर-न्यूट्रल जीएसटी विशेष रूप से परिवर्तनकारी है, जो मानव निर्मित और प्राकृतिक वस्त्रों में नई वृद्धि को बढ़ावा देगा, इसके साथ ही भारत को वैश्विक बाजार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने, लाखों नए रोजगार सृजित करने और परिधान तथा घरेलू साज-सज्जा के क्षेत्र में एक सच्चे वैश्विक अग्रज के रूप में उभरने में सक्षम बनाएगा।

आज भी मनुष्यता का दीपक जलाती है वाल्मीकि की वाणी

(योगेश कुमार गोयल)

अश्विन मास की पूर्णिमा के दिन 'रामायण' के रचयिता महर्षि वाल्मीकि के अनुपम संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए प्रतिवर्ष महर्षि वाल्मीकि जयंती मनाई जाती है और इस वर्ष वाल्मीकि जयंती 7 अक्तूबर को मनाई जा रही है। मान्यता है कि महर्षि वाल्मीकि के सम्मान में उनकी जयंती रामायण काल से ही मनाई जा रही है। इस अवसर पर देशभर में कई प्रकार के सामाजिक तथा धार्मिक आयोजन किए जाते हैं। सनातन धर्म के प्रमुख ऋषियों में से एक महर्षि वाल्मीकि द्वारा संस्कृत भाषा में लिखी गई रामायण को सबसे प्राचीन माना जाता है और संस्कृत के प्रथम महाकाव्य 'रामायण' की रचना करने के कारण ही उन्हें 'आदिकवि' के नाम से भी जाना जाता है। वाल्मीकि द्वारा लिखी गई मोक्षदायिनी रामायण आज भी समूचे विश्व में वेद तुल्य विख्यात है, जो 21 भाषाओं में उपलब्ध है और सनातन धर्म मानने वालों के लिए पूजनीय है। रामायण ने देश को सांस्कृतिक एकता के सूत्र में बांधने का बहुत महत्वपूर्ण कार्य किया। राष्ट की अमूल्य निधि रामायण का एक-एक अक्षर अमरता का सूचक और महापाप का नाशक माना गया है। वाल्मीकि का रामायण महाकाव्य ज्ञान-विज्ञान, भाषा ज्ञान, ललित कला, ज्योतिष शास्त्र, आयुर्वेद, इतिहास और राजनीति का केन्द्रबिन्दु माना जाता है। यह महाकाव्य श्रीराम के जीवन के माध्यम से जीवन के सत्य और कर्तव्य से परिचित कराता है। रामायण में जिस प्रकार महर्षि वाल्मीकि ने कई स्थानों पर सूर्य, चंद्रमा तथा नक्षत्रों की सटीक गणना की है, उससे स्पष्ट है कि वे ऐसे परम ज्ञानी थे, जिन्हें ज्योतिष विद्या तथा खगोल शास्त्र का भी बहुत गहन ज्ञान था। रामायण को वैदिक जगत का सर्वप्रथम काव्य माना जाता है, जिसमें कुल चौबीस हजार श्लोक है। माना जाता है कि महर्षि वाल्मीकि ने ही इस दुनिया में पहले श्लोक की रचना की थी, जो संस्कृत भाषा का जन्मदाता है। विभिन्न पौराणिक कथाओं में वर्णित है कि महर्षि वाल्मीकि बनने से पहले उनका नाम रत्नाकर था, जो अपने परिवार का पेट पालने के लिए लोगों को लूटा करते थे। निर्जन वन में एक बार उनकी भेंट नारद मुनि से हुई तो नारद को बंदी बनाकर रत्नाकर ने उन्हें भी लूटने का प्रयास किया। तब नारद जी ने पूछा कि तुम ऐसा निंदनीय कार्य आखिर करते क्यों हो? रत्नाकर ने उत्तर दिया, अपने परिवार का पेट भरने के लिए। तब नारद मुनि जी ने उनसे पूछा कि जिस परिवार के लिए तुम इतने पाप कर्म करते हो, क्या वह तुम्हारे इस पाप कार्य में भागीदार बनने के लिए तैयार होंगे? इसका उत्तर जानने के लिए रत्नाकर नारद मुनि को पेड़ से बांधकर घर पहुंचे और एक-एक कर परिवार के सभी सदस्यों से पूछा कि मैं डाकू बनकर लोगों को लूटने का जो पाप करता हूं, क्या तुम उस पाप में मेरे साथ हो? परिवार के सभी सदस्यों ने कहा कि आप इस परिवार के पालक हैं, इसलिए परिवार का पेट भरना तो आपका कर्तव्य है, इस पाप में हमारा कोई हिस्सा नही है। सभी का एक ही उत्तर सुनकर रत्नाकर बहुत उदास हुए और नारद मुनि के पास पहुंचकर उनके पैरों में गिर पड़े। तब नारद मुनि ने रत्नाकर को सत्य और धर्म के मार्ग पर चलने का ज्ञान दिया। रत्नाकर ने उनसे अपने पापों का प्रायश्चित करने का उपाय पूछा तो नारद मुनि ने उन्हें 'राम' नाम जपने की सलाह दी लेकिन रत्नाकर ने कहा कि मुनिवर! मैंने जीवन में इतने पाप किए हैं कि मेरे मुख से राम नाम का जाप नहीं हो पा रहा है। नारद मुनि ने उन्हें 'मरा-मरा' का जाप करने को कहा और इस प्रकार 'मरा-मरा' का जाप करते-करते रत्नाकर के मुख से अपने आप 'राम' नाम का जाप होने लगा। राम नाम में वह इस कदर लीन हो गए कि एक तपस्वी के रूप में ध्यानमग्न होकर वर्षों तक घोर तपस्या करने के कारण उनके शरीर पर चीटियों की बांबी लग गई। ऐसी कठोर तपस्या के बाद उन्हें ज्ञान की प्राप्ति हुई और वे रत्नाकर से महर्षि वाल्मीकि बन गए। पौराणिक आख्यानों में यह उल्लेख भी मिलता है कि जब भगवान श्रीराम ने माता सीता का त्याग कर दिया था, तब माता सीता ने महर्षि वाल्मीकि के आश्रम में ही वनदेवी के नाम से निवास किया था और वहीं लव-कुश को जन्म दिया था, जिन्हें महर्षि वाल्मिकी द्वारा ज्ञान दिया गया। पहली बार सम्पूर्ण रामकथा लव-कुश ने ही भगवान श्रीराम को सुनाई थी। यही कारण है कि वाल्मिकी कृत रामायण में लव-कुश के जन्म के बाद का वृतांत भी मिलता है। बहरहाल, महर्षि वाल्मीकि के जीवन से यह सीख मिलती है कि जीवन की नई शुरूआत करने के लिए किसी खास समय या अवसर की आवश्यकता नहीं होती बल्कि इसके लिए आवश्यकता होती है केवल सत्य और धर्म को अपनाने की। उनका जीवन बुरे कर्मों को त्यागकर अच्छे कर्मों और भक्ति की राह पर अग्रसर होने की राह दिखलाता है। महर्षि वाल्मीकि का जीवन समस्त मानव जाति को यही शिक्षा देता है कि मनुष्य के जीवन में कितनी भी कठिनाइयां क्यों न हों, यदि वह चाहे तो अपनी हिम्मत, हौंसले और मानसिक शक्ति के बल पर तमाम बाधाओं को पार कर सकता है। **(लेखक 35 वर्षों से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)**

मुंशी प्रेमचंद : हिंदी साहित्य का महानायक, गरीबों की आवाज

उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद की पुण्यतिथि 8 अक्टूबर पर विशेष आलेख...

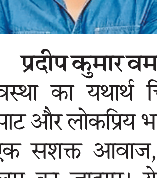

प्रदीप कुमार वर्मा

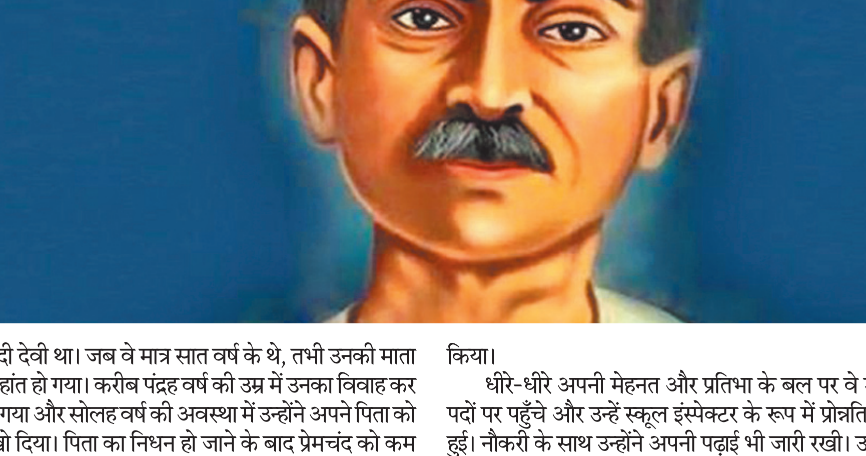

सामाजिक व्यवस्था का यथार्थ चित्रण करने वाला कलमकार, सीधी सपाट और लोकप्रिय भाषा शैली, समाज में गरीब- गुरबों की एक सशक्त आवाज, हिंदी साहित्य का महानायक और कलम का जादूगर। ये सभी उपमा और अलंकार उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद को समर्पित है। मुंशी प्रेमचंद ने अपनी साहित्यिक यात्रा के दौरान समाज के गरीब, पिछड़े, महिला, साहूकार तथा खेती किसानी को अपना विषय बनाया और इन विषयों से संबंधित पात्रों को बड़ी बखूबी से साहित्य विधा में साकार रूप दिया। कई दशकों पूर्व मुंशी प्रेमचंद की यह साहसिक साहित्यिक यात्रा और उनका संदेश आज भी प्रासंगिक है और आज भी सामाजिक ताने-बाने में मुंशी प्रेमचंद की कलम की धमक सुनाई पड़ती है। आज हम साहित्य को समर्पित ऐसे ही साहित्यकार मुंशी प्रेमचंद की पुण्यतिथि मना रहे हैं। उन्होंने मुख्य रूप से उपन्यास, कहानी, नाटक और लेख लिखे, और समाज के शोषित वर्गों, विशेषकर किसानों और महिलाओं की समस्याओं और पीड़ा को अपनी रचनाओं में जीवंत किया। हिन्दी साहित्य के युगांतरकारी लेखक मुंशी प्रेमचंद का जन्म 31 जुलाई 1880 को उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले स्थित लमही गाँव में एक कायस्थ परिवार में हुआ था। उनका असली नाम धनपत राय श्रीवास्तव था किंतु साहित्य जगत में वे प्रेमचंद नाम से विख्यात हुए। उनके पिता मुंशी अजायबराय डाक विभाग में कार्यरत थे और माता का नाम आनंदी देवी था। जब वे मात्र सात वर्ष के थे, तभी उनकी माता का देहांत हो गया। करीब पंद्रह वर्ष की उम्र में उनका विवाह कर दिया गया और सोलह वर्ष की अवस्था में उन्होंने अपने पिता को भी खो दिया। पिता का निधन हो जाने के बाद प्रेमचंद को कम उम्र में ही स्कूल छोड़ना पड़ा और परिवार को चलाने के लिए काम करना शुरू कर दिया। वर्ष 1898 में मैट्रिक परीक्षा उत्तीर्ण की। प्रेमचंद ने अपने जीवन की शुरुआत एक अध्यापक के रूप में की। उन्हें मात्र 18 रुपए मासिक वेतन पर पहली नौकरी मिली। प्रारंभ में उन्होंने बहराइच, गोरखपुर, कानपुर और इलाहाबाद जैसे विभिन्न शहरों के स्कूलों में अध्यापन कार्य किया।

धीरे-धीरे अपनी मेहनत और प्रतिभा के बल पर वे उच्च पदों पर पहुँचे और उन्हें स्कूल इंस्पेक्टर के रूप में प्रोन्नति प्राप्त हुई। नौकरी के साथ उन्होंने अपनी पढ़ाई भी जारी रखी। उन्होंने अंग्रेज़ी, दर्शन, फारसी और इतिहास विषयों के साथ इंटरमीडिएट किया और इसके बाद वर्ष 1919 में बीए की डिग्री प्राप्त की। वर्ष 1921 में जब महात्मा गांधी ने असहयोग आंदोलन के तहत सरकारी नौकरियाँ छोड़ने का आह्वान किया। तब प्रेमचंद ने भी 23 जून 1921 को अपने पद से त्यागपत्र दे दिया और साहित्य को अपना जीवन-ध्येय बना लिया। अपने साहित्य सृजन के प्रारंभिक दौर में उन्होंने उर्दू में लिखना शुरू किया और तब प्रेमचंद का पहला उपन्यास मैना प्रकाशित हुआ लेकिन, प्रेमचंद को जल्द ही ऐसा महसूस हुआ कि हिंदी लोगों तक उनकी बात पहुंचाने के लिए उन्हें हिंदी में लिखना जरूरी है। इसलिए उन्होंने हिंदी में लिखना शुरू किया और तब से वह अपने कलम नाम 'प्रेमचंद' को अपने हिंदी साहित्य पर लिखने लगे।

उनका पहला हिंदी उपन्यास सेवासदन वर्ष 1918 में लिखा गया जिसने उन्हें साहित्यिक जगत में खासी लोकप्रियता दिलाई। उनकी यह कृति उस समय के भारतीय समाज में मौजूद सामाजिक बुराइयों, जैसे वेश्यावृत्ति और महिला उत्पीड़न, पर तीखी टिप्पणी करती है। उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद ने कई उपन्यास एवं कहानी तथा नाटक लिखे। उनके प्रमुख उपन्यास में सेवासदन, प्रेमाश्रम, रंगभूमि, प्रतिज्ञा, गबन, कर्मभूमि एवं गोदान शामिल हैं। वहीं, कहानी-संग्रह में सप्तसरोज, नवनिधि, समरयात्रा एवं मानसरोवर प्रमुख हैं। मुंशी प्रेमचंद की चर्चित कहानियों में दो बैलों की कथा, ईदगाह, ठाकुर का कुआँ, पूस की रात, कफन, बूढ़ी काकी, पंच परमेश्वर, बड़े घर की बेटी, नमक का दारोगा, कर्मों का फल, बलिदान एवं शतरंज के खिलाड़ी प्रमुख हैं। उनके द्वारा लिखित नाटकों में संग्राम, कर्बला एवं बलिदान तथा बाल-साहित्य में रामकथा, कुत्ते की कहानी एवं मनमोदक खासी चर्चित हैं। मुंशी प्रेमचंद ने साहित्यिक सजन के साथ सामाजिक सुधारो के लिए बहुत काम किया।

उनके साहित्यिक योगदान को याद करें तो पता चलता है कि उन्होंने सरस्वती प्रेस की स्थापना से जुड़कर साहित्यिक प्रकाशन को बढ़ावा दिया। वहीं, 'हंस' और 'जागरण' पत्रिकाएँ निकालीं जिनके माध्यम से सामाजिक सुधार और राष्ट्रीय चेतना का प्रसार हुआ। प्रेमचंद ने अपने साहित्य के माध्यम से सामाजिक सुधार की आवश्यकता पर जोर दिया। वे समाज में हो रही कुरीतियों, अंधविश्वास और असमानताओं के खिलाफ थे। उनके लेखन में सामाजिक न्याय, समानता और मानवीय गरिमा के प्रति जागरूकता का संदेश मिलता है। प्रेमचंद ने अपने लेखन में किसानों और मजदूरों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। उनकी रचनाओं में मजदूर वर्ग के संघर्ष और शोषण का वास्तविक चित्रण है। उन्होंने समाज के निम्नवर्ग की आवाज को प्रमुखता दी और उनके अधिकारों की बात भी की। वर्ष 1936 में 8 अक्टूबर को महज 56 साल की आयु में उनका निधन हो गया। भारतीय डाक विभाग द्वारा 31 जुलाई 1980 को उनकी जन्मशती पर डाक टिकट जारी किया गया। इसके साथ ही उन्हें पद्म भूषण से भी सम्मानित किया गया। मुंशी प्रेमचंद ने अपनी प्रखर लेखनी के जरिए सामाजिक रूढ़ियों के खिलाफ आवाज उठाई। विवाह से संबंधित रूढ़ियों जैसे बहु विवाह, बेमेल विवाह, अभिभावक द्वारा आयोजित विवाह, दहेज प्रथा, विधवा विवाह, वृद्ध विवाह, बाल विवाह, पर्दा प्रथा, पतिव्रता धर्म के विषय में और सामाजिक कुरीतियों का विरोध किया। आर्थिक समस्या के बावजूद अतिथि सत्कार का उन्होंने पुरजोर विरोध किया। मुंशी प्रेमचंद का हिंदी साहित्य में सबसे बड़ा योगदान यथार्थवाद की नींव रखना और सामाजिक समस्याओं का चित्रण करना था। उन्होंने अपनी सरल भाषा के माध्यम से गरीबों, किसानों और मेहनतकश वर्ग के संघर्षों को अपनी रचनाओं में जीवंत किया। यही नहीं, उन्होंने कहानी और उपन्यास की एक नई परंपरा विकसित की जो आज भी साहित्यकारों का मार्गदर्शन करती है। उन्होंने अपने लेखन में मानवीयता, न्याय और समानता के मूल्यों को बढ़ावा दिया। यही वजह है कि मुंशी प्रेमचंद का साहित्य सर्जन वर्तमान में भी प्रासंगिक दिखाई पड़ता है।

New page 9_page 12 29.05.2025.qxd 08-10-2025 21:39 Page 1

माओवादी एरिया कमेटी के सदस्य ने किया आत्मसमर्पण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। जिला स्तरीय स्क्रीनिंग कमिटी के सदस्यों के समक्ष भाकपा माओवादी एरिया कमेटी सदस्य शिवलाल हेम्ब्रम उर्फ शिवा उम्र करीब 25 वर्ष पिता रामा हेम्ब्रम सा टेसाफुली, थाना मधुबन, जिला गिरिडीह एवं इनकी पत्नी दस्ता सदस्य भाकपा माओवादी सरिता हांसदा उर्फ उर्मिला उम्र करीब 19 वर्ष पिता स्व सोमरा हांसदा सा चतरो, थाना खुखरा, जिला गिरिडीह के द्वारा झारखण्ड सरकार के आत्मसमर्पण एवं पुर्नवास नीति ‘नई दिशा-एक नई पहल’ से प्रभावित होकर आत्मसमर्पण करने का निर्णय लिया गया। उक्त आलोक में शिवलाल हेम्ब्रम एवं सरिता हांसदा के द्वारा उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, गिरिडीह, पुलिस उप-महानिरीक्षक सीआरपीएफ, कमांडेंट-सीआरपीएफ154, अपर पुलिस अधीक्षक, अभियान गिरिडीह, अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी डुमरी एवं अन्य पुलिस पदाधिकारियों की उपस्थिति में आत्मसमर्पण किया। ताकि मुख्यधारा से जुड़कर झारखण्ड

सरकार द्वारा संचालित पुनर्वास नीति का लाभ प्राप्त कर पारिवारिक जीवन का आनंद ले सकें। आत्मसमर्पण करने वाले ने बताया कि वर्ष 2017 में नूनूचंद महतो के द्वारा संगठन में लाया गया। संगठन में ये नुनूचंद महतो के साथ ही रहने लगे। नूनूचंद महतो इन्हें रोज सुबह पीटी, ड्रिल करना एवं हथियार चलाना सीखाता था। इस दौरान ये पार्टी के अन्य सदस्यों के साथ भी क्षेत्र में भ्रमणशील रहे। वर्ष 2017 से 2020 तक नुनूचंद महतो इनके कमांडर थे और ये पार्टी में संतरी ड्यूटी एवं खाना बनाने का कार्य करते थे। 2020 में नुनूचन्द महतो के संगठन छोड़कर भाग जाने पर कृष्णा हांसदा इनका कमांडर बन गया। कुछ समय के बाद कृष्णा हांसदा के आदेशानुसार इन्हें करम दा उर्फ विवेक का अंगरक्षक बना दिया गया। इनके अलावा बिहार का रहने वाला सोपन भी करम दा उर्फ विवेक का अंगरक्षक था।

उसने बताया कि वर्ष 2022 में इन्हें पार्टी द्वारा एरिया कमेटी सदस्य बना दिया गया। ये लैपटॉप में करम दा उर्फ विवेक का चिट्ठी बनाने का भी काम करते थे। ये लोग अलग-अलग जगह से लूटे गये हथियार, गोली एवं विस्फोटकों को विभिन्न जंगलों में आमजनों एवं पुलिस बलों को लक्षित कर विध्वंसक कार्रवाई करने के लिये छुपा कर रखने का काम करते थे। पार्टी में रहते हुए इनके द्वारा पारसनाथ जोन क्षेत्र में संगठन के सदस्यों की उपस्थिति में लोगों में भय पैदा करना, लेवी प्राप्त करना तथा लेवी नहीं मिलने पर आमजनों एवं पुलिस बलो को लक्षित करने के उद्देश्य से कई घटनाओं को अंजाम दिया गया। पार्टी सिद्धांतों को मानने, खाना बनाने, लैपटॉप चलाने, चिट्ठी-पत्री भेजने तथा तन-मन लगाकर काम करने से इन्हें एरिया कमेटी सदस्य का कार्य सौंपा गया। जिससे ये पूरे निष्ठा एवं पार्टी के सिद्धांतों के अनुसार काम करने लगे एवं संगठन से लगातार जुड़े रहे। शुरूआत में पार्टी की नीति तथा काम स्पष्ट थी परन्तु धीरे-धीरे पार्टी के शीर्ष कमाण्डरों के द्वारा नीचे के कमाण्डर, एरिया कमेटी तथा दस्ता सदस्यों का भी शोषण किया जाने लगा एवं पार्टी कमाण्डरों के द्वारा अनावश्यक रूप से ग्रामीणों के साथ मारपीट तथा अमजनों को क्षति पहुँचाने वाले विध्वंसक कार्रवाई तथा इनकी पत्नी दस्ता सदस्य भाकपा माओवादी सरिता हांसदा उर्फ उर्मिला के साथ हो रहे अत्याचार से ये लोग काफी आहत हो गये थे। उसने बताया कि पुलिस द्वारा की जा रही चौतरफा कार्रवाई एवं संगठन के द्वारा शोषण से इनका घर परिवार पूरी तरह से टूट गया एवं करम दा जिनका ये बॉडीगार्ड थे के मारे जाने के उपरान्त इनदोनों का मनोबल नियमित रूप से गिरता गया तथा ये संगठन छोड़ने का मन बनाने लगे। परिवार के सदस्यों द्वारा भी इन्हे पार्टी छोड़ देने की सलाह दी गयी।

बैंकों की सीएसआर गतिविधियों को ले बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूँटी। समाहरणालय स्थित डीआरडीए सभागार में उप विकास आयुक्त आलोक कुमार की अध्यक्षता में जिले में कार्यरत सभी बैंकों के साथ कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य रूप से एसबीआई, बीओआई, आईसीआईसीआई, एचडीएफसी समेत कुल 20 बैंकों के प्रबंधक एवं प्रतिनिधि उपस्थित थे।

बैठक के दौरान सभी बैंकों से सीएसआर के तहत जिले में किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली गई। अधिकांश बैंकों द्वारा बताया गया कि उनके द्वारा जिले में हेल्थ कैम्प, ब्लड डोनेशन कैम्प जैसी सामाजिक गतिविधियाँ आयोजित की जा रही हैं। वहीं आईसीआईसीआई बैंक द्वारा बताया गया कि उनके द्वारा सीएसआर के अंतर्गत लाह की खेती एवं ड्रैगन फ्रूट की खेती को बढ़ावा देने का कार्य किया जा रहा है। एचडीएफसी बैंक ने

बताया की उनके द्वारा एक गांव को गोद लेकर आवश्यकता अनुसार विकास कार्य किया जा रहा है।

उप विकास आयुक्त ने कहा कि सभी बैंक अपने-अपने सीएसआर गतिविधियों के लिए जिला स्तर से प्रस्ताव तैयार कर रीजनल कार्यालय को प्रेषित करें। उन्होंने सुझाव दिया कि विद्यालयों में आवश्यकता अनुसार वॉटर प्यूरीफायर तथा आवासीय विद्यालयों में सोलर वॉटर हीटर की स्थापना जैसे प्रस्ताव तैयार किए जाएँ, ताकि सीएसआर राशि का सदुपयोग जनहित में किया जा सके। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि अगले माह दोबारा बैठक कर बैंकों द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की जाएगी। इस बैठक में जिला योजना पदाधिकारी, एलडीएम सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

रास्ता बंद करने का लोगों ने जताया विरोध

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक की अगुवाई में आज ग्रामीणों के साथ एक बैठक मुफस्सिल थाना क्षेत्र के जड़बाद में हुई। जिसमें वहां गिरिडीह-डुमरी रोड में एन.एच. किनारे एक सरकारी जमीन की घेराबंदी कर ग्रामीणों का रास्ता बंद किए जाने का विरोध करते हुए तत्काल उसे खाली कराने की मांग प्रशासन से की गई। इस बाबत ग्रामीणों द्वारा शिकायत किए जाने के बाद पूर्व जिप सदस्य एवं फॉरवर्ड ब्लॉक के जिला संयोजक राजेश यादव ने आज जड़बाद पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। ग्रामीणों ने उन्हें बताया कि, जड़बाद मौजा में एक सरकारी परती कदीम के रूप में दर्ज जमीन गिरिडीह के कुछ लोगों ने घेराबंदी कर ली है, जिससे ग्रामीणों का रास्ता तक बंद हो गया है। गिरिडीह के अंचल अधिकारी तथा जिला उपायुक्त को आवेदन देने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई है। ग्रामीणों की बातों को सुनने तथा स्थल देखने के बाद श्री यादव ने कहा कि, आज सरकारी जमीन खुलेआम लूटी जा रही है, प्रशासन को इसका संज्ञान लेना चाहिए। बैठक की अगुवाई फॉरवर्ड ब्लॉक नेता संजय यादव ने की। मौके पर स्थानीय अर्जुन प्रसाद यादव, नंदकिशोर यादव, पप्पू यादव, टिंकू यादव, राहुल यादव, रामदेव यादव, पोखन यादव, जानकी यादव, देवीलाल यादव, परिया यादव, बसंती देवी, गुड़िया देवी, मीना देवी सहित अन्य मौजूद थे।

उपायुक्त ने की कल्याण विभाग की योजनाओं की समीक्षा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूँटी। समाहरणालय स्थित सभागार में उपायुक्त आर. रॉनिटा की अध्यक्षता में आईटीडीए (समवर्ती आदिवासी विकास अभिकरण) एवं जिला कल्याण विभाग, खूंटी द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रगति को लेकर समीक्षा बैठक की गई। बैठक के दौरान उपायुक्त ने विभागों द्वारा संचालित योजनाओं – प्री-मैट्रिक एवं पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति, साइकिल वितरण योजना, कब्रिस्तान एवं सरना-मसना स्थल घेराबंदी, धूम कुड़िया भवन निर्माण, आदि आदर्श ग्राम योजना, प्रधानमंत्री जन मन योजना, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना, जीर्णोद्धार एवं निर्माण कार्य सहित अन्य महत्वपूर्ण कल्याणकारी योजनाओं की बिंदुवार समीक्षा की। इस दौरान उपायुक्त ने योजनाओं की वर्तमान स्थिति, लाभार्थियों तक

पहुंच, कार्यान्वयन प्रक्रिया एवं व्यावहारिक प्रगति की विस्तृत जानकारी ली।

उन्होंने निर्देश दिया कि सभी संबंधित पदाधिकारी योजनाओं के कार्यान्वयन में गति लाएं तथा निर्धारित समय-सीमा के भीतर सभी कार्यों को पूर्ण करना सुनिश्चित करें। योजनाओं के निष्पादन में पारदर्शिता एवं गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन पर विशेष बल देने के निर्देश दिए गए।

मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना के बेहतर संचालन पर जोर देते हुए उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को लाभुकों की पहचान, पात्रता सत्यापन एवं ऋण स्वीकृति से जुड़ी सभी प्रक्रियाओं को सरल एवं पारदर्शी बनाने को कहा।

उन्होंने प्रखंड विकास पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने प्रखंडों से लाभुकों की अद्यतन सूची उपलब्ध कराएं तथा योग्य लाभुकों को प्राथमिकता के आधार पर कियोस्क आवंटित करें, जिससे योजनाओं का प्रत्यक्ष लाभ पात्र लाभार्थियों को प्राप्त हो सके।

उपायुक्त ने विभिन्न विभागों के कार्यपालक अभियंताओं को निर्देशित किया कि वे सभी निर्माण एवं जीर्णोद्धार कार्यों को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूर्ण करें तथा गुणवत्ता मानकों का पूर्ण पालन सुनिश्चित करें।

उन्होंने कहा कि विकासात्मक परियोजनाओं के सफल क्रियान्वयन हेतु विभागों के बीच समन्वय अत्यंत आवश्यक है।

बैठक में परियोजना निदेशक आईटीडीए आलोक शिकारी कच्छप, जिला कल्याण पदाधिकारी प्रमोद राम, जिला शिक्षा अधीक्षक, भवन निर्माण निगम, पीएचईडी, विद्युत विभाग, एनआरईपी सहित विभिन्न विभागों के कार्यपालक अभियंता एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

नशा मुक्ति अभियान के तहत नुक्कड़ नाटक का मंचन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। डीएवी पब्लिक स्कूल, सीसीएल के प्रांगण में विद्यालय के बच्चों ने झारखंड शिक्षा परियोजना,झारखंड सरकार के तत्वाधान में नशा मुक्ति अभियान के तहत नशा के दुष्प्रभाव के प्रचार के लिए नुक्कड़ नाटक का मंचन वरिष्ठ शिक्षक विजय कुमार पाठक के निर्देशन में किया। बच्चों ने नुक्कड़ नाटक में नशा के दुष्प्रभाव का जीवंत प्रदर्शन किया। इस नुक्कड़ नाटक के माध्यम से यह दिखाया गया कि कैसे नशा कर दुष्प्रभाव मानव जीवन को कष्टकारी बनाते हुए धीरे धीरे समाप्त कर रहा है। नुक्कड़ नाटक में अभिनय करने वाले बच्चों में सारा खान, चाहत सिंह, श्रुति कुमारी, स्वाति कुमारी,समृद्धि सिन्हा,रागनी विश्वकर्मा, अर्पित सिन्हा,जानवी भदानी, शासी कुमारी और रेखा कुमारी मुख्य रूप से शामिल रही। इस अवसर पर प्राचार्य ओमप्रकाश गोयल ने कहा कि नशा,नाश का कारण होता है इसलिए इससे जितनी दूरी हो सके बना कर रहना चाहिए।

पंचायत उन्नति सूचकांक विषय पर जिलास्तरीय प्रसार कार्यशाला

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूँटी। पंचायती राज विभाग द्वारा आज गोल्डन पैलेस स्थित सभागार में पंचायत उन्नति सूचकांक विषय पर जिलास्तरीय प्रसार कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ उप विकास आयुक्त आलोक कुमार संग जिला पंचायती राज पदाधिकारी डॉ. शिशिर कुमार सिंह, प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं उपस्थित अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

स्वागत संबोधन देते हुए जिला पंचायती राज पदाधिकारी ने अतिथियों का स्वागत किया एवं कार्यक्रम के उद्देश्यों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पंचायत उन्नति सूचकांक 1.0 में गांव और पंचायत में किए गए अच्छे कार्यों को लेकर खूँटी जिला को राज्य में दूसरा स्थान मिला है। इसी प्रकार हमें पीएआई 2.0 में भी अच्छा कार्य करते हुए खूँटी जिले को प्रथम स्थान पर रखना है, उन्होंने पंचायत स्तर पर आवश्यकतओं को ध्यान में रखकर डेटा का संकलन कर पोर्टल पर दर्ज करने पर बल दिया, जिससे राज्य स्तर पर उपलब्धियां दर्ज हो सकें।

कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त ने अपने संबोधन में कहा कि पंचायत उन्नति सूचकांक 1.0 की तरह हीं पीएआई 2.0 पंचायतों के प्रदर्शन का आकलन कर सही दिशा में सुधारात्मक कदम उठाने का माध्यम है। उन्होंने पदाधिकारियों, कर्मियों एवं अन्य द्वारा किए जा रहे कर्यों का सही और अद्यतन डेटा उपलब्ध कराने और उसे नियमित रूप से पोर्टल पर दर्ज करने को कहा। पीएआई 1.0 में खूँटी को राज्य में मिले दूसरा स्थान को लेकर उप विकास आयुक्त ने बधाई देते हुए आपसी समन्वय के साथ पीएआई 2.0 में और बेहतर करने की अपील की।

इस अवसर पर विभिन्न पंचायतों

एवं प्रखंड स्तर पर उत्कृष्ट योगदान देने वाले पदाधिकारियों एवं प्रखंड विकास पदाधिकारियों को सम्मानित किया गया, जिनमें जिला पंचायत राज पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी खूँटी, मुरहू, रनियां एवं तोरपा, डीपीएम समेत अन्य शामिल हैं।

कार्यक्रम में सीएससी मैनेजर समेत अन्य विशेषज्ञों द्वारा प्रेजेंटेशन के माध्यम से पीएआई 2.0 की अवधारणा, विभिन्न सूचकांक क्षेत्रों, आंकड़ों की प्रविष्टि एवं सत्यापन प्रक्रिया, जिले के प्रदर्शन, स्वस्थ एवं सुशासित पंचायत, बेस्ट परफॉर्मिंग पंचायत, स्वच्छ एवं हरित पंचायत आदि विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, पंचायत प्रतिनिधि, जेई एवं अन्य संबंधित उपस्थित रहे।

ट्रेन से कटकर युवक की मौत

दुमका। जिले के हंसडीहा-मोहनपुर रेलखंड पर बुधवार को एक दर्दनाक हादसा हुआ, जिसमें एक युवक की मौत हो गई। यह घटना सरैयाहाट थाना क्षेत्र के बाराटांड़ गांव के समीप हुई, जहां दिल्ली-गोड्डा एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आने से 28 वर्षीय युवक रामविलास शर्मा की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक इसी थाना क्षेत्र के पोड़ेजोर गांव का निवासी बताया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार, रामविलास जन्म से ही गूंगा और बहरा था। बुधवार को वह अपने पशुओं को चराने के लिए रेललाइन के पास गया हुआ था। इसी दौरान दिल्ली-गोड्डा एक्सप्रेस वहां से गुजर रही थी। अनजाने में रामविलास ट्रेन की चपेट में आ गया। हादसा इतना भीषण था कि उसका शव कई टुकड़ों में बंट गया।

आसपास मौजूद लोगों ने बताया कि ट्रेन चालक ने काफी देर तक हॉर्न बजाया और गति भी धीमी कर दी थी, लेकिन युवक सुन नहीं पाने के कारण हॉर्न नहीं सुन सका और हादसे का शिकार हो गया।

तीन दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। आज देवरी प्रखण्ड के बरजोडीह फुटबॉल मैदान में तीन दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। जिसमें आज फाइनल मैच में किस्कू ब्रदर्स की टीम और बेड बौय की टीम के योद्धाओं के बीच फाइनल मुकाबले में किस्कू ब्रदर्स की टीम ने बेड बौय की टीम को शून्य के मुकाबले एक बॉल से शिकस्त देकर शानदार जीत हासिल की। फाइनल मैच का खिताब जीता इस महत्वपूर्ण खेल में खिलाड़ियों की प्रतिभा और काबिलियत को जिला अध्यक्ष इरफान आलम ने सराहा और कहा कि फुटबॉल शारीरिक, मानसिक और आपसी सौहार्द का वातावरण तैयार करने में मदद करती है।

उन्होंने कहा कि खेल जगत में खिलाड़ियों की प्रतिभा निखारने में फुटबॉल प्रतियोगिता प्रतिपादन अग्रणी भूमिका निभाते हुए अपने देश और

समाज का नाम रौशन करते हैं। प्रतियोगिता में मुख्यातिथि राजद के जिला अध्यक्ष इरफान आलम बेड़ोडीह पंचायत के मुखिया अशोक कुमार लाला, माले के प्रखंड सचिव मुस्तकीम अंसारी, कमल क्लब के अध्यक्ष रामनारायण दास,एमडी जाकिर हुसैन अंसारी, समाज सेवी सुखदेव हाजरा, मंजूर अंसारी, लाल मोहम्मद, बिनोद टुडू, बार्नेस मुर्मू, अकबर अंसारी, नरेश तुरी, इशाक अंसारी, कॉमेंटेटर गोपाल कुमार, बलदेव टुडू, कृष्णा मुरारी तिवारी, जेएमएम के शमीम अंसारी, ज्योति सोरेन, नेहा टुडू, मुस्लिम अंसारी, सिराज अंसारी सहित सैकड़ों लोगों ने फुटबॉल प्रतियोगिता का आनंद उठाया साथ ही इस प्रतियोगिता प्रतिपादन के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया था जिसमें लड़कियों के रिकॉर्डिंग डांस का भी दर्शकों ने बेहतर लुत्फ उठाया विजेता टीम के खिलाड़ियों को गोल्ड मेडल से सम्मानित जिला अध्यक्ष इरफान आलम, मुखिया अशोक कुमार लाला, समेत अनेक अतिथियों के द्वारा पारितोषिक वितरण किया गया।

गुवा डाकघर में बड़ा वित्तीय घोटाला उजागर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूम। जिले के गुवा डाकघर में बड़ा वित्तीय घोटाला उजागर हुआ है। डाक विभाग के पूर्व उप डाकपाल विकास चंद्र कुलिला (46) को पुलिस ने करीब 50 लाख रुपये की फर्जी निकासी के मामले में गिरफ्तार किया है। आरोप है कि आरोपी ने डाकघर की बचत योजनाओं में जमा खाताधारकों की राशि का दुरुपयोग करते हुए भारी रकम निकाल ली और उसे ऑनलाइन व स्थानीय जुए में गंवा दिया।

पुलिस जांच के अनुसार यह फर्जीवाड़ा 1 फरवरी 2023 से 19 जून 2025 के बीच हुआ, जिसमें आरोपी ने कुल 50,56,473 रुपये की गबन की। मामले का खुलासा तब हुआ जब कई खाताधारकों ने अपने खातों से रकम गायब होने की शिकायत की। डाक निरीक्षक सुमन कुमार सांमता की लिखित शिकायत पर गुवा थाना में कांड संख्या 34/2025 दर्ज की गई। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी ने यह रकम ऑनलाइन जुए के प्लेटफॉर्म डेल्टा एक्सचेंज और धूम 999 कैसीनो पर हार दी। इसके अलावा, वह स्थानीय जुआ अड्डों में भी नियमित रूप से बड़ी रकम लगाता था।

पुलिस ने आरोपी के एसबीआई और डाकघर खातों की जांच में असामान्य व भारी लेनदेन के प्रमाण पाए हैं। पश्चिमी सिंहभूम के एसपी के निर्देश पर किरीबुरू के एसडीपीओ अजय केरकेट्टा के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। टीम ने आरोपी के टुंगरी स्थित आवास पर छापेमारी कर उसे उसकी पत्नी और दो स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में गिरफ्तार किया।

पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि फर्जी निकासी की इस पूरी साजिश में क्या अन्य कर्मचारी भी शामिल थे। मामले ने डाक विभाग की सुरक्षा व्यवस्था, वित्तीय पारदर्शिता और ऑडिट प्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

आधार निगरानी समिति की बैठक में पंजीकरण में तेजी का निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। उपायुक्त, रामनिवास यादव के निदेशानुसार आज सदर अनुमंडल पदाधिकारी ने जिला स्तरीय आधार निगरानी समिति की बैठक की। बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा सबसे पहले सुदूर क्षेत्रों में आधार पंजीकरण एवं अद्यतन केन्द्रों की आवश्यकता का आंकलन करते हुए उन क्षेत्रों में आधार पंजीकरण केन्द्र की उपलब्धता सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया गया। इसके अलावा उन्होंने शून्य से पांच वर्ष के बच्चों के आधार पंजीकरण में तेजी लाने का निर्देश दिया। साथ ही आधार में मोबाइल संख्या को भी पंजीकृत कराने को कहा। इसके साथ ही बीआरसी के सभी मशीन को अनिवार्य रूप से क्रियाशील करते हुए 05 और 15 साल के बच्चों का मैंडेटरी बायोमैट्रिक अपडेट तथा जिनका मोबाइल नंबर ऐड नहीं हुआ हो उनका अभियान चलाकर मोबाइल नंबर ऐड करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने जिला समाज कल्याण विभाग को इंडिया पोस्ट पेमेन्ट बैंक के प्रतिनिधियों से समन्वय स्थापित करते हुए आंगनबाड़ी केंद्रों में पंजीकृत बच्चों को आधार पंजीकरण कराने का निर्देश दिया। आगे उन्होंने कहा कि जिनका आधार बने हुए दस वर्ष हो गए हैं और उनके द्वारा कभी भी अगर कोई आधार अपडेशन का कार्य नहीं किया गया है, वे सभी अनिवार्य रूप से अपना आईडी कार्ड और एड्रेस प्रूफ/डॉक्यूमेंट अपडेट अवश्य करा लें। इसके अलावा जिला शिक्षा अधीक्षक (डीएसई) को सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत सभी बच्चों का संकूल साधन केंद्र (बीआरसी) में उपलब्ध- आधार कीट से शिविर लगाकर शत-प्रतिशत आधार पंजीकरण कराने को कहा गया बैठक में जिला योजना पदाधिकारी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक, डाक अधीक्षक, सहायक प्रबंधक, क्षेत्रीय कार्यालय राँची, जिला परियोजना पदाधिकारी, यूआईडी, ई डिस्ट्रिक मैनेजर समेत अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

18 वर्षीया के साथ सामूहिक दुष्कर्म

रांची। जिले में मानवता को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक 18 वर्षीय युवती के साथ कथित रूप से सात लोगों ने दुष्कर्म किया। इस मामले की जानकारी बुधवार को पुलिस ने दी। पीड़िता ने यह घटना मंगलवार को तामड़ थाना में रिपोर्ट की। अपनी शिकायत में उन्होंने आरोप लगाया कि उनका कजिन जानबूझकर उन्हें फंसाया, जिसके बाद यह घटना हुई। तामड़ थाना के थाना प्रभारी प्रवीण कुमार मोदी ने बताया कि, शिकायत के अनुसार यह घटना 30 सितंबर को हुई। उसे उसके कजिन ने मर्दन मोड़ के दशहरा मेले में जाने के लिए बुलाया। वहां दो लोग आए, जिनमें से एक ने उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद उसे सोना टुंगरी रुगड़ी ले जाया गया, जहाँ दो अन्य ने उसके साथ दुष्कर्म किया। वहां से उसे बुंडू ले जाया गया, जहाँ तीन अन्य ने उसके साथ दुष्कर्म किया। बुंडू से उसे रांची ले जाया गया, जहाँ एक और व्यक्ति ने उसके साथ दुष्कर्म किया। बाद में उसे तामड़ क्षेत्र के मर्दन मोड़ पर छोड़ दिया गया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि तामड़ थाना में सात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। अभियुक्तों में से चार की पहचान हो चुकी है, जबकि तीन अज्ञात हैं। अभियुक्तों को गिरफ्तार करने के लिए कई जगहों पर छापेमारी की जा रही है।

ओबीसी छात्रों ने किया विरोध प्रदर्शन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखंड में कल्याण विभाग से ओबीसी छात्र-छात्राओं को मिलने वाली छात्रवृत्ति की राशि पिछले तीन वर्षों से नहीं मिलने से नाराज सैकड़ों छात्रों ने बुधवार को कल्याण विभाग के गेट पर जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान छात्रों ने राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और विभाग के बाहर धरना दिया।

प्रदर्शन कर रही छात्राओं ने आरोप लगाया कि तीन वर्षों से छात्रवृत्ति नहीं मिलने के कारण वे कर्ज लेकर फीस भरने को मजबूर हैं। कई छात्रों ने कहा कि फीस नहीं भर पाने पर उन्हें परीक्षा में बैठने की अनुमति तक नहीं दी जा रही है। आक्रोशित छात्रों ने कहा कि हेमंत सोरेन सरकार दावा करती है कि यह युवाओं की सरकार है, लेकिन सबसे ज्यादा उत्पीड़न युवाओं का ही हो रहा है।

छात्रों ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार मंईयां सम्मान योजना के लिए तो पैसा खर्च कर रही है, लेकिन ओबीसी छात्रों की छात्रवृत्ति के लिए धन नहीं है। छात्र नेता बबलू महतो, रिंकू कुमार, सरिता कुमारी और अंजू कुमारी समेत कई छात्रों ने कहा कि कल्याण विभाग का पैसा राज्य सरकार दूसरी योजनाओं में खर्च कर रही है और अपनी नाकामी छिपाने के लिए केंद्र सरकार पर आरोप लगा रही है।छात्रों ने बताया कि झारखंड में छात्रवृत्ति योजना केंद्र और राज्य सरकार की साझेदारी में चलती है – जिसमें केंद्र का हिस्सा 80 प्रतिशत और राज्य का 40 प्रतिशत होता है। लेकिन पिछले तीन वर्षों से केंद्र सरकार अपने हिस्से का आवंटन समय पर और पर्याप्त मात्रा में नहीं दे रही है।

आंकड़ों के अनुसार, पिछले तीन वर्षों में केंद्र सरकार ने केवल 1 अरब 60 करोड़ की राशि जारी की है, जबकि उसे 11 अरब 40 करोड़ का आवंटन करना चाहिए था। इस प्रकार लगभग 10 अरब 80 करोड़ की राशि अब तक लंबित है।

CMYK

भारत पर गूगल का 10 अरब डॉलर का दांव

नई दिल्ली, एजेंसी। गूगल भारत में अपना पहला और देश के डिजिटल हिस्ट्री में सबसे बड़ा निवेश करने जा रहा है। कंपनी 10 अरब डॉलर (लगभग 88,730 करोड़ रुपये) की लागत से आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम में 1 गीगावॉट क्षमता वाला एक विशाल डेटा सेंटर क्लस्टर स्थापित करेगी। यह परियोजना एशिया में अब तक की सबसे बड़ी होगी और इससे भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था को जबरदस्त बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। बता दें गूगल और उसकी सहायक कंपनियां वर्तमान में 11 देशों – अमेरिका, ताइवान, जापान, सिंगापुर, आयरलैंड, नीदरलैंड, डेनमार्क, फिनलैंड, जर्मनी, बेल्जियम और चिली में 29 स्थानों पर डेटा सेंटर संचालित करती हैं। डेटा सेंटर क्लस्टर विशाखापट्टनम जिले के अडविवाराम और तारलुवाडा गांवों तथा पड़ोसी अनाकापल्ली जिले के रामबिल्ली गांव में तीन अलग–अलग कैंपस में बनाया जाएगा। इसके लिए तीन उच्च–क्षमता वाली सबमरीन केबल्स लगाई जाएंगी, जिनके लिए विशेष केबल लैंडिंग स्टेशन और मेट्रो फाइबर लाइनों सहित उन्नत दूरसंचार ढांचा विकसित किया जाएगा। राज्य सरकार का लक्ष्य विशाखापट्टनम में मुंबई से दोगुना सबमरीन केबल नेटवर्क तैयार करना है। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू द्वारा दिसंबर 2024 में ही गूगल के साथ एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए जा चुके हैं। इस परियोजना के अंतिम रूप से मंजूरी मिलने की उम्मीद है और गूगल की टीम और राज्य के आईटी मंत्री नारा लोकेश के बीच 14 अक्टूबर को इस पर औपचारिक रूप से हस्ताक्षर होने की संभावना है। इस डेटा सेंटर क्लस्टर के जुलाई 2028 तक चालू हो जाने का अनुमान है। हालांकि, गूगल ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है। यह डेटा सेंटर क्लस्टर भारत के पहले अंतरराष्ट्रीय एआई इंफ्रास्ट्रक्चर हब का केंद्र बनेगा।

टाटा ट्रस्ट्स में मतभेद पर सरकार की पैनी नजर

नई दिल्ली, एजेंसी। गृह मंत्री अमित शाह के घर पर हुई 45 मिनट की बैठक में केंद्र सरकार ने टाटा समूह के टॉप लीडरशिप को सख्त संदेश दिया कि टाटा ट्रस्ट्स में स्थिरता बनाए रखें और आंतरिक विवादों को नियंत्रित करें ताकि उनका असर टाटा सन्स पर न पड़े, जो देश का सबसे मूल्यवान व्यवसायिक समूह है। इस बैठक में गृह मंत्री अमित शाह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और टाटा समूह के चार वरिष्ठ प्रतिनिधि शामिल थे। इनमें टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा, वाइस चेयरमैन वेनु श्रीनिवासन, टाटा सन्स के चेयरमैन एन.

चंद्रशेखरन और ट्रस्टी डेरियस खंबाटा। सरकार का मानना है कि टाटा ट्रस्ट्स के भीतर चल रहे मतभेद अगर समय पर सुलझाए नहीं गए, तो यह पूरे समूह की कार्यप्रणाली पर असर डाल सकते हैं। मंत्रियों ने कंपनी नेतृत्व को इस बात के लिए प्रोत्साहित किया कि वे जरूरत पड़ने पर सख्त कदम उठाएं, जिसमें ऐसे ट्रस्टी को हटाना भी शामिल है जो समूह के सुचारू कामकाज में बाधा डाल रहा हो। बैठक में आरबीआई के निर्देशों पर भी चर्चा हुई, जिसमें टाटा सन्स जैसी अपर्लेयर एनबीएफसी कंपनियों के पब्लिक लिस्टिंग का मुद्दा शामिल था। इसके साथ ही, समूह के दूसरे सबसे बड़े शेयरधारक शापूरजी पल्लोनजी समूह के लिए लिक्विडिटी (नकदी की उपलब्धता) का रास्ता निकालने पर भी विचार हुआ।

आईसीआरए का दावा
भारत का गोल्ड लोन बाजार मार्च 2026 तक?
15 लाख करोड़ के स्तर को पार कर सकता है

नईदिल्ली, एजेंसी। देश का संगठित गोल्ड लोन बाजार मार्च 2026 तक 15 लाख करोड़ रुपये के स्तर को पार कर जाएगा। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी आईसीआरए ने यह दावा किया है। आईसीआरए के अनुसार यह पहल की उम्मीदों से एक साल पहले है। इस तेज वृद्धि का मुख्य कारण पिछले कुछ महीनों में सोने की कीमतों में आई लगातार बढ़ोतरी है, जो अब तक के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच चुकी हैं।

आईसीआरए लिमिटेड में सीनियर वाइस प्रेसिडेंट और को-ग्रुप हेड (फाइनेंशियल सेक्टर रेटिंग्स) एएम कार्तिक ने कहा कि संगठित गोल्ड लोन बाजार का आकार वित्त वर्ष 2027 तक और बढ़कर 18 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। एजेंसी के अनुसार गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्थान के गोल्ड लोन पोर्टफोलियो में 30 से 35 प्रतिशत तक की वृद्धि हो सकती है। इसका कारण ऊंचे सोने के दाम और असुरक्षित ऋण उत्पादों में धीमी वृद्धि को माना गया है। यह आम तौर पर उसी उधारकर्ता वर्ग को लक्षित करते हैं। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में कई कंपनियों का विविधीकरण और देश में उपलब्ध बड़ी मात्रा में फ्री गोल्ड होल्डिंग इस वृद्धि के लक्ष्य को हासिल करने में सहायक साबित होंगे।

सोने की ऊंची कीमतों से यह वृद्धि हुई

सोने की ऊंची कीमतों के कारण हुआ है, लेकिन कोलेटरेल के रूप में रखे गए सोने का टन भार वित्त वर्ष 2020–2025 के दौरान 1.7 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से मामूली रूप से बढ़ा है। इस अवधि के दौरान औसत ऋण आकार दोगुने से भी अधिक हो गया है, जबकि शाखाओं की संख्या में 3.3 प्रतिशत की धीमी सीएजीआर से वृद्धि हुई है।

बैंकों ने एनबीएफसी की तुलना में तेज वृद्धि दर्ज की

वित्त वर्ष 24–25 के दौरान, स्वर्ण ऋण लगभग 26 प्रतिशत की सीएजीआर से विस्तारित हुआ। यह मार्च 2025 तक 11.8 ट्रिलियन रुपये तक पहुंच गया। बैंकों ने एनबीएफसी की तुलना में थोड़ी तेज वृद्धि दर्ज की। इससे समग्र संगठित बाजार में बाद की हिस्सेदारी में गिरावट आई। मार्च 2025 तक, बैंकों की कुल संगठित स्वर्ण ऋण बाजार में लगभग 82 प्रतिशत हिस्सेदारी थी, जबकि शेष 18 प्रतिशत हिस्सेदारी एनबीएफसी के पास थी। एनबीएफसी की हिस्सेदारी 22 प्रतिशत से घटकर अब 2025 में 22 प्रतिशत हो गई है, जो इस क्षेत्र में बैंकों की मजबूत स्थिति को दर्शाता है। आईसीआरए के आंकड़ों से यह भी पता चला है कि जून 2025 तक कुल एनबीएफसी गोल्ड लोन प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियां (एयूएम) 2.4 ट्रिलियन रुपये थीं।

सोना पहली बार 1.25 लाख के पार
सारे रिकॉर्ड ध्वस्त

नई दिल्ली, एजेंसी। करवाचौथ पर सोने–चांदी के जेवर गिफ्ट में देने के लिए अब सौ बार सोचना पड़ेगा। 10 अक्टूबर को करवाचौथ है और उससे पहले आज सोने–चांदी की की कीमतें सारे रिकॉर्ड ध्वस्त कर एक बार फिर नए ऑल टाइम पर हैं। आज 8 अक्टूबर को सोना एक झटके में ही 1832 रुपये महंगा हो गया है जबकि, चांदी के भाव में 1345 रुपये की उछाल दर्ज की गई है। 24 कैरेट सोने का भाव जीएसटी समेत अब 125452 रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी जीएसटी समेत 155306 रुपये प्रति किलो पर पहुंच गई है। आइबीजेए के मुताबिक आज 24 कैरेट सोना बिना जीएसटी 121799 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला जबकि, मंगलवार को यह बिना जीएसटी 119967 रुपये पर बंद हुआ था। दूसरी ओर चांदी बिना जीएसटी 149438 रुपये प्रति किलो पर बंद हुई थी। आज चांदी बिना जीएसटी 150783 रुपये प्रति किलो के रेट से खुला। आईबीजेए दिन में दो बार रेट जारी करता है। एक बार दोपहर 12 बजे के करीब दूसरा 5 बजे के आसपास। अक्टूबर के महज 6 कारोबारी दिनों में सोना 6450 रुपये प्रति 10 ग्राम महंगा हुआ। जबकि, चांदी की कीमत में प्रति किलो 8349 रुपये का उछाल आया। इस साल सोना अबतक 46059 रुपये और चांदी 64766 रुपये महंगी हो चुकी है। आज 23 कैरेट गोल्ड भी 1824 रुपये महंगा होकर 121311 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव से खुला। जीएसटी संग इसकी कीमत अब 124950 रुपये हो गई है। अभी इसमें मेकिंग चार्ज नहीं जुड़ा है। 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 1678 रुपये उछलकर 111568 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई है। जीएसटी संग यह 114915 रुपये है। आज 18 कैरेट गोल्ड 1374 रुपये की तेजी के साथ 91349 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है।

बजट में बदलेगी सस्ते घरों की परिभाषा

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार आम लोगों को राहतों का सिलसिला देने का काम आगे भी चालू रख सकती है। सूत्रों के मुताबिक, सरकार फरवरी में पेश होने वाले बजट में आम लोगों के लिए सस्ते मकानों की परिभाषा बदलने की योजना बना रही है। इसके तहत वर्तमान सीमा को बढ़ाया जा सकता है। अभी 45 लाख रुपये तक की कीमत वाले मकानों को अफोर्डेबल हाउसिंग यानी सस्ते घरों के वर्गीकरण के रूप में रखा गया है। लेकिन अब इसे महानगरों के लिए 55 लाख रुपये या फिर 60 वर्गमीटर किया जा सकता है। गैर महानगरों के लिए इस सीमा को बढ़ाकर 90 वर्गमीटर किया जा सकता है। इसके पीछे तर्क यह है कि अब आम आदमी को भी कम से कम 800-1000 वर्गफुट का दो या तीन बेडरूम, किचन और हाल यानी बीएचके की जरूरत होती है। दरअसल, कई रियल्टी संस्थान लंबे समय से सरकार से इस परिभाषा को बदलने की मांग कर रहे हैं। उनका इसके पीछे तर्क है कि 2017 में जब यह नियम बना था, तब से अब तक मकानों की कीमतें तो बढ़ी ही हैं, साथ ही महंगाई भी जमकर बढ़ी है। ऐसे में अब 45 लाख रुपये में दूसरे स्तर के शहरों यहां तक कि दिल्ली और मुंबई के आस-पास जो शहर हैं, वहां भी मकान नहीं मिल रहे हैं। सूत्रों ने बताया, इस संबंध में कई रियल्टी संस्थानों ने हाल में सरकार से बात की है और सरकार इस बार इस लंबी मांग को पूरा करने का विचार कर रही है। सरकार ने फरवरी में पेश बजट में आयकर में भारी राहत दी। फिर आरबीआई की रेपो दर में एक फीसदी की बड़ी कटौती और अब जीएसटी सुधार से लोगों को राहत तो मिली है, पर मकान खरीदारों को अब भी राहत नहीं मिली है। रियल्टी संस्थानों का कहना है कि जीएसटी सुधार से उन्हें कोई फायदा नहीं हुआ है। सीमेंट पर जीएसटी कटौती से उनका क्या लेना देना है? अगर सीमेंट कंपनियां या डीलर कीमतें घटाते हैं तो वे उतना फायदा तो दे देंगे, लेकिन यह घर खरीदारों के लिए कोई बहुत बड़ी राहत नहीं है। ऐसे में रियल्टी संगठन अब भी उम्मीद लगाए बैठे हैं कि इस बार कुछ राहत मिलेगी। सीधे तौर पर इस उद्योग को जीएसटी के सुधार से कोई फायदा नहीं हुआ है। रियल्टी कंसल्टेंट एनारॉक के अनुसार, भारतीय निर्यात पर अमेरिकी टैरिफ से किफायती घरों की बिक्री प्रभावित होने की संभावना है। इससे छोटे व्यवसायों और उनके कर्मचारियों की आय प्रभावित होगी।

अनिल अंबानी-आरकॉम को हाईकोर्ट से झटका
खातों को धोखाधड़ी में वर्गीकृत करने वाला एसबीआई का आदेश वैध

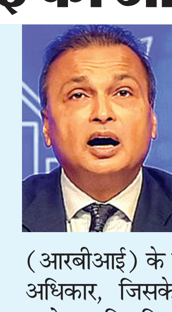

नई दिल्ली, एजेंसी। बॉम्बे हाईकोर्ट ने उद्योगपति अनिल अंबानी और रिलायंस कम्युनिकेशंस के खातों को धोखाधड़ी के रूप में वर्गीकृत करने वाले भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के आदेश को बरकरार रखा है। अदालत ने कहा है कि यह एक तर्कसंगत आदेश था और इसमें कोई कानूनी खामी नहीं थी। न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे और न्यायमूर्ति नीला गोखले की पीठ ने 3 अक्तूबर को एसबीआई के आदेश को चुनौती देने वाली अंबानी की याचिका खारिज कर दी थी। फैसले की एक प्रति मंगलवार को सामने आई। इसमें कहा गया कि अंबानी की याचिका में कोई दम नहीं है, क्योंकि 13 जून 2025 के एसबीआई आदेश में कोई खामी नहीं थी। अदालत ने उद्योगपति की इस दलील पर विचार नहीं किया कि आदेश को अमान्य घोषित किया जाना चाहिए। अंबानी ने अपनी याचिका में दलील थी कि उन्हें व्यक्तिगत सुनवाई का अवसर नहीं दिया गया और प्रासंगिक दस्तावेज भी उपलब्ध नहीं कराए गए।

हाईकोर्ट ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के मास्टर निर्देशों के तहत उपलब्ध अधिकार, जिसके तहत एसबीआई ने अपना आदेश पारित किया, प्रतिनिधित्व करने का है, न कि व्यक्तिगत सुनवाई का। अदालत ने कहा कि अंबानी ने पिछले साल एसबीआई की ओर से जारी कारण बताओ नोटिस का जवाब दे दिया था और जब अंतिम पत्र का कोई जवाब नहीं आया तो बैंक ने खाते को धोखाधड़ी के रूप में वर्गीकृत करने का आदेश पारित कर दिया।

अगले साल 11 प्रतिशत तक बढ़ेगा वेतन

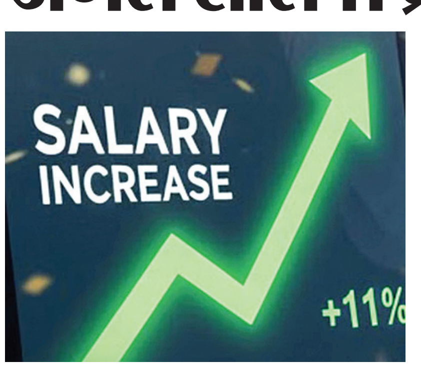

इंफ्रास्ट्रक्चर व एनबीएफसी सेक्टर में मिलेगी सबसे ज्यादा सैलरी हाइक

नई दिल्ली, एजेंसी। वेतन के मोर्चे पर सुनहरी तस्वीर सामने आ रही है। 2026 में वेतन 11 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है। 2025 में 8.9 प्रतिशत वृद्धि से यह मामूली अधिक है। यह वैश्विक अर्थव्यवस्था में सुस्ती के बावजूद मजबूत रोजगार बाजार को दर्शाता है। एओन पीएलसी के अनुसार, 2026 में रियल एस्टेट, इन्फ्रास्ट्रक्चर और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) जैसे क्षेत्रों में सबसे अधिक वेतन वृद्धि होगी। रिपोर्ट के अनुसार, रियल एस्टेट और इन्फ्रास्ट्रक्चर कंपनियां 10.9 प्रतिशत वृद्धि कर सकती हैं। एनबीएफसी में 10 प्रतिशत वृद्धि हो सकती है। ऑटोमोटिव और वाहन विनिर्माण जैसे अन्य उद्योगों में 9.6 प्रतिशत, इंजीनियरिंग डिजाइन में 9.7, इंजीनियरिंग और विनिर्माण में 9.2 प्रतिशत, खुदरा में 9.6 और लाइफ साइंस में 9.6 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान लगाया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, नौकरी छोड़ने की दर धीरे-धीरे कम होकर 2025 में 17.1 प्रतिशत हो गई है। 2024 में 17.7 और 2023 में 18.7 प्रतिशत थी। इसका मतलब कंपनियां कर्मचारियों को बनाए रखने और भविष्य के लिए एक मजबूत वर्कफोर्स बनाने के लिए क्षमता को बढ़ाने व डेवलपमेंट प्रोग्राम में निवेश करने में सक्षम हो रही हैं। जो कंपनियां अपनी पुरस्कार रणनीतियों को इन बदलावों के साथ जोड़ कर चलेंगी, वे शीर्ष प्रतिभाओं को आकर्षित करने के लिए सबसे अच्छी स्थिति में होंगी।

अब नहीं चलेगा फर्जी पैन और बेनामी सौदों का खेल, विभाग खंगालेगा रजिस्ट्री रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। बेहिसाब संपत्ति व बेनामी लेनदेन पर रोक लगेगी। आयकर विभाग संपत्ति रजिस्ट्रार के रिकॉर्ड की जांच करने की योजना बना रहा है। हजारों संपत्ति सौदे आयकर अधिकारियों की नजरों से ओझल होने की आशंका है। रिपोर्टिंग में जानबूझकर की गई चूक और संपत्ति के दस्तावेजों में खरीदारों–विक्रेताओं के फर्जी या भ्रामक पैन के कारण कई लेन–देन विभाग की नजर से ऐसे सौदे बच रहे हैं। संपत्ति रजिस्ट्रार को 30 लाख रुपये या उससे अधिक मूल्य की संपत्तियों की खरीद और बिक्री का विवरण देना अनिवार्य है। ऐसे मामले भी हैं जिनमें शामिल पक्ष रजिस्ट्रार कार्यालयों के अधिकारियों के साथ मिलीभगत करके यह सुनिश्चित करते हैं कि सौदे की रिपोर्ट न की जाए या गलत पैन या नाम दर्ज कर दिए जाएं। इससे उनका पता लगाना मुश्किल हो जाएगा। उच्च मूल्य वाले रियल एस्टेट

लेनदेन का उपयोग लंबे समय से काले धन को जमा करने के एक माध्यम के रूप में किया जाता रहा है। इसे अक्सर फर्जी संस्थाओं के माध्यम से छुपाया जाता है। इस प्रणाली को मजबूत करने के लिए संपत्ति पंजीकरण से पहले सभी पक्षों के लिए पैन और आधार का अनिवार्य ई–सत्यापन एक महत्वपूर्ण सुधार है। यह कदम नकली या गलत पैन या आधार विवरणों के उपयोग को समाप्त करने और यह सुनिश्चित करने में मदद कर सकता है कि संपत्ति के रिकॉर्ड वास्तविक स्वामित्व को दर्शाते हैं।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर- बोले
भारत-यूके व्यापार समझौता है विकास का लॉन्चपैड

नई दिल्ली, एजेंसी।
ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने कहा कि भारत और यूनाइटेड किंगडम (यूके) के बीच मुक्त व्यापार समझौते के तहत मौजूद अवसर बेमिसाल हैं। स्टार्मर ने प्रधानमंत्री पद संभालने के बाद अपनी पहली भारत यात्रा की शुरुआत की है। स्टार्मर ब्रिटेन के 125 सबसे प्रमुख व्यापारिक नेताओं, उद्यमियों, विश्वविद्यालय के कुलपतियों के प्रतिनिधिमंडल के साथ, दो दिवसीय यात्रा पर आज सुबह मुंबई पहुंचे। रोल्स रॉयस, ब्रिटिश टेलीकॉम, डियाजियो, लंदन स्टॉक एक्सचेंज और ब्रिटिश एयरवेज जैसी प्रमुख कंपनियों के शीर्ष अधिकारी स्टारमर के प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा हैं।

प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर और प्रधानमंत्री मोदी गुरुवार को व्यापक वार्ता करेंगे। इस बैठक में दोनों नेता भारत-यूके के द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत व विस्तारित करने के नए रास्तों पर चर्चा करेंगे।

स्टार्मर ने कहा कि हमने जुलाई में भारत के साथ एक प्रमुख व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। यह किसी भी देश द्वारा किया गया सबसे बेहतर समझौता है लेकिन कहानी यहीं समाप्त नहीं होती। उन्होंने कहा कि यह महज एक कागज का टुकड़ा नहीं है, बल्कि यह विकास का एक लॉन्चपैड है। भारत 2028 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने वाला है और उसके साथ व्यापार तेज और सस्ता होने वाला है, ऐसे में हमारे लिए उपलब्ध अवसर बेजोड़ हैं। उन्होंने कहा कि भारत में विकास का मतलब ब्रिटिश

लोगों के लिए घर पर अधिक विकल्प, स्थिरता और नौकरियां हैं। ब्रिटिश प्रधानमंत्री की भारत यात्रा, दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर के ढाई महीने बाद हुई है। इससे बाजार पहुंच बढ़ेगी, टैरिफ में कटौती होगी और 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार दोगुना हो जाएगा। जुलाई में प्रधानमंत्री मोदी की लंदन यात्रा के दौरान यह ऐतिहासिक व्यापार समझौता तय हुआ था।

स्टार्मर एफटीए की गति को आगे बढ़ाना चाहते हैं

स्टार्मर की भारत यात्रा पर ब्रिटिश वक्तव्य में कहा गया है कि वह ब्रिटेन-भारत व्यापार समझौते से प्राप्त गति को आगे बढ़ाना चाहते हैं, क्योंकि इससे ब्रिटिश व्यवसायों के लिए दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक तक पहुंच खुल जाएगी।

भारत के साथ किया समझौता सबसे अहम

ब्रिटेन के व्यापार एवं वाणिज्य मंत्री पीटर काइल ने कहा कि हमने दिखा दिया है कि भारत के साथ व्यापार बढ़ाने की हमारी महत्वाकांक्षा की कोई सीमा नहीं है। एक वर्ष से भी कम समय में हम एक समझौते पर बातचीत दोबारा शुरू करने से लेकर, 125 प्रतिभाशाली व्यापारिक नेताओं को उसकी वाणिज्यिक राजधानी में लाने तक पहुंच गए हैं। हमारा समझौता किसी भी देश द्वारा भारत के साथ किया गया अब तक का सबसे अच्छा समझौता है व यह ब्रिटिश व्यवसायों को एक विशाल और निरंतर बढ़ते बाजार तक पहुंच बनाने की कतार में सबसे आगे रखता है। उन्होंने कहा कि अब हम जमीनी स्तर पर काम कर रहे हैं और हर आवश्यक साधन का उपयोग कर रहे हैं ताकि व्यवसायों को इस बात के लिए तैयार किया जा सके कि वे इस समझौते के लागू होने के बाद हमें जो बड़ी सफलताएं प्राप्त हुई हैं, उनका पूरा लाभ उठा सकें, ताकि हम घरेलू स्तर पर विकास, रोजगार और समृद्धि ला सकें। बयान के अनुसार, ब्रिटिश उत्पादों पर भारत का औसत टैरिफ 15 प्रतिशत से घटकर तीन प्रतिशत हो जाएगा, जिसका अर्थ यह है कि भारत में शीतल पेय और सौंदर्य प्रसाधनों से लेकर कारों और चिकित्सा उपकरणों तक के उत्पाद बेचने वाली ब्रिटिश कंपनियों को भारतीय बाजार में बेचना आसान हो जाएगा।

यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री 35 फीसदी बढ़कर 2.17 लाख के पार

नई दिल्ली, एजेंसी। जीएसटी दर घटने और शुभ अवसर के चलते नवरात्र के नौ दिनों में यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री सालाना आधार पर 35 फीसदी बढ़कर 2,17,744 यूनिट पर पहुंच गई। एक साल पहले समान अवधि में 1,61,443 वाहन बिके थे। डीलरों के संगठन फाडा के मुताबिक, दरें घटने की उम्मीद में सितंबर के पहले 21 दिनों में मांग बिलकुल धीमी हो गई थी। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) ने कहा कि 22 सितंबर से जीएसटी की नई दरें लागू होने से वाहनों की बिक्री में जमकर तेजी आई। साथ ही नवरात्र ने भी इसमें अच्छा योगदान दिया। बम्पर बिक्री के कारण सितंबर में कुल यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री बढ़कर 2,99,369 इकाई हो गई। बता दें कि यह पिछले साल इसी

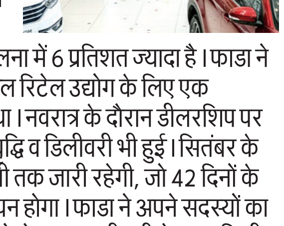

महीने में 2,82,945 यूनिट की तुलना में 6 प्रतिशत ज्यादा है। फाडा ने कहा, सितंबर, 2025 ऑटोमोबाइल रिटेल उद्योग के लिए एक असाधारण रूप से अनूठा महीना था। नवरात्र के दौरान डीलरशिप पर ग्राहकों की संख्या में रिकॉर्ड तोड़ वृद्धि व डिलीवरी भी हुई। सितंबर के अंतिम दिनों में बनी यह गति दिवाली तक जारी रहेगी, जो 42 दिनों के त्योहारी सीजन का बेहतरीन समापन होगा। फाडा ने अपने सदस्यों का सर्वे किया। अक्तूबर की उम्मीदों को लेकर 63 फीसदी ने कहा, बिक्री बढ़ेगी। 23 फीसदी ने कहा, सपाट रहेगी। 9 फीसदी ने माना घटेगी। अगले तीन महीनों के बारे में 67 फीसदी ने कहा, बिक्री में तेजी रहेगी। 29 फीसदी ने सपाट व 4 फीसदी ने कहा बिक्री घट सकती है। 71 फीसदी ने माना सेंटिमेंट बहुत अच्छा है।

सामंथा रुथ प्रभु ने शेयर किया वो शक्तिशाली वाक्य, जिसने उनकी जिंदगी को दी नई दिशा

दक्षिण भारतीय फिल्मों की अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु हाल ही में सोशल मीडिया पर फैंस के लिए लाइव आईं। इस दौरान उन्होंने फैंस से उनकी लाइफ से जुड़े सवाल पूछने को कहा। इसी बीच एक यूजर ने अभिनेत्री से पूछा कि ऐसा कौन सा वाक्य है, जिसने आपका नजरिया बदल दिया? अभिनेत्री ने जवाब देते हुए उस शक्तिशाली वाक्य का खुलासा किया, जिसने उनकी जिंदगी को नई दिशा दी। सामंथा रुथ प्रभु ने कहा, आपको अपना उद्देश्य उन चीजों में मिलेगा, जो आपको परेशान करती हैं।

उन्होंने बताया कि उनका काम भी उन्हीं चीजों से जुड़ा है, जो उन्हें परेशान करती हैं और इस सोच ने उनके जीवन को आसान बना दिया है। आप भी इसे आजमा सकते हैं, शायद यह आपकी मदद करे। एक अन्य यूजर ने उनसे पूछा कि एक छात्र होने के चलते वह अपनी हेल्थ का ध्यान नहीं रख पाते हैं, इसके लिए वो कुछ सुझाव दे सकती हैं?

इस पर अभिनेत्री ने कहा, सच कहूं तो, एक छात्र का जीवन जिए मुझे लंबा अरसा हो गया है, लेकिन मैं अक्सर सुनती रही हूं कि आजकल छात्रों के लिए यह कितना मुश्किल है, वे अधिक तनाव में रहते हैं। उन्होंने आगे कहा, लेकिन मैं आपसे सहानुभूति रखती हूं, और मैं चाहती हूं कि आप यह समझें कि अच्छे ग्रेड ही सबकुछ नहीं होते। मुझे लगता है कि एक छात्र होने से मैंने जो सबसे अधिक सीखा और एक छात्र होने का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा वे मित्र थे, जो मैंने उस दौरान बनाए। अपने आसपास के लोगों के लिए सम्मान का भाव और अपने दोस्तों से जो दयालुता मैंने सीखी, इसने मुझे एक बेहतर इंसान बनने में मदद की। सामंथा रुथ प्रभु को पिछली बार तेलुगु हॉरर-कॉमेडी 'शुभम' में देखा गया था। इसमें वह एक छोटी सी भूमिका में नजर आई थीं। वह बहुत जल्द राज निदिमोरु और कृष्णा डीके की फिल्म 'रक्त ब्रह्मांड- द ब्लडी किंगडम' में दिखाई देंगी। इसमें आदित्य रॉय कपूर, अली फजल, जयदीप अहलावत और वामिका गब्बी जैसे कलाकार हैं।

लापता लेडीज के बाद साउथ चलीं निताशी गोयल

फिल्म लापता लेडीज से पहचान बनाने वाली अभिनेत्री नितांशी गोयल अब एक बड़े प्रोजेक्ट में नजर आने वाली हैं। फिल्मफेयर की रिपोर्ट के मुताबिक नितांशी जल्द ही तेलुगु सिनेमा के लोकप्रिय चेहरे आनंद देवरकोंडा के साथ अपनी पहली पैन-इंडिया फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगी। लंबे समय से नितांशी के फैंस उनकी अगली फिल्म का इंतजार कर रहे हैं और अब इस खबर के बाद फैंस की एक्साइटमेंट काफी बढ़ गई है।

लापता लेडीज से मिली पहचान

किरण राव के निर्देशन में बनी लापता लेडीज में नितांशी गोयल की एक्टिंग को खूब सराहा गया था। उनके साथ इस फिल्म में प्रतिभा रांटा और स्पर्श श्रीवास्तव भी मुख्य भूमिकाओं में थे। साधारण लड़की के किरदार को उन्होंने जिस गहराई और मासूमियत से निभाया, उसने दर्शकों के दिल में खास जगह बनाई। इसी फिल्म ने उन्हें इंडस्ट्री का उभरता सितारा बना दिया।

नितांशी का बढ़ता सफर

सिर्फ यही नहीं, नितांशी को एक और बड़े प्रोजेक्ट के लिए अप्रोच किया गया है। खबरों के अनुसार, वह अभय वर्मा के साथ रत्ना सिन्हा के निर्देशन में बनने वाली फिल्म में भी नजर आ सकती हैं। माना जा रहा है कि यह फिल्म शादी में जरूर आना के सीक्वल के तौर पर तैयार की जा रही है।

पैन-इंडिया फिल्म की शुरुआत

अब खबर है कि नितांशी, आनंद देवरकोंडा के साथ एक पैन-इंडिया प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने जा रही हैं। इस फिल्म को सितारा एंटरटेनमेंट प्रोड्यूस कर रही है और शूटिंग अगले महीने शुरू होगी। बताया जा रहा है कि यह प्रोजेक्ट 2025 की सबसे बड़ी क्रॉस-इंडस्ट्री फिल्मों में से एक होगा, जिसमें हिंदी और साउथ सिनेमा की लोकप्रियता को जोड़कर नए दर्शकों तक पहुंचने की कोशिश की जाएगी। हालांकि फिलहाल मेकर्स की ओर से इसे लेकर कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं किया गया है। खबरें हैं कि फिल्म के मेकर्स ने इसे बड़े पैमाने पर बनाने का प्लान तैयार किया है। भव्य सेट, दमदार म्यूजिक और स्टाइलिश विजुअल्स के साथ यह फिल्म दर्शकों को नया अनुभव देने वाली है। हालांकि कहानी अभी तक गुप्त रखी गई है, लेकिन सूत्रों का कहना है कि यह एक एनर्जेटिक एंटरटेनर होगी, जो हर उम्र के दर्शकों को आकर्षित करेगी।

कान रेड कार्पेट पर भी छाईं

नितांशी ने हाल ही में कान्स फिल्म फेस्टिवल में भी अपनी मौजूदगी दर्ज कराई थी। वहां उन्होंने अपने लुक्स से पुराने दौर की दिग्गज अभिनेत्रियों- रेखा, मधुबाला, मीना कुमारी, नरगिस और श्रीदेवी को ट्रिब्यूट दिया। उनके इस अंदाज ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी उन्हें लाइमलाइट में ला दिया।

'टॉक्सिक' में काम करने पर उत्साहित हैं अक्षय ओबेरॉय

अभिनेता अक्षय ओबेरॉय हाल ही में फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' में नजर आए हैं। यह फिल्म इन दिनों सिनेमाघरों में बनी हुई है। अब अक्षय ने फिल्म 'टॉक्सिक' में साउथ सुपरस्टार यश के साथ काम करने के अपने अनुभव के बारे में बात की। साथ ही उन्होंने नेशनल अवॉर्ड विनर फिल्म मेकर्स के साथ काम करने का अपना अनुभव भी साझा किया।

खास हैं निर्देशक गीतू मोहनदास

बातचीत के दौरान अक्षय ओबेरॉय ने फिल्म 'टॉक्सिक' का हिस्सा होन पर खुशी जताई। साथ ही काम करने के अपने अनुभवों को भी साझा किया। उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी फिल्म में काम करने का मौका मिलने के अलावा मुझे निर्देशक गीतू मोहनदास के साथ काम करके बहुत अच्छा लगा। मुझे उनकी पिछली फिल्में भी बहुत पसंद आई हैं। मुझे लगता है कि वह मेरी पसंदीदा निर्देशकों में से एक हैं, जिनके साथ मैंने अब तक काम किया है। वह मुझसे ऐसे तरीके से बात करती हैं जैसा कोई और निर्देशक नहीं कर पाता। वह लोगों से शानदार अभिनय करवा लेती हैं।

सबसे बड़ी उपलब्धि यश के साथ काम करना

एक राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म निर्माता के साथ काम करना पहले से ही एक यादगार अनुभव था। अक्षय ने बताया कि टॉक्सिक की सबसे बड़ी उपलब्धि यश के साथ काम करने का मौका था। पूरी दुनिया यश की प्रशंसक है। उनके साथ काम करके, मैंने इतना कुछ सीखा कि मुझे एहसास हुआ कि मुझमें क्या कमी थी। मैं यहां यह कह रहा हूं कि काश इंडस्ट्री मुझे ज्यादा नोटिस करती और आप ये सवाल पूछ रहे हैं मैं इससे सहमत हूं। लेकिन वह वन-मैन इंडस्ट्री की तरह हैं। उन्हें किसी की जरूरत नहीं है। उन्हें अपनी प्रतिभा साबित करने या ऑफर देने के लिए किसी की जरूरत नहीं है। उन्हें अवसरों की जरूरत नहीं है, वह खुद उन्हें बनाते हैं। यह बहुत प्रेरणादायक है। वह एक-व्यक्ति, चलता-फिरता, बोलता इंडस्ट्री है। मैं बस यही सोचता था कि अगर मैं उनके इस कैरेक्टर और ऊर्जा को पकड़ सकता हूं, तो मुझे भी कोई नहीं रोक सकता।

क्या चांदनी बार रीओपन्स में लौटेंगी तब्बू?

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म चांदनी बार के बहुप्रतीक्षित सीक्वल पर काम आधिकारिक रूप से शुरू हो चुका है। लेकिन इस घोषणा के बीच सबसे बड़ा सवाल जो चर्चा में है वो ये कि क्या तब्बू एक बार फिर अपने आइकॉनिक किरदार मुमताज़ सावंत के रूप में वापसी करेंगी? मूल फिल्म में तब्बू के दमदार और संवेदनशील अभिनय ने उन्हें राष्ट्रीय पुरस्कार दिलाया था, और फिल्म आज भी उनकी अदाकारी से गहराई से जुड़ी हुई मानी जाती है। निर्माता टीम ने पुष्टि की है कि चांदनी बार 2 एक नई पीढ़ी के लिए इस कहानी को फिर से पेश करेगी, जो पहली फिल्म की घटनाओं के 25 साल बाद की पृष्ठभूमि पर आधारित होगी। प्रोजेक्ट से जुड़े एक करीबी सूत्र ने खुलासा किया कि चांदनी बार 2 के निर्माता, तब्बू की वापसी को लेकर गहन बातचीत कर रहे हैं। सूत्र ने बताया, निर्माता चाहते हैं कि तब्बू अपने इस प्रतिष्ठित किरदार को दोबारा निभाएं, क्योंकि उनकी मौजूदगी फिल्म की विश्वसनीयता और भावनात्मक गहराई के लिए बेहद अहम मानी जा रही है। बातचीत जारी है, लेकिन अभिनेत्री की आधिकारिक कास्टिंग की पुष्टि अभी बाकी है।

नीरू बाजवा ने की नई फिल्म की घोषणा

बॉलीवुड फिल्म सन ऑफ सरदार 2 में अपनी अदाकारी से सभी को अपना दीवाना बनाने वाली एक्ट्रेस नीरू बाजवा ने अपनी नई पंजाबी फिल्म जवाक की घोषणा सोशल मीडिया हैंडल पर की है। इसके साथ ही एक्ट्रेस ने फिल्म की रिलीज डेट से भी पर्दा उठाया है। नीरू बाजवा ने 5 अक्तूबर 2025 को अपनी आगामी फिल्म जवाक की घोषणा इंस्टाग्राम पोस्ट पर की है। इस पोस्ट के साथ नीरू ने कैप्शन में लिखा, और अधिक पढ़ें...अपने आंद्रे जवाक नू हमेशा जिओंदा राखो, जे वड्डे बन ना ता। सिनेमाघरों में 17 अप्रैल 2026। जवाक का निर्देशन जतिंद्र महुअर कर रहे हैं। फिल्म का निर्माण संतोष सुभाष कर रहे हैं। जबकि फिल्म की स्क्रिप्ट जगदीप वारिंग ने लिखी है। यह फिल्म 17 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

नीरू बाजवा का करियर

हाल ही में नीरू बाजवा अजय देवगन की फिल्म सन ऑफ सरदार 2 में नजर आई थीं। नीरू ने अपने करियर की शुरुआत देव आनंद की हिंदी फिल्म मैं सोलह बरस की (1998) से की थी, जिसके बाद उन्होंने कई हिंदी टेलीविजन धारावाहिकों में काम किया. उन्होंने पंजाबी सिनेमा में अपनी खास जगह बनाई और जट्ट एंड जूलियट, सरदार जी, लौंग लाची, शादा, काली जोत्ता जैसी कई हिट फिल्में दीं। अभिनय के अलावा नीरू निर्देशन और प्रोडक्शन में भी हाथ आजमा चुकी हैं। उन्हें तीन बार पीटीसी पंजाबी फिल्म पुरस्कार से सम्मानित किया गया है और उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी हॉलीवुड की फिल्म इट लिव्स इनसाइड से शुरुआत की है।

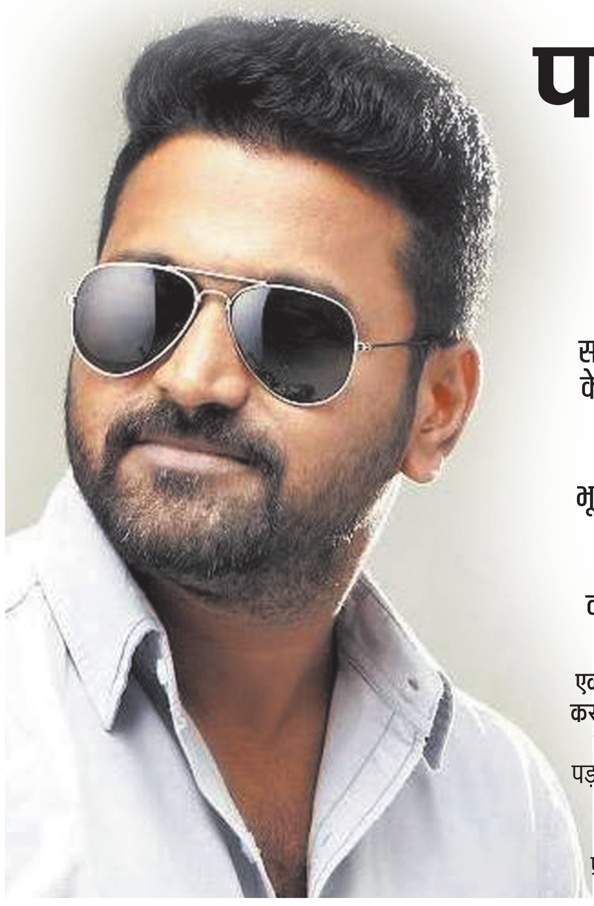

पानी की बोतल बेची, 25 रुपये कमाता था, पर खुद को कम नहीं समझा

क्लैपर बॉय से एक्टर-डायरेक्टर बनने के सफर में ऋषभ शेट्टी के करियर में कड़े संघर्ष के कई दौर आए, मगर कलाकार बनने का उनका जज्बा कभी भी धूमिल नहीं हुआ। सहायक निर्देशक और एक-दो सीन वाली भूमिकाएं करने वाले ऋषभ ने गुजारे के लिए छोटे-बड़े सभी काम किए और आखिरकार उनकी किस्मत का सितारा चमका कांतारा की सुपर सक्सेज से। इन दिनों वे चर्चा में हैं कांतारा चैप्टर 1 से।

एक अदाकार के रूप में आपकी यात्रा के बारे में बात करूं, तो उसमें भी कई उतार-चढ़ाव और संघर्ष रहा?

हर किसी को अपने हिस्से का संघर्ष तो करना ही पड़ता है। खास तौर पर मैं अगर आर्ट फॉर्म की बात करूं, तो आप उसे नहीं चुनते बल्कि वो आपको चुनता है। आपको यहां तक पहुंचने के लिए एक प्रक्रिया से तो गुजरना ही पड़ता है। मैं अपने संघर्ष को एक प्रोसेस मानता हूं। ये सच है कि मैंने छोटे-बड़े सभी काम किए हैं। मैं पानी की बोतलें बेचा करता था। मैंने रियल एस्टेट और होटल में भी काम किया। इंडस्ट्री में मैंने क्लैपर बॉय के रूप में शुरुआत की। कई छोटे-छोटे रोल्स किए, मगर मैंने कभी किसी काम को कमतर नहीं समझा। अपनी पहली कमाई आज भी याद है मुझे। पानी की बोतल बेच कर मैंने 25 रुपए कमाए थे। मैं एक बड़ी मैडम के घर पानी पहुंचाने गया था और उस काम के मुझे 25 रुपए मिले थे। उस वक्त पच्चीस रुपए भी बहुत बड़ी रकम लगी थी मुझे।

आप एक ऐसे कलाकार हैं, जो परिवार को साथ लेकर चलने में यकीन रखते हैं।

बिलकुल, क्योंकि परिवार नहीं होगा, तो मेरा कोई अस्तित्व ही नहीं होगा। मेरी पत्नी प्रगति कॉस्ट्यूम डिजाइनर हैं। इस पार्ट वन और टू की कॉस्ट्यूम डिजाइनिंग उन्होंने ही की है। पार्ट वन रहा हो या टू वे पूरी तरह से मेरी इमोशनल स्ट्रेंथ रहीं। खतरनाक एक्शन सीन्स के दौरान वे लगातार भगवान से प्रार्थना करती थीं। उन्हें पूरी यूनिट की चिंता रहती थी। शूटिंग के दौरान मैं महीनों तक घर नहीं जा पाता था, क्योंकि हमें लगातार शूटिंग करनी होती थी, ऐसे समय में मैं लोकेशन के आस-पास की जगहों या होटल्स में ठहरता था ताकि अगले दिन समय पर शूटिंग में पहुंच सकूं। एक एक्टर और निर्देशक के रूप में कांतारा मेरे लिए एक एग्जॉस्ट करने वाली फिल्म रही है, ऐसे में भावनात्मक रूप से उन्होंने ही मुझे संभाला। शूटिंग दौरान वे घर में बच्चों की देखरेख भी कर रही थीं और मुझसे मिलने शूटिंग पर भी आया करती थीं।

आज दर्शक हर भाषा में कॉन्टेंट देख रहा है, मगर भाषा के नाम पर जो विवाद पैदा किए जाते हैं, उनके बारे में क्या कहना चाहेंगे?

हमारी डायवर्सिटी हमारी सबसे बड़ी ताकत है और इसे समझाना होगा। तभी तो हमारे करेंसी नोट पर कोई एक भाषा नहीं होती। हमारे नोट पर जितनी भाषाएं हैं, असल में हमारे पास उससे भी कहीं अधिक लैंग्वेज हैं। यही भारत की पहचान है। मेरा मानना है कि भाषा पर कोई विवाद नहीं होना चाहिए। हम सभी को एक-दूसरे की भाषाओं को सम्मान देना चाहिए। हमारी मातृभाषा हमारे चरित्र की परिचायक है। हम जब सामने वाले की भाषा को इज्जत देंगे, तभी हमारी भाषा को रिस्पेक्ट मिलेगी।

अपनी पहली फिल्म कांतारा से पैन इंडिया स्टार का दर्जा हासिल करना कैसा लगता है?

सच कहूं, तो मैं इन बातों को नहीं समझता। मुझे तो यही सब जिम्मेदारी लगती है। मुझे लगता है कि मुझे यदि देश भर के लोग पसंद कर रहे हैं, तो मुझे ज्यादा जिम्मेदार होने की जरूरत है। मुझे और अधिक कोशिश करनी होगी कि मैं लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरूं। सफलता और तारीफ हासिल करने के बाद मुझे लगता है कि मेहनत डबल हो जाती है।

फिल्म में एक्टर-डायरेक्टर की दोहरी जिम्मेदारी का संतुलन कैसे स्थापित किया

इसका श्रेय मैं अपनी टीम को देना चाहूंगा। चाहे वो मेरे राइटर्स की टीम हो , प्रोड्यूसर हों या कैमरामैन, मैं अगर कोई एक आइडिया पिच करता हूं, तो हर कोई मेरा साथ देने को तैयार हो जाता है। हम साथ मिलकर आईडिया एक्स्प्लोर कर लेते हैं। अब जैसे इस फिल्म की मूल कहानी हमारे देव कोला और लोक कथाओं से प्रेरित थी। जब इस कहानी का विचार आया तो सभी को भा गया। मुझे लगता है, किसी भी फिल्म की सफलता का क्रेडिट टीमवर्क को जाता है।

अर्जेंटीना की विश्व कप टीम में अभी भी जगह खाली

इन मुकाबलों में परखे जाएंगे खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। अर्जेंटीना की फुटबॉल टीम वेनेजुएला और प्यूर्टो रिको के खिलाफ आगामी मैत्री मुकाबलों की तैयारी में जुटी है। इस बीच टीम के मैनेजर लियोनेल स्कालोनी ने बताया कि विश्व कप 2026 के लिए टीम में अभी भी जगह खाली है। मैनेजर लियोनेल स्कालोनी ने बताया है कि इन मैत्री मैचों का इस्तेमाल अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा में होने वाले टूर्नामेंट से पहले नए खिलाड़ियों को परखने के लिए किया जाएगा। शुक्रवार को हार्ड रॉक स्टेडियम में वेनेजुएला के खिलाफ होने वाले मुकाबले से पहले लियोनेल स्कालोनी ने कहा, जाहिर है कि हम नए खिलाड़ियों को मौका देने की कोशिश करेंगे, यह देखने के लिए कि क्या वे टीम में शामिल हो सकते हैं।

इन मुकाबलों में अलग–अलग खिलाड़ियों को आजमाया जाएगा। लियोनेल स्कालोनी ने स्वीकारा है कि अधिकांश विश्व कप टीम पहले ही तय हो चुकी है, लेकिन उन्होंने बताया कि अंतिम समय में कुछ बदलाव हो सकते हैं, जैसे 2022 के कतर विश्व कप से पहले हुए थे। उन्होंने कहा, आप नहीं जानते कि कब बदलाव हो सकते हैं। भले ही हमारे पास एक मजबूत टीम है, लेकिन हमें नहीं पता आगे क्या हो सकता है। पिछले विश्व कप का अनुभव हमारे पास है, जब कुछ खिलाड़ी आखिरी समय में बाहर हो गए थे। यह सच है कि टीम का अधिकांश हिस्सा तय है, लेकिन हम आने वाली किसी भी परिस्थिति के लिए तैयार हैं। नए खिलाड़ी अब टीम में शामिल हुए हैं। अगर हमें लगेगा कि जरूरत है, तो आगे भी नए खिलाड़ियों को मौका दिया जाएगा। अर्जेंटीना ने साउथ अमेरिकन क्वालीफाइंग ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल करके अगले साल होने वाले फुटबॉल के सबसे बड़े टूर्नामेंट में अपनी जगह पक्की की है। स्कालोनी ने स्पष्ट तौर पर कहा है कि उनकी टीम विश्व कप से पहले होने वाले सभी मुकाबलों को गंभीरता से लेगी। उनका मानना है कि अर्जेंटीना फुटबॉल टीम का कोई भी मैच वास्तव में मैत्रीपूर्ण नहीं होता। मैनेजर ने कहा, हमें लगता है कि हर बार जब कोई अंतरराष्ट्रीय मैच होता है, चाहे वह आधिकारिक हो या मैत्रीपूर्ण, एक शानदार अवसर प्रदान करता है। आगे क्या होता है, यह बहुत महत्वपूर्ण है। बहुत कुछ दांव पर लगा है। इन मुकाबलों में हम अपना सर्वश्रेष्ठ देंगे।

नीरज चोपड़ा ने स्विट्ज़रलैंड में पूरी की रिकवरी, अगले सीजन में दमदार वापसी के लिए तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के भाला फेंक स्टार नीरज चोपड़ा ने बताया कि वे स्विट्ज़रलैंड में अपनी रिकवरी पूरी कर अगले सत्र में और बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयार हैं। इस साल चुनौतीपूर्ण रहा, लेकिन उन्होंने इससे बहुत कुछ सीखा और अनुभव तथा आत्मविश्वास भी बढ़ाया। हरियाणा के इस एथलीट ने इस साल दोहा में 90 मीटर की दूरी पार की, लेकिन विश्व चैम्पियनशिप में पदक नहीं जीत सके। टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण और पेरिस में रजत

पदक जीत चुके नीरज ने कहा, बेहतर प्रदर्शन की गुंजाइश हमेशा रहती है और यही प्रेरित करती है। अब मेरा फोकस रिकवरी और अगले सत्र में मजबूती के साथ वापसी पर है। शरीर अच्छा महसूस कर रहा है और थोड़े आराम और रिकवरी के बाद मैं बेहतर वापसी कर सकूंगा। नीरज ने स्विट्ज़रलैंड की खूबसूरती और प्रशिक्षण सुविधाओं की भी तारीफ की। उन्होंने बताया कि उन्हें स्विस पहाड़, हरियाली, इंटरलाकेन से बर्न्स और लुसाने तक की ट्रेन यात्राएँ बेहद पसंद हैं। उन्होंने याद किया कि 2022 में स्विट्ज़रलैंड ने उन्हें 'दोस्ती दूत' बनाया और जुंगफ्राउजोच के 'आइस पैलेस' में सम्मानित किया, जहाँ पहले टेनिस दिग्गज रोजर फेडरर और गोल्फर रोरी मैकलरॉय सम्मानित हो चुके हैं।

93वां वायुसेना दिवस

नई दिल्ली, एजेंसी। 93वें भारतीय वायुसेना दिवस के मौके पर भारतीय क्रिकेट जगत ने वायुसेना के वीर योद्धाओं को शुभकामनाएं दी हैं। विश्व के महानतम बल्लेबाजों में शुमार सचिन तेंदुलकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 1.4 अरब से ज्यादा भारतीयों के सपनों और आकांक्षाओं को उड़ान देते हुए, भारतीय वायु सेना साहस और समर्पण के साथ हमारे राष्ट्र की रक्षा करती है और उसे और ऊंचाइयों तक पहुंचने में मदद करती है। सचिन तेंदुलकर साल 2010 में वायु सेना के मानद ग्रुप कैप्टन बने थे। ऐसा सम्मान पाने वाले वह पहले खिलाड़ी हैं।

तेंदुलकर समेत भारतीय क्रिकेटर्स ने किया आसमान के रक्षकों को सलाम

उन्होंने लिखा, इंडियन एयरफोर्स का हिस्सा बनकर गर्व और सम्मान महसूस हो रहा है। भारतीय वायु सेना दिवस की शुभकामनाएं! जय हिंद! भारतीय क्रिकेट टीम के हेड कोच गौतम गंभीर ने लिखा, हमारे आसमान के रक्षकों को सलाम! अपनी विस्फोटक सलामी बल्लेबाजी के लिए भारतीय क्रिकेट जगत में पहचान बनाने वाले शिखर धवन ने एक्स पर लिखा, दुनिया की सर्वश्रेष्ठ वायु सेनाओं में से एक का जश्न मनाते हुए आकाश के असली मालिकों को सलाम। 93वें भारतीय वायुसेना दिवस पर खासतौर पर ऑपरेशन सिंदूर को याद किया गया। इस समारोह में देश के जांबाजों को ऑपरेशन सिंदूर में उनकी बहादुरी के लिए सम्मानित किया गया। 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम हुए आतंकवादी हमले में 26 लोगों ने अपनी जान गंवाई थी, जिसके बाद 7 मई को भारत की ओर से जवाबी कार्रवाई शुरू की गई, जिसे ऑपरेशन सिंदूर नाम दिया गया। इस ऑपरेशन में पाकिस्तान में मौजूद आतंकवादी ठिकानों को तबाह किया गया। 93वें भारतीय वायुसेना दिवस के मौके पर चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान समेत चीफ ऑफ एयर स्टाफ एयर चीफ मार्शल एपी सिंह, आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी और चीफ ऑफ नेवल स्टाफ एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने हिंडन एयरबेस पहुंचकर कार्यक्रम में शिरकत की।

समारोह में वायु सैनिकों ने भव्य मार्च पास्ट किया। लड़ाकू विमान रनवे पर प्रदर्शित किए गए। इसके साथ ही भारत की हवाई ताकत और उसकी सटीकता को पूरी दुनिया के सामने दिखाया गया।

रोहित को संन्यास ले लेना चाहिए...

बेइज्जत होने से अच्छा मत खेलो, गौतम गंभीर के खिलाफ दिग्गज ने खोला मोर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के अनुभवी खिलाड़ी रोहित शर्मा को वनडे टीम की कप्तानी से हटा दिया गया है। उनकी जगह युवा खिलाड़ी शुभमन गिल को नया कप्तान बनाया गया है। यह फैसला ऑस्ट्रेलिया दौरे से ठीक पहले लिया गया है। 38 साल के रोहित शर्मा के लिए यह खबर अच्छी नहीं है। अब उन्हें भी बाकी खिलाड़ियों की तरह अपने प्रदर्शन के दम पर टीम में जगह बनानी होगी। अगर उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा तो उन्हें टीम से बाहर भी किया जा सकता है।

शुभमन गिल के कप्तान बनने पर सवाल– शुभमन गिल को कप्तान बनाने का फैसला थोड़ा चौंकाने वाला है। 26 साल के गिल को भविष्य का कप्तान माना जा रहा था लेकिन रोहित शर्मा के रहते हुए जिन्होंने हाल ही में चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी उन्हें इतनी जल्दी कप्तानी देना थोड़ा अजीब लगता है। हालांकि भारतीय क्रिकेट में ऐसे उत्तराधिकार की योजनाएं पहले भी देखी गई हैं। एमएस धोनी के 2019 वर्ल्ड कप से दो साल पहले 2017 में विराट कोहली को वनडे की कप्तानी सौंपी गई थी। लेकिन यहां एक बड़ा अंतर यह है कि रोहित शर्मा 2027 में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले वर्ल्ड कप के लिए टीम का हिस्सा होंगे या नहीं यह पक्का नहीं है।

रोहित शर्मा को ले लेना चाहिए संन्यास

पूर्व भारतीय बल्लेबाज मनोज तिवारी ने 38 वर्षीय रोहित शर्मा से आग्रह किया है कि वे बीसीसीआई से इस तरह का बर्ताव बर्दाश्त न करें और जिस एकमात्र फॉर्मेट में वे अभी सक्रिय हैं उससे संन्यास ले लें। तिवारी का मानना है कि बीसीसीआई का रोहित के प्रति अनादर यहीं नहीं रुकेगा बल्कि और बढ़ेगा। इसलिए इससे पहले कि भारत के महानतम बल्लेबाजों में से एक को और अपमान झेलना पड़े बेहतर होगा कि वे खुद को इस शर्मिंदगी से बचा लें। तिवारी ने कहा, मुझे नहीं लगता कि वे (रोहित) अब उनकी योजनाओं में हैं। अब सब कुछ उनके प्रदर्शन पर निर्भर करेगा। अगर मैं रोहित शर्मा होता तो मैं इसके बाद संन्यास लेने पर विचार करता। उनके जैसे खिलाड़ी को इस तरह के अपमान का हकदार नहीं है।

तिवारी बीसीसीआई के बर्ताव से रोहित शर्मा को देखकर दुखी हैं। रोहित का कप्तानी का कार्यकाल कुछ पूर्व कप्तानों की तुलना में काफी छोटा था यानी चार साल से भी कम। लेकिन इस दौरान रोहित ने भारत को आईसीसी ट्रॉफी का सूखा दो बार खत्म किया। उन्होंने पिछले साल दक्षिण अफ्रीका को हराकर भारत को दूसरा टी20 वर्ल्ड कप जिताया था। और उसके 9 महीने बाद रोहित ने एक और अजेय अभियान का नेतृत्व किया और इस बार चैंपियंस ट्रॉफी जीती।

ओलंपिक पदक विजेता अमन सहरावत को भारतीय कुश्ती महासंघ ने किया निलंबित

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय कुश्ती महासंघ ने मंगलवार को पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाले अमन सहरावत को एक साल के लिए निलंबित कर दिया। 22 वर्षीय सहरावत को सितंबर में क्रोएशिया के जाग्रेब में हुई विश्व चैंपियनशिप में 57 किलोग्राम भार सीमा पार करने के कारण अयोग्य घोषित कर दिया गया था। 23 सितंबर से लागू हुए निलंबन की वजह से सहरावत सितंबर 2026 तक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर

कुश्ती से जुड़ी किसी भी गतिविधि में भाग नहीं ले पाएंगे। अमन सहरावत के निलंबन की पुष्टि भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष संजय सिंह ने की। आईएएनएस को संजय सिंह ने बताया कि अमन सहरावत को अनुशासनात्मक नोटिस भेजा गया था जिसका वे संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। इस वजह से उन्हें निलंबित किया गया। संजय सिंह कहा, भारतीय कुश्ती महासंघ ने वजन संबंधी नियमों का उल्लंघन करने के लिए अमन सहरावत को निलंबित करने की घोषणा की है। 23 सितंबर से प्रभावी यह निलंबन उन्हें राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर किसी भी कुश्ती गतिविधि में भाग लेने से रोकता है। सहरावत 14 सितंबर को अपने निर्धारित मुकाबले से 18 दिन पहले क्रोएशिया के पोरेक में तैयारी शिविर में शामिल हुए थे, जिससे उन्हें नियमों के अनुसार अपना वजन और फिटनेस स्तर बनाए रखने के लिए पर्याप्त समय मिल गया। यह एक साल के भीतर किसी भारतीय पहलवान से जुड़ी तीसरी अनुशासनात्मक घटना है।

जोकोविच का शानदार प्रदर्शन

- **चोट के बावजूद मैच जीतकर क्वार्टरफाइनल में किया प्रवेश**

शंघाई, एजेंसी। नोवाक जोकोविच (ह्श1ड्डद्य ष्ठद्भश्चद्मश1द्बष्) ने अपने बाएं टखने की चोट, शंघाई की उमस और जौम मुनार की चुनौती के बावजूद 11वीं बार शंघाई मास्टर्स के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। दो घंटे 40 मिनट चले इस मुकाबले में सर्बियाई स्टार को पैर की समस्या के कारण कई बार मेडिकल टाइमआउट लेने पड़े और उच्च उमस (82 प्रतिशत से अधिक) के बीच उन्होंने बार-बार सिर पर टॉवल रखा। खेल के दौरान जोकोविच को उल्टी भी हुई और दूसरे सेट में हार के बाद मेडिकल सहायता के लिए जमीन पर गिरना पड़ा। बावजूद इसके, 38 वर्षीय खिलाड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मुनार को 6-3, 5-7, 6-2 से हराया। जोकोविच शंघाई में अब तक हर साल क्वार्टरफाइनल तक पहुंचे हैं और चार बार ट्रॉफी जीत चुके हैं। वर्तमान में दुनिया के पांचवें नंबर के खिलाड़ी और ड्रॉ में शीर्ष रैंकिंग वाले बाएं हाथ के खिलाड़ी का अगला मुकाबला बेल्जियम के ज़िज़िओउ बर्ग्स से होगा।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो बने पहले अरबपति फुटबॉलर, मेसी को पीछे छोड़ा

लंदन, एजेंसी। रोनाल्डो की कमाई का सबसे बड़ा हिस्सा उनके वेतन से आया है। यूरोप में उनका वेतन मेसी के बराबर था, लेकिन 2023 में जब उन्होंने सऊदी अरब के अल नास्त्र क्लब से साइन किया, तो उनकी कमाई में बड़ा अंतर आया।

फुटबॉल के सुपरस्टार क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने अपने करियर में एक और कीर्तिमान स्थापित किया है। इस बार यह रिकॉर्ड गोल्स या ट्रॉफी के लिए नहीं, बल्कि उनकी बैंक बैलेंस के लिए है। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर इंडेक्स के मुताबिक, रोनाल्डो की कुल संपत्ति 1.4 बिलियन यूएस डॉलर (लगभग 11,50,00,00,000 रुपये) आंकी गई है, जिससे वह फुटबॉल के पहले अरबपति खिलाड़ी बन गए हैं। ब्लूमबर्ग ने कहा कि यह पहली बार है जब रोनाल्डो की संपत्ति इस इंडेक्स में शामिल की गई है। इस मूल्यांकन ने उन्हें विश्व फुटबॉल का सबसे अधिक कमाई करने वाला खिलाड़ी बना दिया। इस मामले में उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी लियोनेल मेसी को काफी पीछे छोड़ दिया।

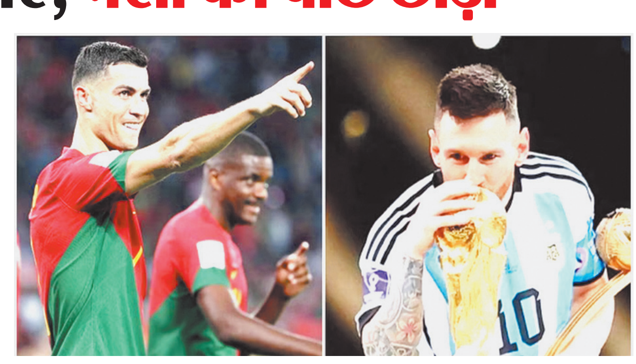

वेतन और क्लब करियर– रोनाल्डो की कमाई का सबसे बड़ा हिस्सा उनके वेतन से आया है। यूरोप में उनका वेतन मेसी के बराबर था, लेकिन 2023 में जब उन्होंने सऊदी अरब के अल नास्त्र क्लब से साइन किया, तो उनकी कमाई में बड़ा अंतर आया। इस सौदे के तहत उन्हें कर-मुक्त 200 यूएस डॉलर मिलियन वार्षिक वेतन और बोनस के रूप में मिले, साथ ही 30 मिलियन यूएस डॉलर का साइनिंग बोनस भी शामिल था। ब्लूमबर्ग के मुताबिक, 2002 से 2023 तक रोनाल्डो ने कुल 550 मिलियन यूएस डॉलर से अधिक वेतन कमाया।

ब्रांड एंडोर्समेंट्स और व्यावसायिक निवेश– रोनाल्डो की कमाई का दूसरा स्तंभ एंडोर्समेंट्स हैं। नाइकी के साथ उनका दस साल का समझौता उन्हें सालाना लगभग 18 मिलियन यूएस डॉलर आमदनी देता है। इसके अलावा अरमानी और कैस्ट्रोल जैसे ब्रांड्स के साथ साझेदारियों से उनकी कुल संपत्ति में लगभग 175 मिलियन यूएस डॉलर का इजाफा हुआ है।

महिला विश्व कप

द. अफ्रीका के खिलाफ शीर्षक्रम के बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद

विशाखापत्तनम, एजेंसी। भारत के शीर्षक्रम के बल्लेबाजों को आत्मविश्वास से ओतप्रोत दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आईसीसी महिला विश्व कप के मैच में बृहस्पतिवार को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। भारत अंकतालिका में दूसरे स्थान पर है लेकिन अगर आस्ट्रेलिया बुधवार को कोलंबो में पाकिस्तान को हरा देती है तो भारत तीसरे स्थान पर खिसक जाएगा।

भारत ने भले ही पिछले दोनों मैच जीते हों लेकिन स्मृति मंधाना, कप्तान हरमनप्रीत कौर और जेमिमा रौड्रिग्स के बल्लों से रन नहीं निकलना चिंता का विषय है। तीनों श्रीलंका के खिलाफ नाकाम रहीं थी जिसके बाद हरलीन देयोल, अमनजोत कौर , रिचा घोष और दीप्ति शर्मा ने टीम को संकट से निकाला। श्रीलंका के खिलाफ भारत ने छह विकेट 124 रन पर और पाकिस्तान के खिलाफ पांच विकेट 159 रन पर गंवा दिए थे। निचले क्रम के बल्लेबाजों का योगदान नहीं होता तो भारत की स्थिति खराब हो सकती थी। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हालांकि इस तरह की गलती नहीं की जा सकती और शीर्षक्रम के बल्लेबाजों को बेहतर प्रदर्शन करना ही होगा। अगर नतीजा भारत के पक्ष में नहीं रहता तो अंकतालिका में स्थिति खराब होने के अलावा पिछले चैम्पियन आस्ट्रेलिया के खिलाफ 12 अक्टूबर को होने वाले मुकाबले में भी टीम पर दबाव रहेगा।

भारतीय टीम प्रबंधन हालांकि सकारात्मक पहलू देखना चाहेगा कि स्टार बल्लेबाजों के नहीं चलने पर भी जीत टीम की गहराई को दिखाती है। लेकिन उन्हें यह स्वीकार करना होगा कि मंधाना, हरमनप्रीत और जेमिमा का बल्ला दक्षिण अफ्रीका या आस्ट्रेलिया जैसे दिग्गजों के खिलाफ खामोश रहा तो यह निर्णायक साबित हो सकता है। दूसरी ओर गेंदबाजों ने अभी तक अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्हें यह भी देखना होगा कि एसीए . वीडीसीए स्टेडियम की पिच गुवाहाटी या कोलंबो की तरह नहीं है। दीप्ति शर्मा अभी तक छह

विकेट ले चुकी है जिन्हें साथी स्पिनरों स्नेह राणा और श्री चरणी से अच्छा सहयोग मिला।

तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ भी प्रभावी रही हैं। बीमारी के कारण पाकिस्तान के खिलाफ मैच से बाहर रही तेज गेंदबाज हरफनमौला अमनजोत कौर की फिटनेस पर भी नजरें होंगी। फिट होने पर वह टीम में रेणुका सिंह ठाकुर की जगह लेंगी। दक्षिण अफ्रीका ने पिछले मैच में न्यूजीलैंड को छह विकेट से हराकर वापसी की। वहले मैच में इंग्लैंड के खिलाफ 69 रन पर सिमटने के बाद टीम दस विकेट से हार गई थी। शतक जमाने वाली तजमीन ब्रिट्ज और भरोसेमंद सुने लूस के अलावा कप्तान लौरा वोल्वार्ट, मरियाने काप और एलेके बॉश से भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी। गेंदबाजी में नोंकु एमलाबा, अयाबोंगा खाका, काप, मसाबाता क्लास और क्लो ट्रायॉन पर नजरें रहेंगी।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली के गांधी विहार में फ्लैट में धमाके संग लगी आग

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तरी दिल्ली के गांधी विहार के एक फ्लैट में लगे विंडो एसी में विस्फोट होने से आग लग गई, जिसमें 25 वर्षीय छात्र रामकेश मीना की जलने से मौत हो गई। तिमारपुर पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम कर परिजनों को सौंप दिया। रामकेश राजस्थान के अलवर जिले का रहने वाला था और यूपीएससी की सिविल सेवा परीक्षाओं की तैयारी कर रहा था। वह पिछले एक साल से गांधी विहार ई ब्लॉक स्थित चौथी मंजिल पर रह रहा था। पुलिस के अनुसार, इमारत में हवा के निकास की कोई व्यवस्था नहीं थी। कमरे से बाहर निकलने का एकमात्र रास्ता दरवाजे के ऊपर लगी खिड़की ही थी, जिसमें एसी लगाया गया था। सोमवार तड़के करीब तीन बजे एसी में विस्फोट के बाद आग फैल गई। कमरे में फंसे रामकेश बाहर नहीं निकल पाए और लोहे का गेट गर्म होने के कारण जिंदा जल गए। घटना की सूचना तीसरी मंजिल पर मौजूद छात्र ने पीसीआर को दी, जिसके बाद दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाया। कमरे में पहुंचकर पुलिस ने बुरी तरह झुलसा हुआ शव देखा। मकान मालिक से पूछताछ के आधार पर पुलिस ने मृतक की पहचान रामकेश मीना के रूप में की। पुलिस अधिकारी ने बताया कि मृतक के पिता पूरन मल मीना सोमवार दोपहर तक पहुंचे और पोस्टमॉर्टम के बाद शव की पहचान कर ली। रामकेश के परिजनों ने बताया कि उन्होंने फ्लैट में विंडो एसी इसलिए लगवाया था।

दिल्ली वाले सावधान! खोये में नकली खुशबू डालकर बेच रहे, बीमार हो रहे लोग

नई दिल्ली, एजेंसी। मिलावटी खाद्य वस्तुओं का इस्तेमाल सेहत के लिए घातक हो सकता है। इसके मद्देनजर दिल्ली सरकार का खाद्य सुरक्षा विभाग मिलावटखोरों पर शिकंजा कसने के लिए क्राइम ब्रांच की मदद ले रहा है। क्राइम ब्रांच की खुफिया जानकारी के आधार पर दोनों विभागों की टीमें संयुक्त छापेमारी कर रही हैं। यही वजह है कि हाल ही में नकली घी के बड़ी खेप बरामद की गई है। दिल्ली सरकार ने भी खाद्य सुरक्षा विभाग को मिलावट खोरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। इसके मद्देनजर खाद्य सुरक्षा विभाग ने 11 जिलों में अलग-अलग टीम गठित कर खाद्य वस्तुओं के सैंपल उठा रही है। बताया जा रहा है कि इस अभियान के दौरान खाद्य वस्तुओं के अब तक 139 सैंपल उठाए गए हैं। एनसीआर से आने वाले खोया के ट्रकों की जांच कर नमूने लिए जा रहे हैं। हाल ही में विभाग ने मुस्तफाबाद, करावल नगर, जाफराबाद में नकली खोया की खेप को पकड़ा गया है। विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि छापेमारी और सैंपलिंग का अभियान त्योहार के पूरे सीजन में जारी रहेगा। खाद्य सुरक्षा विभाग ने रविवार को प्रशांत विहार में छापेमारी कर दस नमूने लिए। कुछ दिन पहले मोरी गेट की खोया मंडी में छापेमारी कर 11 ट्रकों से खोया के 11 नमूने लिए गए थे। इसे जांच के लिए लारेंस रोड स्थित विभाग की लैब भेजा गया है। इसकी रिपोर्ट 14 दिन में आएगी। अब तक विभाग के पास मिलावट के 15 से 20 मामले सामने आ चुके हैं। खाद्य सुरक्षा विभाग के डिप्टी कमिश्नर रंजीत सिंह ने बताया कि खोया पिंडियों में मिलावट हो रही है। इसमें नकली खुशबू और रंग मिलाने की शिकायतें आ रही हैं। उन्होंने बताया कि गोपनीय कमेटी बना दी गई हैं, जो लोगों से सूचना एकत्र कर रही है। उसके बाद खोया मंडी, फैक्ट्री व मिठाइयों की दुकानों से नमूने लिए जा रहे हैं। पांच मिलीमीटर पानी में खोया या पनीर का छोटा टुकड़ा लेकर मिला दें। पानी ठंडा होने पर उसमें दो से तीन बूंद आयोडिन टिंचर डालें। यदि ग्लास में पानी का रंग बदल कर नीला हो जाए तो इसका मतलब है कि मिलावट है।

195 एकड़ जमीन के साथ चुन ली गईं दो जगहें

दिल्ली में तैयार होंगे 17 नए जंगल?

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली की हवा को ताज़ा करने और शहर को हरा-भरा बनाने के लिए सरकार ने कमर कस ली है। पर्यावरण मंत्री मंजिंदर सिंह सिरसा ने बताया कि 17 नए जंगल विकसित करने की योजना तैयार है, जिसमें 15 नमो वन और दो घने मियावाकी जंगल शामिल हैं। ये जंगल न केवल दिल्लीवासियों को हरियाली के बीच सुकून देंगे, बल्कि प्रदूषण से जंग और तापमान नियंत्रण में भी मदद करेंगे।

कहां बनेंगे ये जंगल?

वन विभाग ने इसके लिए खास जगहें चुनी हैं। दक्षिण दिल्ली में सतबारी और मैदानगढ़ी में 18.6-18.6 एकड़ के दो जंगल बनेंगे। बाकी जंगल उत्तरी और उत्तर-पश्चिमी दिल्ली में होंगे, खासकर रोहिणी और नरेला में। रोहिणी में सात जंगल (बरवाला, पहलादपुर बागर, पंसाली, महमूदपुरा माजरी आदि) और नरेला में तीन जंगल (सी-बी4 नरेला, मामूरपुर, जी7 और जी8) बनाए जाएंगे। इसके अलावा, अलीपुर में तीन जंगल 12, 12.2 और 28 एकड़ में फैलेंगे।

नजफगढ़ के पास खरखरी जटमल (6.02 एकड़) और जैनपुर (11.21 एकड़) में मियावाकी जंगल बनाए जाएंगे। ये जंगल जापानी वैज्ञानिक अकिरा मियावाकी की तकनीक से तैयार होंगे, जिसमें देशी पौधों को पास-पास लगाकर घना जंगल बनाया जाता है। ये जंगल सामान्य जंगलों से 30 गुना घने होते हैं और कुछ ही सालों में परिपक्व हो जाते हैं। खास बात यह है कि खरखरी जटमल का एक जंगल सिखों के नौवें गुरु, गुरु तेग बहादुर की 350वीं शहादत वर्षगांठ को समर्पित होगा। ये जंगल बंजर जमीनों को हरे-भरे नखलिस्तान में बदल देंगे। ये न केवल दिल्ली की खूबसूरती बढ़ाएंगे, बल्कि प्रदूषण कम करने और कार्बन सोखने में भी मदद करेंगे। दिल्लीवासियों को जल्द ही नए हरे ठिकाने मिलेंगे।

कब शुरू होगा काम?

वन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मिट्टी की जांच सहित सारी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। अगर मौसम ने साथ दिया, तो नवंबर से पौधरोपण शुरू हो सकता है। वरना, फरवरी में काम शुरू होगा। मियावाकी जंगल छह से आठ महीनों में ही जंगल का रूप ले लेते हैं, जबकि नमो वन को परिपक्व होने में चार से पांच साल लग सकते हैं। हर जंगल में कम से कम 10 तरह की प्रजातियां लगाई जाएंगी ताकि जैव-विविधता बढ़े। मियावाकी जंगलों में पौधे एक-दूसरे के पास लगाए जाएंगे, जबकि नमो वन में बड़े पेड़ों के बीच 3×3 मीटर का फासला होगा और बीच में झाड़ियां व घास लगाई जाएंगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पिछले महीने नमो वन योजना की घोषणा की थी। इसके बाद कई बैठकों में बंजर जमीनों को हरे-भरे जंगलों में बदलने की योजना बनाई गई। दिल्ली के वन्यजीव शोधकर्ता फैयाज खुदसार ने इस कदम की सराहना की, लेकिन जोर दिया कि स्थानीय प्रजातियों का इस्तेमाल जरूरी है। क्षेत्र में अरावली की देशी प्रजातियां और यमुना के मैदानी इलाकों में वहां की देशी प्रजातियां लगानी होंगी।

आवास खाली न करने वाले जजों पर कार्रवाई के कोई नियम नहीं

आरटीआई के जवाब में दिल्ली हाईकोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। रिटायर्मेंट या ट्रांसफर के बाद भी सरकारी बंगला न खाली करने वाले जजों के खिलाफ कार्रवाई के लिए कोई नियम नहीं हैं। दिल्ली हाईकोर्ट ने आरटीआई अधिनियम के तहत पूछे गए एक सवाल के जवाब में ये बात कही है। कोर्ट की आरटीआई सेल ने पिछले कुछ वर्षों में अनिवार्य रियायती अवधि समाप्त होने के बाद भी सरकारी बंगलों को अपने पास रखने वाले जजों का विवरण साझा करने से इनकार कर दिया। जाने-माने आरटीआई कार्यकर्ता सुभाष चंद्र अग्रवाल ने अगस्त में हाई कोर्ट का रुख किया था। उन्होंने यह जानना चाहा था कि रिटायरमेंट, ट्रांसफर या प्रमोशन के बाद जजों द्वारा सरकारी बंगले को अपने पास रखने को लेकर क्या नियम हैं और उन्हें कितने समय तक बिना किराए के रहने की अनुमति है।

कोर्ट ने कहा कि आवास को अपने पास रखना (रिटेंशन) अनुमेय है, रिटायरमेंट के मामले में 30 दिन तक और ट्रांसफर/प्रमोशन के मामले में 90 दिन तक, और लागू दिशानिर्देशों के अनुसार समय-सीमा बढ़ाई जा सकती है। लेकिन कोर्ट ने यह बताने से इनकार कर दिया कि इस मामले में लागू दिशानिर्देश क्या हैं। अग्रवाल का अगला सवाल उन नियमों के बारे में था जिनके तहत उन जजों के खिलाफ कार्रवाई की जाती है जो रियायती अवधि समाप्त होने के बाद भी सरकारी आवास खाली नहीं करते हैं, और क्या ज़्यादा समय तक रहने पर उन्हें बेदखल करने का कोई प्रावधान है। कार्रवाई के नियमों से जुड़े सवाल पर जवाब अस्पष्ट और एक-लाइन का था- ऐसे कोई नियम मौजूद नहीं हैं।

हमने सारी उम्मीदें खो दीं.. निठारी कांड पर सुको का फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली, एजेंसी। नोएडा का निठारी गांव एक बार फिर सुर्खियों में है, लेकिन इस बार खबरों में उम्मीद की जगह निराशा और लाचारी का माहौल है। करीब दो दशक पहले 2006 में हुए दिल दहलाने वाले हत्याकांड ने पूरे देश को झकझोर दिया था। अब, सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को मुख्य आरोपी सुरेंद्र कोली की सजा पर फैसला सुरक्षित रखा और टिप्पणी की कि उनकी सजा को बरकरार रखना इंसाफ का मजाक होगा। इस बयान ने पीड़ित परिवारों की बची-खुची उम्मीदों को भी तोड़ दिया है। पंढेर के घर में नौकर सुरेंद्र कोली पर 13 मामलों में आरोप लगे थे, जबकि मोनिंदर सिंह पंढेर पर छह मामलों में। 2006 में बच्चों और लड़कियों के गायब होने और डी-5 बंगले के पास हड्डियों व खोपड़ियों के मिलने से इस हत्याकांड का खुलासा हुआ था। उत्तर प्रदेश पुलिस ने 29 दिसंबर 2006 को कोली और पंढेर को गिरफ्तार किया था। बाद में जांच सीबीआई को सौंपी गई।

छलका पीड़ित परिवारों का दर्द

वो खौफनाक मंजर, जो आज भी जिंदा है

निठारी के सेक्टर 31 में स्थित डी-5 बंगले के बाहर आज घने झाड़ और बेलों ने कब्जा जमा लिया है। दीवारें जर्जर हो चुकी हैं, ठीक उसी तरह जैसे इस केस की यादें धुंधली पड़ती जा रही हैं। लेकिन उन माता-पिताओं के लिए, जिन्होंने अपने बच्चों को खोया, ये दर्द आज भी ताजा है। एक 63 साल के पिता, जिनकी 10 साल की बेटी 2006 में स्कूल से लौटते वक्त लापता हो गई थी, बताते हैं, हमने अपनी पूरी जिंदगी इंसाफ की लड़ाई में झोंक दी।

सड़कों पर चढ़ेगा नया रंग, पीडब्ल्यूडी ने बनाया मेगा मेकओवर का प्लान

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की सड़कें अब धूल और गड्ढे से मुक्त होने वाली हैं। पीडब्ल्यूडी ने साउथ दिल्ली की प्रमुख सड़कों को चमकाने और मजबूत करने के लिए एक शानदार योजना तैयार की है। रिंग रोड से लेकर हौज खास विलेज तक, कई व्यस्त सड़कें जल्द ही नई चमक के साथ नजर आएंगी। इन सड़कों के मेकओवर के लिए 61 करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च किए जाएंगे। पीडब्ल्यूडी ने 61.88 करोड़ रुपये की लागत से सड़क मरम्मत और सौंदर्यीकरण का जोरदार प्लान बनाया है। इस प्रोजेक्ट में दक्षिण दिल्ली की 13 अहम सड़कों को नया जीवन दिया जाएगा। रिंग रोड (सफदरजंग हॉस्पिटल से हयात होटल तक), आउटर रिंग रोड (आईआईटी फ्लाईओवर से अफ्रीका एवेन्यू जंक्शन) और ग्रीन पार्क, हौज खास, साकेत की आंतरिक सड़कें इस मेकओवर का हिस्सा होंगी।

लेजर और वीडियो से होगी सड़कों की जाँच

काम शुरू करने से पहले पीडब्ल्यूडी नेटवर्क सर्वे व्हीकल की मदद से सड़कों की हालत का बारीकी से जायजा लेगा। यह हाई-टेक गाड़ी लेजर और वीडियो इमेजिंग से सड़कों की खुरदरापन, दरारें, गड्ढे और ढलान का डिजिटल रिकॉर्ड बनाएगी। एक अधिकारी ने बताया, पहले निरीक्षण आंखों से होता था, अब हस्ड्ङ से डेटा आधारित जवाबदेही आएगी। काम पूरा होने के छह महीने बाद दोबारा सर्वे होगा, ताकि सड़कों की लंबी उम्र का आकलन हो सके। सड़कों के मेकओवर के दौरान कुछ जगह ट्रैफिक भी डायवर्ट रहेगा। लेकिन पीडब्ल्यूडी ने लोगों को कम दिक्कत हो इसका भी प्लान बनाया है। ज्यादातर काम रात में होगा और ट्रैफिक पुलिस की मदद से डायवर्जन प्लान तैयार किए जाएंगे। वजीराबाद रोड, आउटर रिंग रोड और मथुरा रोड पर कुछ जाम की स्थिति बन सकती है।

पर्यावरण के साथ टेक्नोलॉजी का तड़का

पीडब्ल्यूडी इस बार सड़कों को मजबूत करने के लिए आधुनिक और पर्यावरण-अनुकूल तरीके अपनाएगा। कोल्ड मिलिंग और रीसाइक्लिंग तकनीक से पुराने डामर को दोबारा इस्तेमाल किया जाएगा, जिससे नए कच्चे माल की जरूरत 30 तक कम होगी। इसके अलावा, 8 वेस्ट प्लास्टिक को बिटुमिनस मिक्स में शामिल किया जाएगा। सड़कों पर पॉलिमर मॉडिफाइड बिटुमेन की परत चढ़ेगी, जो दिल्ली की बदलती ठंड-गर्मी में दरारों से बचाएगी। इस बार पीडब्ल्यूडी का फोकस सिर्फ सड़क की सतह तक सीमित नहीं है। ग्रीन पार्क मार्केट और हौज खास विलेज में ड्रेनेज सिस्टम और फुटपाथ को भी अपग्रेड किया जाएगा। अरुणा असफ अली मार्ग और वेदांत देशिका मार्ग के सेंट्रल वर्ज को हरा-भरा और सुंदर बनाया जाएगा। पीडब्ल्यूडी के एक अधिकारी ने कहा, अब हर सड़क प्रोजेक्ट में ड्रेनेज, फुटपाथ और लैंडस्केपिंग शामिल होगी, ताकि दिल्ली की सड़कें मौसम की मार भी झेल सकें।

नहीं थमेगी बारिश, 252 किमी रफ्तार से चली हवा

मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट

टोक्यो, एजेंसी।
जापान के मौसम एजेंसी ने तूफान हैलोंग को लेकर अलर्ट जारी किया है। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी के अनुसार, बुधवार सुबह 9 बजे तक यह तूफान प्रशांत महासागर में सक्रिय था और उत्तर दिशा में 15 किमी/घंटा की गति से आगे बढ़ रहा है। इसे टाइफून नंबर 22 का नाम दिया गया है। एजेंसी ने बताया कि इसका केंद्रीय वायु दाब 935 हेक्टोपास्कल है, जबकि अधिकतम हवा की गति 252 किमी/घंटा तक पहुंच रही है, जो इसे अत्यंत शक्तिशाली बना रहा है।

विभाग के अनुमान के अनुसार, दोपहर तक तूफान अपनी तीव्रता कायम रखेगा और कांतो क्षेत्र के दक्षिण में पूर्व की ओर मुड़ने की आशंका है। मौसम विज्ञान एजेंसी ने हैलोंग को अत्यंत शक्तिशाली तूफान की श्रेणी में रखा है। यह जापान के दक्षिणी समुद्री क्षेत्र में उत्तर की ओर बढ़ रहा है, जहां इसका केंद्र (आई) स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। एजेंसी का अनुमान है कि आज रात यह ईजू द्वीपसमूह के पास पहुंचेगा और 9 अक्टूबर को हाचीजोजिमा तथा आओगाशिमा जैसे दक्षिणी द्वीपों से टकरा सकता है। इससे भयानक हवाएं और तेज बारिश का खतरा है। ईजू द्वीपों पर प्रति घंटा 80 मिलीमीटर से अधिक बारिश और कुल 200 मिलीमीटर तक वर्षा हो सकती है, जिससे बाढ़, भूस्खलन और निचले इलाकों में जलभराव हो सकता है।

एजेंसी के अनुसार, हवा की रफ्तार 50 मीटर/सेकंड (लगभग 180 किमी/घंटा) तक हो सकती है, जबकि झोंकें 70 मीटर/सेकंड (250 किमी/घंटा) तक पहुंच सकते हैं।

अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लिए हानिकारक ट्रंप के टैरिफ

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की जानी-मानी अर्थशास्त्री और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की पूर्व मुख्य अर्थशास्त्री गीता गोपीनाथ ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ (आयात शुल्क) नीति पर तीखी आलोचना की है। उन्होंने कहा कि ट्रंप की तरफ से लगाए गए ऊंचे शुल्कों से अमेरिकी अर्थव्यवस्था को कोई खास लाभ नहीं हुआ, बल्कि इसका असर उल्टा पड़ा है। डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी निर्माण क्षेत्र को बढ़ावा देने और व्यापार घाटा कम करने के नाम पर भारत, ब्राजील जैसे देशों से आने वाले उत्पादों पर 50 प्रतिशत तक और पेटेंटेड दवाओं पर 100 प्रतिशत तक शुल्क लगा दिया था। उनका दावा था कि इससे अमेरिकी कंपनियों को फायदा होगा और देश में उत्पादन बढ़ेगा। गीता गोपीनाथ की समीक्षा छह महीने बाद गीता गोपीनाथ ने इस नीति के असर का विश्लेषण किया और अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, लिबरेशन डे टैरिफ के छह महीने बीत गए हैं, इनसे क्या हासिल हुआ? उन्होंने चार मुख्य बिंदुओं में ट्रंप की नीति की समीक्षा की हैं।

इक्वाडोर के राष्ट्रपति पर हमला, काफिले पर चलाई गोलियां

क्वीटो, एजेंसी। इक्वाडोर के राष्ट्रपति डेनियल नोबोआ पर जानलेवा हमला हुआ है। दरअसल करीब 500 प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति नोबोआ के काफिले पर हमला किया और पत्थर मारे। गनीमत रही कि इस हमले में राष्ट्रपति नोबोआ को चोट नहीं पहुंची और वे सुरक्षित हैं। इक्वाडोर सरकार के मंत्री इनेस मानजानो ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि राष्ट्रपति पर हमले की रिपोर्ट दर्ज की गई है। जानलेवा हमले की धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा कि कार पर गोलियां चलने का पता चला है। फिलहाल पुलिस ने पांच आरोपियों को हिरासत में लिया है। राष्ट्रपति कार्यालय की तरफ से बताया गया है कि सभी आरोपियों के खिलाफ आतंकवाद और जान लेने की साजिश रचने के आरोप लगेंगे। राष्ट्रपति नोबोआ पर हमला राष्ट्रीय मूल नागरिक संघ के विरोध प्रदर्शन के दौरान हुआ। यह संघ बीते दो हफ्ते से विरोध प्रदर्शन कर रहा है। प्रदर्शनकारी सरकार के उस फैसले का विरोध कर रहे हैं, जिसमें डीजल सब्सिडी को सरकार ने घटाकर कम कर दिया है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि सरकार के इस फैसले से छोटे किसान और मूल नागरिक समाज के लोग सबसे ज्यादा प्रभावित होंगे। संघ के एक विरोध प्रदर्शन के दौरान ही राष्ट्रपति नोबोआ के काफिले पर हमला हुआ। जिस जगह राष्ट्रपति डेनियल नोबोआ के काफिले पर हमला हुआ।

इस्लामिक स्टेट और लश्कर के बीच गठबंधन, आतंकियों ने गिफ्ट की पिस्तौल

इस्लामाबाद, एजेंसी।
पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के संरक्षण में दो खतरनाक आतंकी संगठनों- इस्लामिक स्टेट खुरासान प्रांत (आईएसकेजेपी) और लश्कर-ए-तैयबा (लश्कर) के बीच गठजोड़ का चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। खुफिया एजेंसियों के एक गोपनीय डोजियर के अनुसार, यह गठबंधन न केवल बलूचिस्तान और अफगानिस्तान में अस्थिरता फैलाने का प्रयास कर रहा है, बल्कि भारत के केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को दोबारा खड़ा करने की पाकिस्तानी सेना की साजिश का भी हिस्सा है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान ने जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम), हिजबुल मुजाहिदीन (एचएम) और लश्कर जैसे आतंकी संगठनों को खैबर पख्तूनख्वा (केपीके) प्रांत में शिफ्ट किया है। खुफिया डॉसियर में संकेत दिए गए हैं कि आईएसआई अब आईएसकेपी को नए मकसदों के लिए इस्तेमाल कर रही है। अब आईएसकेजेपी को पाकिस्तानी सेना

बलूच राष्ट्रवादियों और इस्लामाबाद के अधीन न रहने वाले तालिबान गुटों को निशाना बनाने के लिए इस्तेमाल कर रही है। इसमें भारत के जम्मू-कश्मीर को अस्थिर करने के प्रयास भी शामिल हैं। यह घटनाक्रम ऐसे समय हुआ है जब इस साल पहलगाम में पाकिस्तान प्रशिक्षित आतंकियों द्वारा हमला किया गया था। रिपोर्ट बताती है कि पाकिस्तान अपने नए प्रॉक्सी नेटवर्क के तहत आईएसकेपी और लश्कर जैसे संगठनों को एकजुट कर क्षेत्र में हिंसा को फिर से भड़काने की कोशिश कर रहा है।

नया खुलासा: मेंगल-अशफाक की मुलाकात ने बढ़ाई हलचल: एक हालिया तस्वीर में आईएसकेपी के बलूचिस्तान समन्वयक मीर शफीक मेंगल को लश्कर-ए-तैयबा के कमांडर राना मोहम्मद अशफाक को एक पिस्तौल भेंट करते देखा गया है। यह प्रतीकात्मक घटना दोनों संगठनों के बीच बढ़ते गठजोड़ की पुष्टि करती है। रिपोर्ट के अनुसार, मीर शफीक मेंगल बलूचिस्तान के मस्तुंग और खुजदार इलाकों में आईएसकेपी के संचालन की देखरेख कर रहा है, जिसमें सुरक्षित ठिकानों, धन और हथियारों का प्रबंधन शामिल है। वहीं राना अशफाक नए आतंकी नेटवर्क तैयार करने और अन्य चरमपंथी गुटों से तालमेल स्थापित करने में जुटा है। मस्तुंग और खुजदार जिलों में 2018 से आईएसकेजेपी के दो मुख्य ऑपरेशनल बेस स्थापित हैं, जहां आईएसआई वित्तीय और हथियार आपूर्ति कर रही है। इन कैंपों का नेतृत्व मेंगल ने किया था, जिनका उद्देश्य बलूच विद्रोहियों को निशाना बनाना और अफगानिस्तान में सीमापार हमले करना था। मार्च 2025 में बलूच लड़ाकों ने मस्तुंग में आईएसकेजेपी के एक ठिकाने पर हमला कर 30 से अधिक आतंकियों को मार गिराया था। इसके जवाब में आईएसआई ने लश्कर को हस्तक्षेप के लिए निर्देशित किया। लश्कर-ए-तैयबा भी बलूचिस्तान में लंबे समय से सक्रिय रहा है। 2002 से 2009 के बीच उसका एक प्रशिक्षण केंद्र क्वेटा में संचालित हुआ करता था, जहां 2006 में इंडियन मुजाहिदीन के आतंकी यासिन भटकल ने प्रशिक्षण लिया था।

कुड़मी समाज को एसटी में शामिल करने की मांग के विरोध में आदिवासी समाज की आक्रोश रैली

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो में कुड़मी समाज को अनुसूचित जनजाति (एसटी) की सूची में शामिल करने की मांग के विरोध में बुधवार को आदिवासी समाज ने विशाल आक्रोश रैली निकाली। इस रैली का नेतृत्व आदिवासी नेता अमित सोरेन, आकाश टुडू और डिफेंस किस्कू ने किया। जिले के सभी नौ प्रखंडों से बड़ी संख्या में पुरुष, महिलाएं और बच्चे पारंपरिक वेशभूषा, हथियारों और सरना झंडे के साथ शामिल हुए। रैली नया मोड़ बिरसा चौक से शुरू होकर जुलूस के रूप में डीसी ऑफिस

पहुंची, जहां आदिवासी समाज के लोगों ने जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान प्रशासन द्वारा लगाए गए बैरिकेडिंग को भी आक्रोशित भीड़ ने तोड़ दिया। रैली में शामिल नेताओं ने कहा कि कुड़मी समाज को एसटी में शामिल करने का प्रयास आदिवासियों के संवैधानिक अधिकारों और पहचान पर सीधा हमला है, जिसे किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नेताओं ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि वोट बैंक की राजनीति के तहत ऐसी मांगों को हवा दी जा रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि आदिवासियों के हक और अस्तित्व पर डाका डालने की कोशिश जारी रही, तो आंदोलन और व्यापक होगा। रैली के दौरान आदिवासी समाज के प्रतिनिधियों ने बोकारो डीसी के माध्यम से राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, राज्यपाल और मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में स्पष्ट किया गया कि कुड़मी समाज को एसटी में शामिल करने का कोई भी निर्णय आदिवासी समुदाय को अस्वीकार्य होगा। आदिवासी नेताओं ने कहा कि यह सिर्फ अधिकारों की लड़ाई नहीं, बल्कि अपनी संस्कृति, परंपरा और अस्तित्व की रक्षा का आंदोलन है। उन्होंने सरकार से अपील की कि वह जनजातीय समाज की भावना का सम्मान करे और इस विवादास्पद मांग पर कोई निर्णय न ले। लगातार बढ़ते तनाव के बीच जिला प्रशासन सतर्क है।

संक्षिप्त समाचार

आक्रोशित विस्थापितों ने इस्पात सचिव के बोकारो आगमन का किया विरोध

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो स्टील प्लांट के विस्थापितों ने आज सेल सेक्रेटरी के बोकारो आगमन पर काला झंडा दिखाकर विरोध प्रदर्शन किया। विरोध को देखते हुए रूट को भी बदल दिया गया। विस्थापित

संगठन के लोग इस्पात सचिव और सेल अध्यक्ष से वार्ता के लिए समय की मांग कर रहे थे। लेकिन प्रबंधन ने समय नहीं दिया। आक्रोशित विस्थापितों ने सैकड़ो की संख्या में बैनर पोस्टर और काला झंडा लगाकर विरोध किया। इस दौरान पुलिस के अधिकारी, पदाधिकारी और जवानों ने विस्थापितों को सड़क से हटाने की कोशिश की। इस दौरान नोक झोंक भी हुई। विस्थापित नेताओं ने कहा कि अगर हम लोगों को नियोजन की प्रक्रिया में शामिल नहीं किया जाता है तो बोकारो स्टील के सभी 11 मुख्य गेट को अनिश्चितकाल के लिए बंद कर देंगे। अब हम लोग आंदोलन पूरी तरह से गांधीवादी तरीके से करेंगे और इसके लिए जिम्मेदार सेल प्रबंधन होगा। क्योंकि अप्रेंटिस करने के बाद भी हमें नियोजन नहीं दिया जा रहा है।। शाहिद स्थापित प्रेम महतो को भी अभी तक न्याय नहीं मिला है ।

आईआईटी आईएसएम की टीम ने की खदान कर्मियों के स्वास्थ की जांच

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। आईआईटी ,आईएसएम के इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर संजीव कुमार रघुवंशी और उनकी रिसर्च टीम ने हाल ही में बोकारो स्थित खास महल कोयला खदान में एक हेल्थ आउटरीच प्रोग्राम आयोजित किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य खदान कर्मियों के स्वास्थ्य की जांच और तकनीक आधारित मेडिकल समाधान

तक उनकी पहुंच बढ़ाना था। इस दौरान टीम ने मजदूरों से बातचीत की और विभाग में विकसित मोबाइल आधारित ईसीजी मापन प्रणाली की मदद से मौके पर ही स्वास्थ्य जांच की। कई मजदूरों के ईसीजी डेटा को वहीं रिकॉर्ड और विश्लेषण किया गया, जिसके परिणाम तुरंत उनके मोबाइल फोन पर साझा किए गए। यह पहल विभाग की उस प्रतिबद्धता को दर्शाती है जिसमें कम लागत वाली, पोर्टेबल मेडिकल तकनीकों को विकसित कर औद्योगिक कर्मियों के स्वास्थ्य और कल्याण को समर्थन देने का प्रयास किया जा रहा है। यह कार्यक्रम तकनीकी नवाचार और सामुदायिक जुड़ाव का उत्कृष्ट उदाहरण है। आईआईटी (आईएसएम) धनबाद प्रो. संजीव कुमार रघुवंशी और उनकी रिसर्च टीम को बधाई देता है, जिन्होंने सेंसर टेक्नोलॉजी और मेडिकल इनोवेशन के क्षेत्र में लगातार उत्कृष्ट योगदान दिया है और समाज की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए कम लागत वाले तकनीकी समाधान विकसित किए हैं।

सदर अस्पताल में हेल्पिंग हैंड्स ने लगाया रक्तदान शिविर

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। हेल्पिंग हैंड्स संस्था के द्वारा बोकारो सदर अस्पताल के ब्लड बैंक में ब्लड डोनेशन कैंप का आयोजन किया गया। इस ब्लड डोनेशन कैंप में प्रदेश कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सह संस्था के अध्यक्ष राजेश ठाकुर भी शामिल हुए। सबसे पहले बोकारो में ब्लड बैंक

की स्थापना करने वाले डॉक्टर यू मोहती को उनके निधन पर श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया इस दौरान संस्था के सदस्यो के अलावा आम लोगों ने भी रक्तदान किया। कांग्रेस प्रदेश के पूर्व अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि रक्त दान महादान है। ऐसे में सभी लोगों को रक्तदान करना चाहिए। डॉक्टर यू मोहती जिन्होंने ब्लड बैंक की स्थापना की थी डोनेशन के लिए बोकारो के लोगों को प्रेरित किया था, आज वह हमारे बीच नहीं है। लेकिन उनका प्रयास आज भी बोकारो में निरंतर जारी है।

युवक ने की आत्महत्या, परिवार में मातम

झरिया (धनबाद)/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जोड़ापोखर थाना क्षेत्र के जामाडोबा नुनिकडीह में एक युवक ने आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान 25 वर्षीय शिबू रवानी के रूप में हुई है।जानकारी के अनुसार, शिबू रवानी अविवाहित था और स्थानीय एक डेकोरेटर के यहां पंडाल निर्माण का काम करता था। मंगलवार की देर रात उसने अपने कमरे में पंखे के सहारे रस्सी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली।घटना की सूचना मिलते ही जोड़ापोखर पुलिस दल एवं निवर्तमान पार्षद जय कुमार मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए धनबाद भेज दिया है। मृतक की मां माला देवी ने बताया कि वे और उनका बेटा मजदूरी कर किसी तरह परिवार का गुजारा करते थे। उन्होंने कहा कि शिबू रात में खाना खाने के बाद कमरे में चला गया, लेकिन कुछ देर बाद जब आवाज नहीं आई तो देखा कि वह फंदे से झूल रहा था। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।घटना के बाद परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल है, पूरे मोहल्ले में शोक की लहर है।

खूंटी में कांग्रेसियों के एक गुट ने प्रदेश प्रभारी से जिलाध्यक्ष को हटाने की मांग की

खूंटी/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। खूंटी में कांग्रेसियों के एक गुट ने डाड़ीगुटू में झारखंड प्रभारी के. राजू और प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के वाहन को रोका और युवा कांग्रेस अध्यक्ष अरुण संगा के नेतृत्व में जमकर नारेबाजी की। जिलाध्यक्ष हटाओ कांग्रेस बचाओ, स्लीपर सेल नहीं चलेगा के नारे लगाए साथ ही कांग्रेस पार्टी जिंदाबाद के नारे भी लगाए। बता दें कि खूंटी कांग्रेस जिलाध्यक्ष रवि मिश्रा के दुबारा कांग्रेस जिलाध्यक्ष बनाए जाने पर खूंटी कांग्रेस का एक वर्ग नाराज है और जिलाध्यक्ष के चुनाव को महज छलावा बताया है। कांग्रेस ओबीसी मोर्चा, अल्पसंख्यक मोर्चा, युवा मोर्चा और आदिवासी मोर्चा के पदाधिकारियों ने रवि मिश्रा के दुबारा जिलाध्यक्ष बनाए जाने पर आपत्ति जताई है, ओबीसी अध्यक्ष सोनू इमरान ने कहा कि जिलाध्यक्ष की चयन प्रक्रिया में आब्जर्वर की भूमिका को भी संदेहास्पद बताते हुए कहा कि आब्जर्वर बिके हुए थे। उन्होंने यह भी कहा कि जब जिलाध्यक्ष को ही दुबारा जिलाध्यक्ष बनाया जाना था तो इतना तामझाम और प्रखंड और पंचायतों में बैठकों का दौर क्यों किया गया यह सरासर अन्याय है। युवा कांग्रेस अध्यक्ष अरुण संगा, अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश महासचिव कैसर खान, जिला उपाध्यक्ष सुशील संगा, पौलूस बहा मुंडा ने भी जिलाध्यक्ष के चुनाव प्रक्रिया पर सवाल उठाए और कहा कि खूंटी जिला आदिवासी बहुल इलाका है यहां भी एक प्रतिशत उच्च वर्ग है जबकि ओबीसी और अल्पसंख्यकों का प्रतिशत भी ज्यादा है।

धमन भट्ठी के कर्मियों ने लिया हड़ताल को सफल बनाने का संकल्प

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो इस्पात संयंत्र में प्रस्तावित हड़ताल को सफल बनाने हेतु आज कर्मियों ने धमन भट्ठी प्रांगण में संकल्प सभा की। बीएसएल अनाधिशासी कर्मचारी संघ के तत्वाधान में आयोजित संकल्प सभा में सभी कर्मी एकत्र होकर हड़ताल को सफल बनाने के लिए शपथ लिए। अवैध बोनस फॉमुर्ले को रद्द करने, वेज रीविजन जल्द पुरा कराने, बकाया एरियर का भुगतान करने , छुट्टियों की संख्या बढ़ाने, पदोन्नति नीति को बदलने, ग्रेड वाईज पदनाम लागू करने, इसेंटीव फॉमुर्ले में संशोधन जैसे माँगो को लेकर हड़ताल बुलाया गया है। सभा को संबोधित करते हुए अध्यक्ष हरिओम ने कहा कि हमारी हालत उस रोम के प्रजा की तरह है , जहाँ प्रजा

रुपी रोम जल रहा था तथा नीरो बंशी बजा रहा था । अभी के समय में सेल कर्मी आंदोलन कर रहे है लेकिन ऊच्च अधिकारी प्राईवेट जेट से सफर कर रहे है। कर्मचारियों का लाखो रुपया फिटमेंट एरियर तथा पर्क्स के एरियर के रुप में दबाया गया है , जबकि उच्च अधिकारियों के सुविधा के रुप मे करोड़ो रुपया प्रतिमाह लुटाया जा रहा है । एक तरफ सेल चेयरमैन से लेकर सभी अधिकारी एक मीटिंग मे अपना वेतन बढ़ोतरी 15 प्रतिशत एमजीबी तथा 35 प्रतिशत पर्क्स के साथ कर लेते है , तो दूसरी तरफ कर्मचारियों का 106 माह से वेतन समझौता अधुरा रखा गया है । सेल के अधिकारी खुद 5% पीआरपी ले रहे है और कर्मचारियों को चुरण बोनस दे रहे है। सभी अधिकारी 15 सीएल, 7 आरएच , 30 ईएल और सभी प्रमुख त्योहारों पर छुट्टियों का आनंद ले रहे है तो कर्मचारियों को 10 सीएल, 5 आरएच 22—23 ईएल में पुरा वर्ष गुजारना पर रहा है । अधिकारी वर्ग को लैपटॉप एडवांश, फर्निचर एडवांश , ड्रेस पर आयकर छूट, स्टैगेनेशन इंक्रिमेंट और हाउस पक्युर्जीट की विशेष सुविधा दी जा रही है । वही कर्मचारियों को बेसिक सुविधाओं से भी वंचित रखा जा रहा है । अधिकारी वर्ग को सुसज्जित एसी लगा पर्सनल कमरा दिया जाता है तो कर्मचारियों के रेस्ट रुम में लोहे के बेंच , कुर्सियों पर कुट रखकर काम करना होता है । अधिकारी वर्ग को कायार्लीन कार्यो के लिए मोबाईल, सीम, इंटरनेट पैक , वाई फाई, कंप्युटर, लैपटॉप जैसी सुविधा दी जा रही है तो कर्मचारियों को अपने पैसे से खरीदे मोबाईल खुद रीचार्ज कराकर काम करना पड़ता है।

बीएसएल में सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2025 के तहत बोकारो प्राइवेट आईटीआई में वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बीएसएल के सतर्कता विभाग द्वारा आज दिनाँक 08 अक्टूबर को बोकारो प्राइवेट आईटीआई, में सामूहिक सतर्कता व्यक्तिगत ईमानदारी से अधिक प्रभावशाली है विषय पर एक वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. यह कार्यक्रम सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2025 के उपलक्ष्य में चल रहे तीन माह के निवारक सतर्कता अभियान के अंतर्गत आयोजित किया गया. इस प्रतियोगिता में कुल 17 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने विचारों के माध्यम से सामूहिक सतर्कता तथा व्यक्तिगत ईमानदारी के महत्व पर प्रभावशाली तर्क प्रस्तुत किए. इस अवसर पर श्री दिव्यांशु पंत, सहायक महाप्रबंधक (सतर्कता), श्री पंकज कुमार, वरिष्ठ प्रबंधक (सतर्कता) तथा श्रीमती तनु प्रिया, वरिष्ठ प्रबंधक (एमएम- मार्केटिंग) उपस्थित रहीं. प्रतियोगिता का मूल्यांकन सुश्री तनु प्रिया एवं श्री एस.बी. वी. पांडेय, प्राचार्य (बीपीआईटीआई) द्वारा किया गया.

इंटर स्टेट बस टर्मिनल एवं बरटांड बस स्टैंड को लेकर भ्रम फैलाया जा रहा है : राज सिन्हा

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। विधानसभा के सचेतक सह धनबाद विधायक राज सिन्हा ने अपने जगजीवन नगर स्थित आवासीय कार्यालय में इंटर स्टेट बस टर्मीनल एवम बरटांड बस स्टैंड को लेकर फैलाये जा रहे भ्रम एवम उहापोह को दूर करते हुए प्रेस वार्ता की. धनबाद स्थित बरटांड़ बस स्टैंड को लेकर विधायक राज सिन्हा ने स्पष्ट किया कि ह्वबस स्टैंड वहीं रहेगा जहाँ वर्तमान में हैह्व और यह काफी पहले से तय है।. धनबाद के बरटांड़ बस स्टैंड को लेकर बीते कुछ दिनों से सोशल मीडिया और विभिन्न माध्यमों से झूठी और भ्रामक जानकारियाँ फैलाई जा रही हैं.जिससे आम जनता में भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो रही है। इसी मुद्दे पर आज भाजपा विधायक दल के सचेतक सह धनबाद विधायक राज सिन्हा ने अपने आवासीय कार्यालय, जगजीवन नगर में एक प्रेस वार्ता आयोजित कर स्थिति को स्पष्ट किया। विधायक राज सिन्हा ने कहाः "बरटांड़ में इंटर स्टेट बस टर्मिनल के लिए पहले से ही लगभग 22 एकड़ भूमि उपलब्ध है। ऐसे में जब पूरी जमीन बरटांड़ में है, तो फिर कतरास में केवल 12 एकड़ भूमि स्थानांतरित करने की क्या आवश्यकता है?" विधायक ने बताया कि उन्होंने इस विषय पर धनबाद के उपायुक्त श्री आदित्य रंजन से 20 -22 दिन पूर्व ही विस्तार पूर्वक से चर्चा की है। इस बातचीत के क्रम में उपायुक्त ने न केवल मामले को गंभीरता से लिया, बल्कि यह भी आश्वासन दिया की, "11 अक्टूबर 2025 को वे स्वयं बरटांड़ बस स्टैंड का स्थल निरीक्षण करेंगे और आवश्यकता अनुसार उसे विकसित किया जायेगा. पूरी स्पष्टता के साथ कहा कि बस स्टैंड वहीं रहेगा जहाँ वह वर्तमान में स्थित है।" विधायक सिन्हा ने कहा कि, धनबाद कि जनता की भावना सर्वोपरी है और बिल्कुल उसी अनुरूप कार्य होगा.विधायक सिन्हा ने स्पष्ट किया कि कुछ लोग इस मुद्दे को राजनीतिक रंग देकर जनता को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहाः"मैं धनबाद की जनता को विश्वास दिलाना चाहता हूँ कि बस स्टैंड को कहीं और लेके नहीं जाया जा रहा है जहां हैं वहीं रहेगा। जो लोग सोशल मीडिया पर भ्रम फैला रहे हैं, वे केवल जनता को भटकाने की कोशिश कर रहे हैं।" जनता की सुविधा और राय के आधार पर ही कोई भी निर्णय लिया जाएगा । श्री सिन्हा ने अंत में कहाः "धनबाद के विकास में किसी भी तरह की राजनीति या अफवाह की कोई जगह नहीं है। जनता की आवश्यकता, भावना और सुविधा सर्वोपरि है। इसलिए मैं स्पष्ट करना चाहता हूँ कि बरटांड़ बस स्टैंड का स्थान नहीं बदलेगा झ वह वहीं रहेगा जहाँ वह वर्तमान में है। उन्होंने सीधे तौर पर यह भी कहा कि, जनता के हित और सुविधा के लिए पहले भी संघर्ष और आंदोलन किया है और आवश्यकता पड़ने पर पुनः करने को पूरी मुस्तैदी के साथ तैयार हूं . आज के प्रेस वार्ता में धनबाद महानगर भाजपा जिला अध्यक्ष श्रवण राय,जिला महामंत्री मानस प्रसून, जिला मंत्री सह मीडिया संयोजक पंकज सिन्हा उर्फ कुमार अमित, जिलामंत्री रीता यादव, मंडल अध्यक्ष राजाराम दत्ता,किशोर मंडल, मनोज मालाकार,निर्मल प्रधान, मदन तिवारी सहित अन्य उपस्थित थे।

शरद पूर्णिमा एवं वाल्मीकि जयंती स्वयंसेवकों ने धूमधाम से मनाई

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के द्वारा शरद पूर्णिमा एवं बाल्मीकि जयंती के अवसर पर बोकारो महानगर के एक दर्जन से अधिक स्थानों पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सभी दस नगरों यथा गुरूगोविंद सिंह नगर (सेक्टर 1,2 एवं 3) के सरस्वती शिशु मंदिर, 2ए में, दयानंद नगर (सेक्टर 4, 5, एवं 6) सरस्वती विद्या मंदिर 3सी में, विवेकानंद नगर (सेक्टर 8, 9, एवं 11) के सरस्वती शिशु विद्या मंदिर 9डी में, बिरसा नगर के सेक्टर 12, घटियाली एवं को-आपरेटिव कॉलोनी में, चन्द्रशेखर आजाद नगर के बारी कोआपरेटिव कॉलोनी में, महर्षि अरविंद नगर के रेलवे कॉलोनी में, सुभाष नगर के साहू मार्केट, वीर सावरकर नगर के चीरा चास एवं भोजपुर कॉलोनी, सिद्धु कान्हू नगर के मगध काम्प्लेक्स एवं चन्दनकियारी नगर में खीर प्रसाद का वितरण किया गया। स्वयंसेवकों ने सपरिवार खीर प्रसाद का आनंद लिया। विभिन्न नगरों के कार्यक्रम में बौद्धिककर्ता के रूप में क्रमशः प्रांत शारिरिक प्रमुख कुणाल कुमार, विभाग संपर्क प्रमुख राजकुमार सिंह, विश्व हिंदू परिषद के अखिल भारतीय पूर्व उपाध्यक्ष एवं संप्रति प्रन्यासी कार्यकर्ता जगन्नाथ शाही, महानगर सह संघचालक संजय राय, शिवा, विभाग कार्यवाह धीरेन्द्र गोप, महानगर कार्यवाह रतन लाल महतो, महानगर बौद्धिक प्रमुख जितेंद्र मिश्रा, विभाग कुटुंब प्रबोधन प्रमुख संदीप तिवारी उपस्थित हुए। बौद्धिककताओं ने शरद पूर्णिमा के महत्व को बताते हुए कहा कि

धार्मिक एवं वैज्ञानिक दोनों दृष्टि से शरद पूर्णिमा का विशेष महत्व है। इस दिन चंद्रमा 16 कलाओं से युक्त होता है साथ ही वह पृथ्वी के सबसे निकट होने के कारण इसकी गुरुत्वाकर्षण शक्ति से एक चमत्कारिक प्रभाव पड़ता है। जिसका प्रभाव दूध के लैक्टिक एसिड, उसमें मिले चावल के स्टार्च और शक्कर के ग्लूकोज में वह अपनी गुरुत्वाकर्षण शक्ति का चंद्रमा की रोशनी से प्रभाव डालता है जिसके कारण आज की खीर एक औषधि शक्ति से युक्त हो जाती है। यह दिवस आदि कवि वाल्मीकि जी की जयंती के लिए भी जाना जाता है। जिन्होंने रामायण के माध्यम से राम के मयार्दा पुरुषोत्तम राम के जीवन का ऐसा वर्णन किया जो सामाजिक समरसता और कुटुंब प्रबोधन का जीवंत उदाहरण है। संघ भी अपने शताब्दी वर्ष में सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, स्व का भाव, पर्यावरण और नागरिक कर्तव्य जैसे पंच परिवर्तन के रूप में बातों को लेकर समाज के बीच जा रहा है। आज आवश्यक्ता है कि समाज संगठित हो, हमारे बच्चे अपने सांस्कृतिक धरोहरों को लेकर आगे बढ़ें। यह कार्यक्रम देवों के विद्या अश्विनी कुमार को भी समर्पित है आज ही के दिन कृष्ण ने महारास रचाया था इसलिए इसे राज पूर्णिमा भी कहते हैं। यह दिवस केवल संघ की दृष्टि से नहीं अपितु भारत के सामाजिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। इसके माध्यम से समाज एकत्रित होकर संगठित हो और मिलकर देश को परम वैभव तक पहुंचाने का कार्य करें।

जिले के हर परिवार को ऑन-फार्मिंग और ऑफ-फार्मिंग से जोड़ना प्रशासन का लक्ष्य : उपायुक्त

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त अजय नाथ झा ने कृषि, पशुपालन, मत्स्य, सहकारिता, उद्यान आदि से संबंधित योजनाओं की समीक्षा बैठक की। बैठक में उपायुक्त ने कहा कि जिले के प्रत्येक परिवार को 'ऑन फार्मिंग' (कृषि आधारित गतिविधियां) और 'ऑफ फार्मिंग' (कृषि के बाहर की आजीविका गतिविधियां) से जोड़ना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए आवश्यक है कि प्रत्येक परिवार को उसकी भूमि, संसाधन और कौशल के अनुसार किसी न किसी आर्थिक गतिविधि से जोड़ा जाए। इससे न केवल परिवारों की आय में वृद्धि होगी बल्कि बोकारो को एक समग्र आजीविका मॉडल जिला के रूप में विकसित किया जा सकेगा।

हर घर की मैपिंग होगी, एकल महिलाओं और महिला समूहों को मिलेगी प्राथमिकता

उपायुक्त ने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिया कि जिले में लाभुकों का सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण कराया जाए ताकि यह स्पष्ट हो सके कि

कौन-कौन सी पारिवारिक इकाइयां किस प्रकार की आजीविका गतिविधियों से जुड़ी हैं, और किन परिवारों को विशेष सहयोग की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से एकल महिलाएं, विधवा, परित्यक्ता या आर्थिक रूप से कमजोर महिलाएं तथा स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को योजनाओं में प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि कोई भी महिला बोकारो में बेसहारा नहीं रहेगी - प्रशासन उनके साथ है।

कृषि, पशुपालन, मत्स्य, सहकारिता, उद्यान और जेएसएलपीएस के बीच समेकित कार्य योजना बनेगी

बैठक में उपायुक्त ने कहा कि ग्रामीण विकास और रोजगार सृजन के लिए सभी विभागों को समन्वित और समेकित योजना तैयार करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अक्सर विभाग अलगझअलग योजनाएं चलाते हैं, जिससे लाभुकों तक प्रभावी परिणाम नहीं पहुंचते। इसलिए अब एकीकृत आजीविका योजना बनाकर सभी विभाग मिलकर कार्य करेंगे।

जिले में धान कटनी महोत्सव - किसानों की खुशहाली का उत्सव होगा

बैठक में उपायुक्त ने कहा कि इस बार जिला प्रशासन नवंबर माह में धान कटनी महोत्सव का आयोजन करेगा। उन्होंने सहकारिता विभाग को इसका नोडल विभाग बताते हुए महोत्सव का विस्तृत प्रारूप तैयार करने तथा महोत्सव की ब्रांडिंग पूरे जिले में करने को कहा। उन्होंने जिला सहकारिता पदाधिकारी को धान क्रय करने के लिए चिन्हित पैक्स की बैठक बुलाकर उनकी सहभागिता सुनिश्चित करने को कहा। इस बार पैक्सों को बैंक गरांटी देना है, साथ ही किसानों को धान क्रय के समय ही सरकार ने पूरी राशि भुगतान करने का निर्णय लिया है।

कृषि विभाग को सख्त निर्देश - लक्ष्य के अनुरूप प्रदर्शन जरूरी

झारखंड मिलेट मिशन के तहत फसल सत्यापन कार्य में तेजी लाने, सभी एटीएम/बीटीएम एवं कृषक मित्र को इसे सुनिश्चित करने को कहा। कृषक समृद्धि योजना के तहत चंदनकियारी प्रखंड में सोलर पंप सिस्टम का वितरण कम होने पर उपायुक्त ने असंतोष जताया। विभाग द्वारा सॉयल हेल्थ कार्ड योजना के अंतर्गत लक्ष्य अनुरूप शत प्रतिशत मृदा नमूना संग्रहण सुनिश्चित करने तथा 100 प्रतिशत सॉयल हेल्थ कार्ड वितरण करें। उन्होंने किसानों को मृदा परीक्षण रिपोर्ट के आधार पर फसल चयन एवं उर्वरक प्रबंधन की जानकारी देकर उत्पादन में वृद्धि लाने की दिशा में कार्य करने की बात कहीं। वहीं, डिजिटल क्रॉप सर्वे की धीमी प्रगति पर भी असंतोष जताते हुए जिला कृषि पदाधिकारी को निर्देश दिया कि अधिक से अधिक वीएलई को सर्वेयर के रूप में जोड़ें, ताकि 15 अक्टूबर की निर्धारित समय-सीमा से पूर्व यह कार्य पूर्ण किया जा सके। साथ ही, उन्होंने कहा कि कृषक पाठशाला के माध्यम से फसल बीमा, कृषि यंत्रीकरण एवं किसान प्रशिक्षण शिविरों को भी नियमित रूप से संचालित किया जाए, ताकि किसानों के बीच तकनीकी जागरूकता बढ़े।

मत्स्य विभाग-तालाबों की मैपिंग और केज फिशिंग को दें बढ़ावा

मत्स्य विभाग को निर्देश दिया गया कि जिले के सभी सरकारी तथा निजी तालाबों की भौगोलिक मैपिंग एक सप्ताह के भीतर पूरी की जाए। उन्होंने कहा कि मत्स्य पालन एवं केज फिशिंग जैसी आधुनिक तकनीकों से युवाओं को जोड़ना आवश्यक है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और आत्मनिर्भरता दोनों को बढ़ावा मिलेगा। उपायुक्त ने कहा कि जिन तालाबों का उपयोग नहीं हो रहा है, उन्हें मत्स्य पालन हेतु चिन्हित कर योजनाबद्ध रूप से मछुआरा समूह को सौंपें।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर-
9431145665
8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या :
JHAHIN/2017/72655
E-mail-
nbtimesbihar@gmail.com

CMYK